दैनिक
नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◊◊ 6 | अभिव्यक्ति 3 | राजधानी 7 | आंचलिक 12 | देश-विदेश

रांची, सोमवार, 07 अगस्त, 2023, सावन कृष्ण पक्ष षष्ठी, विक्रम संवत-2080 वर्ष-08 अंक-112 पृष्ठ-12, मूल्य - 3 रुपये रांची, रायपुर, बिलासपुर, भोपाल व जबलपुर से एक साथ प्रकाशित www.navpradesh.com

आज बेबाक

इसे ही कहते हैं मारो घुटना फूटे आंख। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारी बरसात के चलते भारत में डेंगू के महामारी का रूप धारण करने की चेतावनी दी थी। सरकार ने इससे निपटने की तैयारी भी शुरू कर दी थी लेकिन इसकी जगह आई फ्लू ने महामारी का रूप ले लिया है। नतीजतन अब लोग अखियों से गोली मार रहे हैं और यह गा रहे है- परदेशियों से न अंखियां मिलाना...। कोरोना काल में मास्क पहनना अनिवार्य था और लोग नकाबपोश बन गए थे। अब गोरे-गोरे मुखड़े पर काला चश्मा लगाना जरूरी हो जाने से लोग चश्मीश बन रहे हैं।

//-- सुविचार --//

किसी भी चीज की सुंदरता और शुद्धता, देखने वाले की आंख पर निर्भर करती है।

सूर्योदय/सूर्यास्त

उदय : 05:21 प्रात:

अस्त : 06:28 संध्या

प्रदेश का तापमान

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	27.0	23.0
जमशेदपुर	29.0	25.0
हजारीबाग	27.0	23.0
डालटनगंज	29.0	25.0

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने 44 उद्योगपतियों को जारी किया नोटिस

रायपुर। राजधानी रायपुर की बहुचर्चित इंदिरा प्रियदर्शनी बैंक घोटाला मामले में शनिवार 5 अगस्त को न्यायाधीश भूपेंद्र वासनीकर की कोर्ट में सुनवाई की गई। इस दौरान छत्तीसगढ़ शासन के उप महाधिवक्ता संदीप दुबे ने उपस्थित होकर कोर्ट को बताया कि घोटाले से जुड़े आरोपी कोर्ट की पेशी में नहीं आ रहे हैं। इस पर न्यायाधीश ने संज्ञान लेते हुए सभी आरोपियों को 11 अगस्त को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया। छत्तीसगढ़ शासन के उप महाधिवक्ता संदीप दुबे ने पत्रकारों को बताया कि इंदिरा प्रियदर्शनी बैंक में हुए करोड़ों के घोटाला मामले की जांच चल रही है। जल्द ही इस घोटाले से जुड़े लोगों के नाम सामने आ जायेंगें। कोर्ट में हमने पूरे घोटाले से जुड़े तथ्यों की जानकारी दी है लेकिन अभी तक घोटाला करने वालों के नाम कोर्ट को भी नहीं बताए है। आने वाले समय में इसकी जानकारी दी जायेगी। बता दें कि कोतवाली पुलिस ने 44 उद्योगपति, कारोबारी और राजनेता को नोटिस जारी किया है।

एचईसी कर्मियों को पेमेंट नहीं, बल्कि सिर्फ पे स्लिप थमा रहा है प्रबंधन

2600 कर्मियों का 14 महीने से बकाया है वेतन

नव प्रदेश संवाददाता

रांची : देश में कभी सार्वजनिक लोक उपक्रम की सबसे बड़ी कंपनी रही हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन (एचईसी) की इन दिनों आर्थिक स्थिति अत्यंत खराब हो गई है। एचईसी प्रबंधन ने पूंजी के अभाव में अपने कर्मियों को समय पर वेतन देना भी बंद कर दिया है। बात यदि कर्मियों की की जाए तो एचईसी में लगभग छब्बीस सौ कर्मी कंपनी से जुड़े हुए हैं। इनमें लगभग 600 अधिकारी और 500 स्थायी वर्कर है। ग्यारह सौ स्थायी अधिकारी और वर्कर के अलावा एचईसी में लगभग 1600 कॉन्ट्रैक्ट वर्कर काम कर रहे हैं। लेकिन एचईसी प्रबंधन ना तो स्थाई अधिकारियों और कर्मचारियों को वेतन दे रहा है और ना ही ठेके पर कार्यरत कर्मियों को वेतन दे रहा है। अधिकारियों और कर्मचारियों का लगभग 14 महीने से अधिक का वेतन बकाया चल रहा है। नियमित रूप से वेतन की मांग को लेकर एचईसी के अधिकारियों ने पिछले दिनों लगातार डेढ़ सौ दिन का आंदोलन किया लेकिन नतीजा कहा जाए तो सिफर रहा। लगभग 5 महीनों के आंदोलन से घबराई प्रबंधन ने अभियंताओं से काम पर लौटने की अपील की और वेतन देने का आश्वासन भी दिया। आंदोलन का रास्ता छोड़ने पर एचईसी के अधिकारियों को 3 अप्रैल 2023 को एक साथ 2 महीने का वेतन दिया गया। उसके बाद आज तक उन्हें वेतन नहीं मिला है। अधिकारियों ने कई बार एचईसी मुख्यालय समेत वरीय अधिकारियों के ऑफिस के समक्ष धरना प्रदर्शन किया, लेकिन उनकी मांगों पर कोई पहल नहीं की गई। स्थिति आज ऐसी हो गई है कि एचईसी प्रबंधन ने अपने अधिकारियों और कर्मचारियों को हर महीने नियमित रूप से पेमेंट की जगह सिर्फ पे स्लिप हाथों में थाम आना शुरू कर दिया। आज स्थिति ऐसी हो गई है कि इन कर्मियों को हर महीने पे स्लिप भी समय पर नहीं मिल रहा है। पे स्लिप के बारे में बताते चले कि इसे स्टेटमेंट समझा जा सकता है। पे-स्लिप के माध्यम से ही पता चलता है कि आपने कितना दिन काम किया और कितना वेतन आपको मिलने वाला है।

सिर्फ पे-स्लिप मिलने से नाराज हैं कर्मी

हाथों में सिर्फ पे स्लिप मिलने से नाराज एचईसी कर्मियों को तब एक और अधिक झटका लगा है। जब उन्हें पता चला कि एचईसी प्रबंधन ने अपने 26 कर्मियों के पीएफ अकाउंट में भविष्य निधि का 156 करोड़ से अधिक की राशि को जमा ही नहीं किया है। यह खुलासा तब हुआ जब कर्मियों ने भविष्य निधि से लोन के लिए आवेदन भरा। भविष्य निधि का पैसा नहीं जमा होने से एचईसी के कर्मियों में भविष्य को लेकर और अधिक चिंता होने लगी है। कहा जाए तो एचईसी में काम कर रहे कर्मियों का वर्तमान तो अनिश्चितता के दौर से गुजर ही रहा है साथ ही उनके अपने पैसे जब प्रबंधन भविष्य निधि खाते में जमा नहीं कर रहा है तो निश्चित रूप से उनका आने वाला भविष्य भी डगमगाने वाली स्थिति में पहुंच गया है।

पैसे के अभाव में मोबाइल लॉन्चिंग पैड अधूरा

हाल में ही चंद्रायन-3 के लिए महत्वपूर्ण उपकरणों का निर्माण कर चुकी कंपनी एचईसी के पास अभी भी कई महत्वपूर्ण वर्क आर्डर है। लेकिन पूंजी के अभाव में इन वर्क आर्डर को पूरा नहीं किया जा रहा है। वर्क आर्डर पूरा नहीं करने से एचईसी के साख पर भी बट्टा लग रहा है। एचईसी के पास इंडियन स्पेस रिसर्च ऑगेनाईजेशन, इसरो के लिए मोबाइल लॉन्चिंग पैड का वर्क आर्डर मिला हुआ है। मोबाइल लॉन्चिंग पैड का काम लगभग 50 प्रतिशत पूरा भी हो गया है लेकिन कैपिटल के अभाव में कम अब आगे नहीं बढ़ रहा है। पिछले 5 महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी इसरो का मोबाइल लॉन्चिंग पैड बनाने की दिशा में एचईसी प्रबंध और एचईसी के कर्मी कोई कदम नहीं बढ़ा रहे हैं।

भाभा एटॉमिक सेंटर का काम अधूरा

भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर यानी बार्क का भी वर्क आर्डर को पूरा करने में एचईसी पूरी तरह से असक्षम हो गया है। भारत ने एचईसी को वर्ष 2018 में सबमरीन का पाट्‌र्स बनाने का वर्क आर्डर दिया था लेकिन एचईसी ने पूंजी के अभाव में उसे आज तक पूरा नहीं किया है। एचईसी को वर्क के लिए न्यूक्लियर रिएक्टर का बॉडी पाट्‌र्स बनाना था। लगातार दो वर्षों कोरोना काल में भी एचईसी को काफी झटका दिया है। कोविड काल में एचईसी के उत्पादन पर बुरा असर पड़ा।

पुनरुत्थान के लिए नहीं हो रही पहल

एचईसी को बचाने के लिए केंद्र सरकार के पहल की जरूरत है। इस संबंध में रांची के सांसद संजय सेठ और कंपनी के अधिकारी और यूनियन के प्रतिनिधियों ने कई बार दिल्ली में भारी उद्योग मंत्रालय से मुलाकात भी की है। इस दौरान उन्हें आश्वासन भी मिला है। लेकिन एसीसी के पुनरुत्थान के लिए पिछले कुछ वर्षों से कोई पहल नहीं की गई है। कंपनी के अधिकारियों का मानना है कि एचईसी को बचाने के लिए सबसे पहले केंद्र सरकार को आगे आना चाहिए यदि ऐसा नहीं हो रहा है तो राज्य सरकार को इस दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए।

झारखंड में 20 रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास किया जाएगा, प्रधानमंत्री मोदी ने रखी आधारशिला, कहा

देश आज हर बुराई के लिए कह रहा- भारत छोड़ो

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को विपक्षी महागठबंधन 'इंडिया' पर परोक्ष रूप से निशाना साधा और भ्रष्टाचार, वंशवाद की राजनीति और तुष्टिकरण की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश इन बुरी ताकतों से भारत छोड़ने का आह्वान कर रहा है। पीएम मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखने के बाद बोल रहे थे। 'भारत छोड़ो आंदोलन' की वर्षगांठ का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, यह महीना क्रांति का महीना है, कृतज्ञता का महीना है। यह कर्तव्य का महीना है। अगस्त में इतने ऐतिहासिक दिन आते हैं, जिन्होंने भारत के इतिहास को एक नई दिशा दी और आज भी हमें प्रेरित करते हैं। उन्होंने आगे कहा, कल 7 अगस्त को पूरा देश राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाएगा। यह तारीख हर भारतीय के लिए स्थानीय लोगों के लिए मुखर होने के संकल्प दोहराने का दिन है। इसके बाद 9 अगस्त आएगा। यह वह दिन है जब ऐतिहासिक भारत छोड़ो आंदोन शुरू हुआ था। महात्मा गांधी ने मंत्र दिया था और भारत छोड़ो आंदोलन ने आजादी की दिशा में भारत के कदमों में नई उर्जा पैदा की। आज इसी से प्रेरित होकर पूरा देश हर बुराई के लिए कह रहा है- भारत छोड़ो। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी दिशाओं में केवल एक ही प्रतिक्रिया है, और वह है- भ्रष्टाचार भारत छोड़ो, वंशवाद भारत छोड़ो और तुष्टीकरण भारत छोड़ो। 'इंडिया' गुट पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने किसी का नाम लिए

बगैर कहा कि आज विपक्षी दलों का एक धड़ा है जो हर चीज का विरोध कर रहा है और उसके एक भी वरिष्ठ नेता ने गुजरात में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का दौरा नहीं किया। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से हमारे देश में विपक्ष का एक धड़ा आज भी पुराने तरीकों का पालन कर रहा है। वे न तो खुद से कुछ करेंगे और न ही किसी और को कुछ करने देंगे... देश ने एक आधुनिक संसद भवन का निर्माण किया। संसद देश के लोकतंत्र का प्रतीक है। इसमें सत्ता पक्ष के साथ-साथ विपक्ष का भी प्रतिनिधित्व है। लेकिन विपक्ष के इस धड़े ने नए संसद भवन का विरोध किया। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, हमने कर्तव्य पथ का पुनर्विकास किया लेकिन उन्होंने इसका भी विरोध किया। 70 वर्षों तक उन्होंने देश के बहादुरों के लिए एक युद्ध स्मारक भी नहीं बनाया। जब हमने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक बनाया, तो उन्हें सार्वजनिक रूप से इसकी आलोचना करने में कोई शर्म महसूस नहीं हुई। सरदार वल्लभभाई पटेल की 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' दुनिया की सबसे ऊंची इमारत है। हर भारतीय को इस पर गर्व है। लेकिन कुछ राजनीतिक दलों के बड़े नेताओं में से कोई भी कभी प्रतिमा का दौरा नहीं किया... नकारात्मक राजनीति से ऊपर उठकर हम एक मिशन के रूप में सकारात्मक राजनीति के रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं।' शिलान्यास समारोह में कई केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री या राज्यपाल भी अपने-अपने राज्यों से शामिल हुए, जहां अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत संबंधित रेलवे स्टेशनों को पूरी तरह से बदला जाना है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत के लगभग 1300 प्रमुख रेलवे स्टेशनों को अब अमृत भारत रेलवे स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगा। इन्हें आधुनिक तरीके से फिर से विकसित किया जाएगा। इनमें से 508 अमृत भारत रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास का काम आज से शुरू हो रहा है। इन 508 अमृत भारत स्टेशनों के पुनर्विकास पर लगभग

झारखंड में 20 रेलवे स्टेशनों का शिलान्यास

पुनर्विकास के बाद ऐसा दिखेगा हटिया स्टेशन

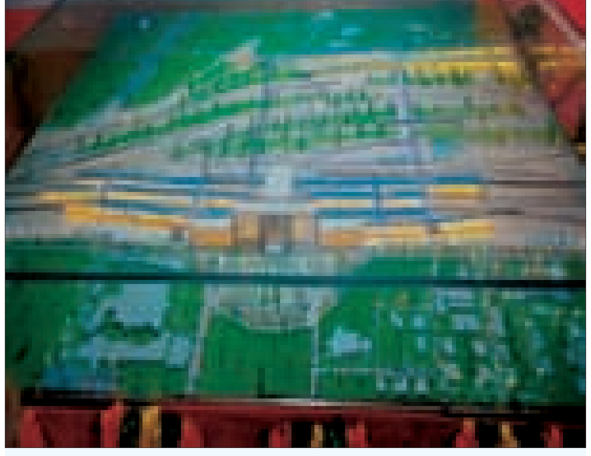

रांची: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार सुबह झारखंड में 20 रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखी। ये स्टेशन 27 राज्य के उन 508 रेलवे स्टेशन में शामिल हैं, जिनके पुनर्विकास की आधारशिला प्रधानमंत्री मोदी ने ऑनलाइन माध्यम से रखी है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत झारखंड में जिन 20 स्टेशन को 886.7 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकसित किया जाएगा उनमें हटिया, पिस्का, डाल्टनगंज, गढ़वा रोड, लातेहार, पारसनाथ, कोडरमा, बोकारो स्टील सिटी, कुमारधुबी, साहिबगंज और घाटशिला शामिल हैं।

हटिया स्टेशन पर खर्च होंगे 335 करोड़

वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्यिक प्रबंधक (रांची) निशांत कुमार ने बताया कि हटिया स्टेशन को 355 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकसित किया जाएगा, जबकि पिस्का स्टेशन के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 27 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। निशांत कुमार के मुताबिक, हटिया स्टेशन की इमारत पांच मंजिला होगी, जिसमें 10 लिफ्ट और छह स्वचालित सीढ़ियां (एस्केलेटर) लगाई जाएंगी। यह इमारत हरित ऊर्जा पर आधारित होगी और इसमें जल पुनर्चक्रण प्रणाली की भी व्यवस्था की जाएगी। >> पेज 3 भी देखें

यूसीसी पर आदिवासियों का विरोध शुरू

नयी दिल्ली : अब तक बेहद हंगामेदार रहे संसद सत्र में सोमवार को भी सरकार की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। विपक्ष राहुल गांधी की संसद सदस्यता को अब तक बहाल न किए जाने को मुद्दा बनाकर सरकार को घेरने की कोशिश कर सकता है तो सात अगस्त को ही कुछ आदिवासी संगठनों ने भारत बंद का आयोजन किया है। इस बंद का झारखंड सहित चुनावी राज्यों मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में असर हो सकता है। इससे भी केंद्र सरकार की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। राष्ट्रीय आदिवासी एकता परिषद ने सोमवार सात अगस्त को भारत बंद का एलान करते हुए कहा है कि समान नागरिक संहिता आदिवासियों के हितों को चोट पहुंचाने वाली है। आदिवासी समुदायों के विभिन्न समाजों में धार्मिक-सामाजिक परंपराएं अलग-अलग हैं। समान नागरिक संहिता में सबके लिए एक समान कानून बनाने से आदिवासियों की परंपराओं को चोट पहुंच सकती है। यह आदिवासियों की मूल पहचान को भी प्रभावित कर सकती है जिसे सुरक्षित रखे जाने की गारंटी संविधान के अंतर्गत दी गई है। परिषद के नेता भारती सिंह ने आदिवासियों के साथ-साथ मणिपुर का मुद्दा भी उठाया है। उन्होंने कहा है कि मणिपुर में आदिवासियों की बड़ी संख्या है और सरकार वहां पर आदिवासियों के हितों को सुरक्षा देने में असफल साबित हुई है। सोमवार के बंद के जरिए वे इन आवाजों को उठाने की कोशिश कर रहे हैं।

आदिवासियों के नाम पर नकारात्मक राजनीति नहीं होगी सफल : उरांव

वहीं, आदिवासी समुदाय के भाजपा नेता समीर उरांव ने कहा कि अब तक आदिवासियों के नाम पर नकारात्मक राजनीति की जाती रही है। उन्हें कोई मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने का कोई काम नहीं हुआ है और इसका सबसे बड़ा प्रमाण है कि स्वतंत्रता के 75 साल बाद भी आदिवासी इलाकों में कोई विकास नहीं हुआ है। वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में आदिवासी इलाकों में भारी विकास किया गया है। इन इलाकों में रोजगार की संभावनाएं पैदा कर आदिवासी युवाओं को विकास की मुख्यधारा में लाने की कोशिश की गई है। केंद्र सरकार के इन प्रयासों का ही परिणाम है कि आज आदिवासी समुदाय अपने अंदर एक नई ऊर्जा महसूस कर रहा है। मोदी सरकार की विकासवादी नीतियों के कारण ही विपक्ष को अपनी राजनीति सिमटती दिखाई पड़ रही है।

खगोल विज्ञान | दुनिया के वैज्ञानिक हुए हैरान, सूर्य से निकला महाविनाशक तूफान

एक साथ पहुंचा धरती, चांद व मंगल ग्रह पर

वॉशिंगटन : अंतरिक्ष में एक बेहद हैरान करने वाली घटना देखने को मिली है। इस घटना में वैज्ञानिकों ने सूर्य से निकले कोरोनल मास इजेक्शन को देखा। लेकिन हैरानी की बात रही कि यह पृथ्वी, चांद और मंगल ग्रह तक पहुंचा। यह उटए 28 अक्टूबर 2021 को हुआ था, जिससे निकलने वाले चार्ज्ड कणों का प्रवाह पृथ्वी और मंगल दोनों पर देखा गया। इस दौरान दोनों ही ग्रह एक दूसरे के विपरीत थे और लगभग 25 करोड़ किमी दूर थे। इसके बावजूद यह कण दोनों ग्रहों पर पहुंचे।

इस घटना को तीनों जगहों पर मौजूद अलग-अलग यंत्रों ने देखा। सौर तूफान को यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के एक्सोमार्स ट्रेस गैस ऑर्बिटर, मंगल पर मौजूद नासा के मार्स रोवर, चीन के चांग'ई-4 मून लैंडर और नासा के लूनर

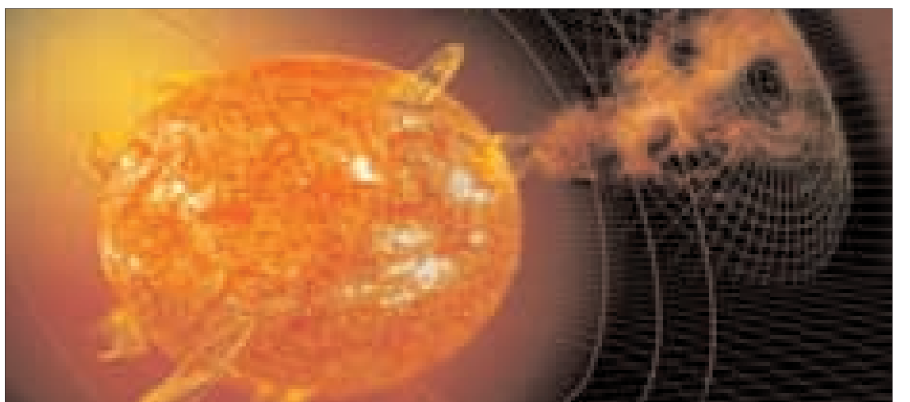

रिकोनाइसेंस ऑर्बिटर सहित अंतरिक्ष के कई अन्य यानों ने कैद किया। वैज्ञानिकों का मानना है कि तीनों ही जगहों पर हुई यह घटना सौर विस्फोटों के प्रभावों के बारे में समझ को बढ़ाने में महत्वपूर्ण है। इससे यह समझने में मदद मिलेगी कि कैसे एक ग्रह का चुंबकीय क्षेत्र और वातावरण अंतरिक्ष यात्रियों को सौर रेडिएशन से बचा सकता है।

धरती के लिए भी होता है खतरा

इस घटना को दुर्लभ ग्राउंड लेवल इनहैंसमेंट के रूप में वगीर्कृत किया गया है। इसमें सूर्य से निकले कणों में इतनी ऊर्जा होती है कि वह पृथ्वी की सुरक्षा करने वाली चुंबकीय क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं। 1940 के दशक से सूर्य के विस्फोटों का रिकॉर्ड रखा जा रहा है, और तब से इस तरह की घटना का यह 73वां मौका है। क्योंकि चंद्रमा और मंगल का चुंबकीय क्षेत्र कमजोर हैं, ऐसे में सौर कण आसानी से उनकी सतह तक पहुंच सकते हैं और मिट्टी में सेकेंड्री रेजिएशन पैदा करते हैं।

यह घटना क्यों है महत्वपूर्ण

मंगल ग्रह के पास अपना पतला वायुमंडल है, जो ज्यादातर कम ऊर्जा वाले सौर कणों को रोक देते हैं और ज्यादा ऊजार्वान कणों को धीमा कर देते हैं। चंद्रमा और मंगल पर भविष्य में इंसान जाना चाहते हैं। ऐसे में उनके शरीर पर इसका संभावित प्रभाव क्या होगा, यह समझना बेहद जरूरी है। अंतरिक्ष यात्रियों को रेडिएशन बीमारी से खतरे का सामना करना पड़ता है। 700 मिलीग्राम से ज्यादा का रेडिएशन इंटरनल ब्लीडिंग का कारण बन सकता है। अगर अंतरिक्ष यात्री को 10 से ज्यादा ग्रे का रेडिएशन मिले तो दो हफ्ते से कम जिंदा रहने की संभावना बनती है।

पतरातू में अपराधियों ने होटल मालिक की गोली मारकर हत्या की

माही होटल के मालिक रोशन को अपराधियों ने मारी चार गोलियां

रामगढ़। जिले का पतरातू प्रखंड एक बार फिर गोलियों की तरह से गूंज उठा। रविवार की रात पतरातू प्रखंड के बासल थाना क्षेत्र अंतर्गत माही होटल के मालिक राजेंद्र कुमार उर्फ रोशन साहू की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। रोशन कुमार ने रामगढ़ सदर अस्पताल में दम तोड़ दिया। इस मामले की पुष्टि करते हुए पतरातू एसडीपीओ वीरेंद्र कुमार चौधरी ने बताया कि माही रेस्टोरेंट में रोशन आम दिनों की तरह अपने ग्राहकों के साथ बात कर रहे थे। इसी दौरान एक बाइक पर सवार तीन अपराधी ग्राहक बनकर आए। उनमें से एक ने रोशन के साथ बात की। रोशन से बात करके वह जैसे ही काउंटर से आगे बढ़ा वहां से मुड़ कर उसने रोशन पर दनादन

फायरिंग शुरू कर दी। रोशन को चार गोलियां लगी हैं, जिसकी वजह से उसकी मौत हुई है। यह घटना इन लोगों ने अंजाम दिया है, इसका पता लगाया जा रहा है। आपराधिक गिरोह इसमें कितनी संलिप्तता है इसके बारे में भी छानबीन की जा रही है। जिस वक्त अपराधियों ने इस वारदात को अंजाम दिया उस वक्त रोशन के पैतृक गांव रसदा के रहने वाले कुछ लोग भी वहां मौजूद थे। उन लोगों ने पूरी वारदात को देखा है, जिसके बारे में पुलिस को बताया भी है।

झारखंड आदिवासी दिवस समारोह में 30 सामाजिक संगठन होंगे शामिल

रांची। झारखंड आदिवासी दिवस समारोह में 30 सामाजिक संगठन शामिल होंगे। इसके मद्देनजर रविवार को विश्व आदिवासी दिवस की तैयारी को लेकर बैठक बुलाई गई। बैठक में विश्व आदिवासी दिवस की तैयारियों को लेकर कई निर्णय लिए गए। विश्व आदिवासी दिवस समारोह में 30 सामाजिक संगठन संयुक्त रूप शामिल होंगे।

बैठक में समिति की अध्यक्ष निरंजना हेरेंज टोप्पो ने कहा कि देश के कई राज्य में आदिवासियों के ऊपर हो रहे हमले, हत्या, दुष्कर्म सहित अन्य घटनाओं पर कहा कि राजनीतिक षड्यंत्र और कॉरपोरेट घरानों के कारण प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन करने वाले आदिवासी जनजाति समाज विलुप्तता के कगार पर पहुंच रहे हैं।

पाहन महासंघ झारखंड प्रदेश, जय आदिवासी केंद्रीय परिषद, अखिल भारतीय एसटीएससी परिसंघ, राष्ट्रीय आदिवासी इंडीजिनस धर्म समन्वय समिति, भारत सरना समिति नगडा टोली, सिंहभूम हो आदिवासी समाज, प्राकृतिक धर्म सेवा केंद्र रांची, आदिवासी विकास सरना प्रार्थना सभा अनगड़ा, आदिवासी सरना सतड सहयोग समिति रांची, राष्ट्रीय आदिवासी एकता परिषद, राजस्थान आदिवासी मीणा समाज झारखंड, सरना प्रार्थना सभा महुआ टोली होटवार, नेम्हा बेली फाउंडेशन, ग्रामसभा बड़ा घाघरा रांची, झारखंड प्रदेश आदिवासी गोंड महासभा, राजी पड़हा रांची, आदिवासी सरना समिति जगन्नाथपुर रांची, ट्रायबल एडवोकेट एसोसिएशन, केंद्रीय सरना प्रार्थना समिति, आदिवासी धर्म सेवा केंद्र, आदिवासी भूमिज समाज रांची, आदिवासी सरना ग्राम सभा बड़गाई, सरना प्रार्थना सभा बूटी, आदिवासी सरना प्रार्थना सभा किशनपुर सहित 32 संगठन एक साथ शामिल होकर हुंकार भरेंगे।

महिला-पुरुष पारंपरिक वेशभूषा तीर धनुष, कुल्हाड़ी टांगा, हंसुआ ,लाठी ,डंडा ,गुलेल, बलवा, फरसा, नगाड़ा, ढोल, वाद्य यंत्र के साथ रांची महानगर के मुख्य सड़क पर प्रदर्शन करेंगी। परमवीर अल्बर्ट एक्का चौक पर झारखंड प्रदेश सहित देश के आदिवासी वीरांगना योद्धा स्वतंत्र सेनानी महापुरुषों योद्धाओं कट आउट चित्र लगाकर आदिवासी दिवस पर विशेष श्रद्धांजलि पाहन धार्मिक अगवा द्वारा दिया जाएगा। सरना झंडा, आदिवासी झंडा ,मुंडा झंडा , पडहा झंड से विश्व आदिवासी दिवस में इंद्रधनुषी माहौल दिखेगा।

रिमझिम फुहारों के बीच झारखंड आदिवासी महोत्सव की तैयारियां अपने उफान पर

रांची : राजधानी रांची स्थित भगवान बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान सह स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय एक ऐतिहासिक स्थल है। इस ऐतिहासिक स्थल की पावन धरा पर झारखण्ड आदिवासी महोत्सव 2023 का वृहत और भव्य आयोजन किया जा रहा है। कला, संस्कृति के अनुपम संगम स्थल पर आदिवासी आन,बान और शान का गौरवशाली इतिहास और आदिवासी भव्यता को प्रदर्शित करता स्मृति उद्यान स्थल पल पल प्रतिपल आकार ले रहा है।

09 एवं 10 अगस्त को झारखंड आदिवासी महोत्सव 2023 में झारखंडी खान पान,परिधान फैशन शो,आदिवासी व्यंजन के स्टॉल एवं विविध जनजातीय सांस्कृतिक संध्या आदि कार्यक्रमों की बानगी

छटा बिखेरती नजर आयेगी।

सावन मास के रिमझिम फुहारों के बीच इस अलौकिक कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए दिवा रात्रि सभी एक उद्देश्य के साथ आयोजन को अंतिम रुप देने में लगे हुए है। आगामी 9-10 अगस्त 2023 विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले झारखण्ड आदिवासी महोत्सव-2023 में भगवान बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान सह स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय इतिहास रचने जा रहा है।

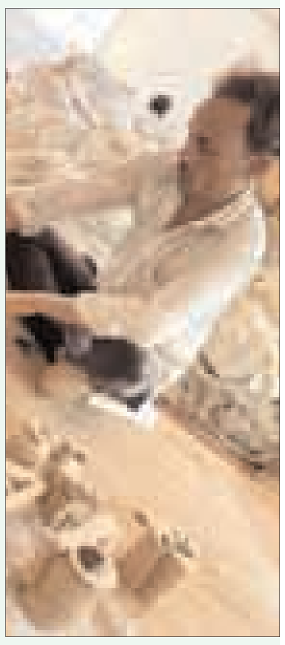

परिवारवाद को हराना है : बाबूलाल

प्रदेश भाजपा का मधुबन में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन

रांची/गिरिडीह। भाजपा प्रदेश प्रशिक्षण विभाग की ओर से जिला परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवम सदस्यों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर रविवार को मधुबन में संपन्न हुआ। समापन सत्र को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जनता भगवान है। भगवान के दरबार में अच्छे संकल्प की सिद्धि के लिए बार बार गुहार लगानी पड़ती है। हम भी जनता के दरवाजे पर पार्टी की नीतियों ,कार्यक्रमों को लेकर बार बार जाएं।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने मोदी के नेतृत्व में श्रेष्ठ भारत की नीव रखी है। तीसरी बार मोदी सरकार बनाकर हमे आत्मनिर्भर भारत निर्माण के संकल्प को पूरा करना है। उन्होंने झारखंड के 14 लोकसभा सीट पर जीत सुनिश्चित कराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आगामी लड़ाई परिवारवाद और राष्ट्रवाद के बीच है। उन्होंने ग्रामीण विकास और अंत्योदय संबंधी योजनाओं के विषय में बोलते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने अंत्योदय और ग्रामीण विकास की योजनाओं पर अटल जी के नेतृत्व में कार्य प्रारंभ किया जिसे पिछले नौ वर्षों में मोदी सरकार ने मजबूती से आगे बढ़ाया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना,आवास योजना, शौचालय योजना, गरीब कल्याण अन्न योजना ,किसान समृद्धि योजना,आयुष्मान भारत योजना जैसी योजनाओं ने गांव गरीब किसान को आर्थिक सामाजिक रूप से मजबूती प्रदान की है। उन्होंने कहा कि आज गरीबी घटी है साथ ही गांव और शहर की दूरी समाप्त हुई है।

भाजपा के इतिहास विकास और पंच निष्ठा विषय पर बोलते हुए क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी ने विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भाजपा का इतिहास 1951से जनसंघ की स्थापना से शुरू होता है। जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के कश्मीर में राष्ट्र की एकता केलिए दिए बलिदान से हमारा संघर्ष आगे बढ़ता है। गोवा मुक्ति आंदोलन,पांडिचेरी दमन दीव की लड़ाई लड़ते हुए पार्टी ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए आपात काल में संघर्ष किया।

भाजपा ने कांग्रेस की राष्ट विरोधी नीतियों और राष्ट्र के प्रति उनकी अवधारणा के खिलाफ जनमत खड़ा कर एक मजबूत विपक्षी गठबंधन खड़ा किया।आज संघर्ष के बल पर और जनता के सहयोग से पार्टी पूर्ण बहुमत से केंद्र सरकार चला रही है। हम सबका साथ सबका विकास के संकल्प और अंत्योदय के कार्यक्रम को तेजी से धरातल पर उतार रहे हैं।

पंचायती राज में प्रतिनिधियों की भूमिका विषय पर बोलते हुए राष्ट्रीय मंत्री आशा लकड़ा ने कहा कि जनता ने जैसे आप सभी पर भरोसा किया है वैसे आप सभी उनके आशाओं उम्मीदों पर खरा उतरे। साथ ही भाजपा के नीतियों कार्यक्रमों को संपर्क और संवाद के माध्यम से जनता के बीच लेकर जाएं। अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव ने जनसंघ काल से पार्टी को सींचने वाले स्व ललित उरांव के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्व उरांव जैसे प्रेरणा पुरुषों ने अभाव में भी पार्टी की नीतियों कार्यक्रमों को जनता के बीच पहुंचाया।

कार्यकर्ता ही पार्टी की पूंजी है : कर्मवीर सिंह

कर्मवीर सिंह प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा में प्रशिक्षण कार्यकर्ता निर्माण की पद्धति है, जिससे एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक कार्यकर्ता का भी निर्माण होता है। उन्होंने प्रशिक्षण में सभी लोगों को पार्टी की नीतियों कार्यक्रमों को जनता के बीच लेकर जाने का आह्वान किया।

एक नजर

सूची से हटाए जाएंगे मृत मतदाताओं के नाम

रांची। रांची में मृत मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से हटाया जाएगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह- उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा द्वारा इस संबंध में सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी रांची, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी राहे एवं इटकी को निर्देश दिया है। योजना एवं विकास विभाग ने 18.07.2023 से 18.08.2023 तक जन्म-मृत्यु निबंधन से संबंधित विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उपायुक्त ने इस अभियान के तहत संबंधित रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) से समन्वय स्थापित करते हुए मृत मतदाताओं का नाम नियमानुसार मतदाता सूची से विलोपित करने को कहा है। आगामी मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2024 तथा लोकसभा एवं विधानसभा आम निर्वाचन- 2024 को लेकर 01.01.2024 को अर्हता तिथि मानते हुए मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के निमित 01.06.2023 से पूर्व पुनरीक्षण गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है, जो 16.10.2023 तक चलेगा।

पथ निर्माण विभाग के ई.ई अनिल कुमार सिंह के खिलाफ पी. ई. दर्ज करने की स्वीकृति

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस पॉलिसी पर अमल करते हुए भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर लगातार एक्शन में है। इसी सिलसिले में उन्होंने अनिल कुमार सिंह, अधीक्षण अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, हजारीबाग के विरुद्ध आयकर विभाग द्वारा आय से अधिक धनार्जन करने से संबंधित जांच प्रतिवेदन के आधार पर पी. ई. दर्ज करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है। आयकर विभाग के द्वारा अनिल कुमार सिंह, अधीक्षण अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, हजारीबाग के आवास पर 22 नवंबर 2022 को की गई तलाशी के दौरान कुल 406.28 लाख रुपए की चल- अचल संपत्ति मिली थी। इसमे 17.13 लाख रुपए नकद, 170.15 लाख रुपए का गहना एवं बहुमूल्य धातु, 64 लाख रुपए बैंक खातों में जमा राशि और 155 लाख रुपए परिवार के नाम पर अचल संपत्ति के रूप में मिले थे, जिसे जब्त कर लिया गया था। इस सिलसिले में प्रधान आयकर निदेशक (अन्वेषण) कार्यालय, पटना द्वारा तलाशी और जब्ती से संबंधित प्रारंभिक जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराया गया था।

गठबंधन सरकार के कामों से घबराई भाजपा : कांग्रेस

रांची। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता डॉ एम तौसीफ ने कहा कि गठबंधन की सरकार के कामों को देखकर भाजपा घबरा गई है। राज्य सरकार ने जो वादा किया था उससे पूरा करने में कामयाब रही है। 2024 के लोकसभा इलेक्शन में भाजपा का झारखंड में खाता नहीं खुलेगा और राज्य में सरकार बना ना तो दूर की बात है।

उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा एक बार फिर से संकल्प लेकर मोमेंटम झारखंड घोटाला, कंबल घोटाला, चॉकलेट-टीशर्ट घोटाला, मैनहर्ट घोटाला की तरह सत्ता में आकर नये घोटाले को अंजाम देना चाहती है। भाजपा चाहे जितनी यात्रा निकाले अब जनता उनके ऊपर भरोसा करने वाली नहीं है। तौसीफ ने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कहा कि झारखंड की जनता ने भाजपा को बहुत मौका दिया लेकिन इनकी सरकारें छात्रों, महिलाओं, किसानों, व्यापारी वर्ग के लोगों और आम जनता के लिए कोई भी ऐसी नीति नहीं बनाया जिससे उन्हें फायदा पहुंचे। उन्होंने कहा कि भाजपा को याद रखना चाहिए की उसी के शासन काल में नीतियों को लेकर झारखंड में आपस में नफरत की चिंगारी भड़की थी। मॉब लांचिंग कर लोगों को मारा गया। आपसी सौहार्द बिगाड़ा गया।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी सोशल मीडिया के स्टेट कॉर्डिनेटर ने राष्ट्रीय संयोजक से की मुलाकात

रांची। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सोशल मीडिया के स्टेट कॉर्डिनेटर गजेंद्र सिंह ने रविवार को दिल्ली में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सोशल मीडिया विभाग के दो नवनियुक्त राष्ट्रीय संयोजक प्रणव वछराजानी एवं रुचिरा चतुर्वेदी से मुलाकात की और नई जिम्मेदारी के लिए उनको बधाई दी। साथ ही राज्य में सोशल मीडिया की ओर से चलाए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी।

गजेन्द्र सिंह ने कहा कि 2024 के चुनाव में सोशल मीडिया का महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। सिंह ने कहा कि झारखंड प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया के तत्वावधान में प्रदेश स्तरीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसमें झारखंड के तमाम जिले के सोशल मीडिया कोऑर्डिनेटर प्रशिक्षण शिविर में शिरकत करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से जिला कोड नेटवर्क को पूर्णरूपेण सशक्त बनाया जाएगा, ताकि आने वाले चुनावों में वह अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकें। यह जानकारी कांग्रेस प्रवक्ता राकेश कुमार ने दी।

मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति योजना के तहत स्कॉलरशिप परीक्षा 18 को

रांची। मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति योजना के तहत मिलने वाले स्कॉलरशिप चयन परीक्षा 18 अगस्त को होगी। यह परीक्षा जैक की ओर से ली जाएगी। इसकी तैयारी शुरू हो चुकी है। इस परीक्षा के आधार पर राज्यभर में 5000 विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। सभी जिलों के विद्यार्थियों को इस योजना का लाभ मिले, इस उद्देश्य से शिक्षा विभाग ने प्रत्येक जिले से चार-चार सौ विद्यार्थियों को चयनित करने का प्रावधान किया है।

स्कॉलरशिप के लिए एक परीक्षा आयोजित की जाएगी, जो 90-90 मिनट की होगी और इसमें दो खंड में प्रश्न पूछे जाएंगे, खंड एक में 90 प्रश्न होंगे, जिसमें रिजनिंग इंग्लिश और प्रोफिशिएंसी से संबंधित प्रश्न होंगे। खंड-2 में एप्टिट्यूड टेस्ट होगा। इस परीक्षा में बच्चों को 60 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य किया गया है। हालांकि, एससी एसटी छात्रों को सरकार ने राहत देते हुए 40 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य किया है।

इस योजना के तहत 9वीं से 12वीं तक के चयनित बच्चों को साल में 12,000 रुपये मिलेंगे। विडंबना यह है कि शिक्षा विभाग के द्वारा शुरू की गई इस स्कॉलरशिप प्रोग्राम का लाभ लेने में झारखंड के बच्चे उदासीन हैं।शिक्षा विभाग ने इस साल के चयन परीक्षा में राज्यभर के सरकारी स्कूलों के एक लाख बच्चों को शामिल कराने के लिए रजिस्ट्रेशन का लक्ष्य रखा था लेकिन जैक के द्वारा तीन-तीन बार आवेदन भरने की तारीख बढ़ाए जाने के बावजूद भी लक्ष्य के अनुरूप रजिस्ट्रेशन नहीं हो सका। तीन बार आवेदन की तारीख बढ़ाने के बावजूद 60,000 विद्यार्थियों का रजिस्ट्रेशन ही हुआ है।

विधायक सरयू राय ने पुलिस की नोटिस का दिया जवाब

रांची। विधायक सरयू राय ने रांची के डोरंडा थाना पुलिस के नोटिस का जवाब अनुसंधानकर्ता इंस्पेक्टर सिद्धेश्वर महथा को दिया है। उन्होंने जवाब में कहा है कि जो भी धाराएं उनपर लगाई गई हैं वह कहीं से भी उचित प्रतीत नहीं होती हैं। राय ने रविवार को दिये गये जवाब में कहा कि 07 अप्रैल, 2022 को रांची स्थित आवास में स्वास्थ्य विभाग से संबंधित कागजातों के अध्ययन से इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि ये कागजात कोविड कर्मियों को प्रोत्साहन भत्ता देने के झारखंड सरकार के नीतिगत निर्णय की आड़ में झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री के संगीन भ्रष्ट आचरण के पुख्ता प्रमाण हैं। इसके बाद 13 अप्रैल, 2022 को मैंने इन कागजातों को अनुलग्नक के रूप में संलग्न करते हुए इस बारे में एक पत्र झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री को ईमेल से भेजा। साथ ही स्वास्थ्य विभाग की संचिका मंगाकर घोर वित्तीय अनियमितता के लिए स्वास्थ्य मंत्री पर कार्रवाई करने तथा स्वास्थ्य मंत्री सहित उनके कोषांग के अन्य कर्मियों की ओर से ली गई अनुचित एवं अवैध प्रोत्साहन राशि वापस करने का आदेश देने और इसके लिए दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने का आग्रह किया। राय ने दिये गये जवाब में कहा है कि 27 जुलाई, 2023 को देर शाम उनके रांची कार्यालय में धारा-41ए की नोटिस मिला, जिसका अपेक्षित जवाब निर्धारित समय सीमा के भीतर इस पत्र के माध्यम से प्रेषित कर रहा हूं।

अपराध की समीक्षा : डीजीपी ने हजारीबाग रेंज में की समीक्षा, राज्य भर के पुलिस अधिकारियों को दिया निर्देश

आपराधिक गिरोहों के सदस्यों को हर हाल में गिरफ्तार करें

हजारीबाग/रांची। डीजीपी अजय कुमार सिंह ने रविवार को हजारीबाग समाहरणालय स्थित सभागार में बैठक की। बैठक में हजारीबाग, चतरा, रामगढ, कोडरमा एवं गिरिडीह के पुलिस अधीक्षकों तथा अन्य वरीय अधिकारी शामिल थे। बैठक में हजारीबाग रेंज में अपराध नियंत्रण और विधि-व्यवस्था संधारण के लिए तथा नक्सलियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियानों पर समीक्षा की गई।

डीजीपी ने हत्या, डकैती, लूट, चोरी, गृहभेदन, स्नेचिंग, आर्म्स एक्ट, फिरौती के लिए अपहरण, संगठित आपराधिक गिरोह की ओर से रंगदारी, बलात्कार, पॉक्सो एक्ट एवं अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत प्रतिवेदित कांडों तथा उसके निष्पादन पर चर्चा की।

डीजीपी ने अपराध नियंत्रण के लिए संगठित आपराधिक गिरोहों के सरगना और उसमें शामिल सदस्यों को चिन्हित करते हुए सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही जमानत पर छूटे अपराधियों के वर्तमान गतिविधि पर लगातार निगरानी रखते हुए सीसीए के प्रावधानों के तहत कार्रवाई करने पर बल दिया। संगठित आपराधिक गिरोह के फरार सदस्यों को हर हाल में गिरफ्तारी करने का निर्देश दिया। अंतरजिला-अंतर्राज्यीय आपराधिक गिरोह के सदस्यों पर नकेल कसने के लिए क्षेत्रीय पुलिस उप महानिरीक्षक को विशेष रूप से निर्देशित किया गया। जिले में सक्रिय टॉप 10 अपराधियों को अविलम्ब गिरफ्तार कर कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने सक्रिय अपराध कर्मियों के विरुद्ध सीसीए के तहत किस जिले से कितने प्रस्ताव भेजे गये, कितने अपूर्व हुए एवं कितने पेंडिंग हैं की जानकारी ली। बैठक में लंबित वारंट कुर्की का त्वरित गति से निष्पादन करने का निर्देश सभी एसपी को दिया गया। इसके लिए लगातार अभियान चलाकर वारंटियों को गिरफ्तार करने को कहा गया। इसके अलावा लंबित मामलों, वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ चल रहे अभियान, उग्रवादियों की चल- अचल संपत्तियों की जब्ती के प्रस्तावों की स्थिति, फरार नक्सली कमांडरों के खिलाफ इनाम की घोषणा के प्रस्तावों की स्थिति, पांच वर्ष और दस वर्ष से अधिक अवधि से लंबित मामलों की समीक्षा भी की गई। डीजीपी ने कहा कि ड्रग्स (नारकोटिक्स) नेटवर्क और अवैध शराब व्यवसाय से जुड़े अपराधियों का पता लगाकर उनके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई करें। संगठित रूप से किये जाने वाले अवैध उत्खनन पर पूरी तरह से रोक लगाने और उसपर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने एनटीपीसी के क्षेत्रों में लाइट एवं सीसीटीवी लगाने की बात कही। उन्होंने सभी जिला में समय एवं स्थान बदलकर वाहन चेकिंग कराने तथा बस स्टैण्ड, टेम्पो स्टैण्ड एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों के आसपास पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था कराने का निर्देश दिये। साथ ही सोशल मीडिया के सभी साधनों पर निगरानी रखने की आवश्यकता पर भी डीजीपी ने बल दिया।

बैठक में एडीजी मुख्यालय मुरारीलाल मीना, एडीजी अभियान संजय आनन्दराव लाठकर, आईजी मनोज कौशिक, आईजी मानवाधिकार अखिलेश झा, आईजी अभियान अमोल वेनुकांत होमकर सहित अन्य अधिकारी शामिल थे।

पीएम देश के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध : राज्यपाल

रांची। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर में 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास का शिलान्यास किया। इस दौरान हटिया रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन कहा कि प्रधानमंत्री देश के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। भारत के दूरस्थ इलाकों की समस्याओं से अवगत हैं और उसे दूर करने के लिए सतत प्रयत्नशील हैं। रांची के हटिया एवं पिस्का रेलवे स्टेशन सहित राज्य एवं देश के विभिन्न स्टेशनों को विकसित करने की योजना इसका ज्वलंत प्रमाण है।
राज्यपाल ने कहा कि पूर्व में रेलवे स्टेशनों पर गंदगी रहती थी। प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान के रूप में उल्लेखनीय पहल की गई। देश के रेलवे स्टेशनों की स्वच्छता में उल्लेखनीय सुधार हुआ। पूरी दुनिया से आने वाले पर्यटक इसकी प्रशंसा करते हैं। उन्होंने कहा कि सबका दायित्व है कि हमारे जितने भी सार्वजनिक स्थान हैं, उन्हें स्वच्छ रखें। स्वच्छता हम सबका कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारा देश विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन गया है और विश्वास है कि जल्द ही विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था होगी।
उन्होंने अन्तरराष्ट्रीय स्तर का रेलवे स्टेशन बनाने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा किये जा रहे पहल के लिए आभार प्रकट किया। इस अवसर पर उन्होंने हटिया रेलवे स्टेशन मॉडल का अवलोकन किया तथा यहां पर आयोजित चित्रांकन, कविता, निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया।

स्टेशनों के कायाकल्प से पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा: दीपक

राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने कहा कि केंद्र सरकार ने देशभर में रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। पूरे देश में 508 रेलवे स्टेशनों का पुनरुद्धार एवं उन्नयन 24,470 करोड़ रुपये से किया जाना है। इसके तहत रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जाएगा। रिडेवलपमेंट के बाद ये रेलवे स्टेशन वर्ल्ड क्लास स्टेशनों की तरह दिखेंगे। रेलवे स्टेशनों को रिडेवलप करने के पीछे सरकार का उद्देश्य शहरों को विकास के पथ पर आगे ले जाना है। प्रकाश ने प्रधानमंत्री को साधुवाद देते कहा कि राज्य की जनता ने एक सपना देखा था, उसे धरातल में उतारने का काम नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं। झारखं खनिज संपदा वाला राज्य है। 2014 से पहले कभी भी रेलवे यात्रियों की सुविधा पर ध्यान नहीं दिया जाता था। सिर्फ खनिज की ढुलाई पर ध्यान में रखकर रेलवे पर खर्च किया जाता था। 2014 के बाद से रेलवे की बजट में चार गुना की वृद्धि की गई है। इसे 65 हजार करोड़ से बढ़कर 2 लाख 40 हजार करोड़ किया गया है। यह नया विकसित, समर्थ, आत्मनिर्भर और शक्तिशाली भारत बनाने की दिशा में उठाया गया एक कदम है। रांची सांसद संजय सेठ ने भी झारखंड को सौगात देने को केंद्र के प्रति आभार जताया।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत झारखंड में 20 रेलवे स्टेशनों का होगा कायाकल्प

रांची। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार पूर्वाह्न 11:00 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर में कुल 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी। झारखंड में भी राजधानी रांची के हटिया रेलवे स्टेशन समेत 20 रेलवे स्टेशनों का 886.70 करोड़ रुपये की राशि से कायाकल्प होगा। इस योजना के तहत हटिया स्टेशन के उन्नयन के लिए सर्वाधिक 355 करोड़ की राशि खर्च की जाएगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया की नजर भारत पर है। भारत में आधुनिक ट्रेनों की संख्या तेजी से बढ़ी है। साथ ही उम्दा व्यवस्था देने की कोशिश की गयी है। उन्होंने कहा कि भारत, जो विकसित होने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, अपने अमृत काल की शुरूआत में है। नई ऊर्जा, नई प्रेरणा और नए संकल्प हैं और इसी भावना के साथ, भारतीय रेलवे के इतिहास में एक नया अध्याय शुरू हो रहा है। उन्होंने रेलवे स्टेशनों पर विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के महत्व पर जोर दिया। इसके तहत देशभर में 1309 स्टेशनों के पुनर्विकास कार्य के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की गई थी। इन स्टेशनों का पुनर्विकास 24,470 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से किया जाएगा। शहर के दोनों किनारों को समुचित रूप से जोड़ते हुए इन स्टेशनों को 'सिटी सेंटर' के रूप में विकसित करने के लिए मास्टर प्लान तैयार किए जा रहे हैं। यह एकीकृत दृष्टिकोण रेलवे स्टेशन के आसपास के क्षेत्र पर केंद्रित शहर के समग्र शहरी विकास के विजन से प्रेरित है।

इन स्टेशनों का होगा विकास

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हटिया के अलावा बोकारो स्टील सिटी में 33.5 करोड़, बड़काकाना रेलवे स्टेशन में 32.6 करोड़, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस-गोमो जंक्शन में 32.4 करोड़, घाटशिला स्टेशन में 31 करोड़, पारसनाथ स्टेशन में 30.4 करोड़, कोडरमा स्टेशन में 30.3 करोड़, राजखरसावां स्टेशन में 30 करोड़, डाल्टनगंज स्टेशन में 29.2 करोड़, साहिबगंज स्टेशन में 29 करोड़, हजारीबाग रोड स्टेशन में 28.1 करोड़, मनोहरपुर स्टेशन में 27 करोड़, पिस्का स्टेशन में 27 करोड़, कतरासगढ़ स्टेशन में 26.9 करोड़, चन्द्रपुरा स्टेशन में 26.5 करोड़, नगरऊंटारी स्टेशन में 26.3 करोड़, गढ़वा टाउन स्टेशन में 25.5 करोड़, लातेहार स्टेशन में 24.5 करोड़, गढ़वा रोड स्टेशन में 24.5 एवं कुमारडुबी रेलवे स्टेशन के लिए 17 करोड़ की राशि उपलब्ध करायी गई है।

हिंदू युवाओं में समाज सेवा और देशभक्ति का भाव जगाना ही लक्ष्य : मिलिंद

रांची। विश्व हिंदू परिषद की युवा शाखा बजरंग दल की राष्ट्रीय बैठक रांची दिगंबर जैन भवन में रविवार को संपन्न हुई। अपने संबोधन में विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय महामंत्री मिलिंद परांडे ने कहा कि विहिप ने एक वर्ष में एक लाख गांवों तक संगठन विस्तार करने का लक्ष्य रखा है। हिंदू युवाओं में समाज सेवा और देशभक्ति का भाव जगाना ही बजरंग दल का लक्ष्य है।
उन्होंने कहा कि बजरंग दल समाज में बढ़ रही चुनौतियों के प्रति जागरण कर समस्या का निदान के लिए संघर्ष करता है। धर्म संस्कृति रक्षा, गोरक्षा, हिंदू कन्या रक्षा, मठ मंदिर सुरक्षा सहित अनेकानेक सेवा के कार्य कर समाज के लिए अग्रणी रक्षक के रूप में खड़ा रहता है।
उन्होंने कहा कि भारत में रामायण, महाभारत काल में भी जनजाति, गिरीवासी, बनवासी, नगरवासी के साथ-साथ जीने व रहने की परंपरा अपने शास्त्रों में बताई गई है।
मणिपुर हिंसा के संदर्भ में उन्होंने कहा कि मणिपुर का संघर्ष हिंदू-ईसाई के बीच नहीं है, बल्कि मइती एवं कुकी जनजाति के बीच का है। ईसाइयों एवं वामपंथियों ने इस पर नकारात्मक विमर्श खड़ा कर हिंदू समाज को बदनाम करने की साजिश रच रहा है। उन्होंने कहा आपसी मतभेद को भूलकर वहां शांति व्यवस्था अपनाना चाहिए।
बजरंग दल राष्ट्रीय संयोजक नीरज दोनेरिया ने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में ईसाइयत एवं मुस्लिम जेहादी मानसिकता का प्रतिकार करने के लिए समाज को संगठित होना ही एक विकल्प है। उन्होंने कहा कि बजरंग दल कार्यकताओं के द्वारा 30 सितंबर से 14 अक्टूबर तक संपूर्ण देश में बजरंग दल शौर्य जागरण यात्रा निकाली जायेगी। इसमें देश के 300 स्थानों से प्रमुख यात्रा निकाली जाएगी और 2,000 से अधिक सभाएं होगी।
नीरज ने कहा कि संपूर्ण देश में एक लाख बजरंग दल संयोजक बनाने की योजना है। 20 हजार साप्ताहिक मिलन केंद्र एवं 25 हजार बलोपासना केंद्र चलाया जाएगा। साथ ही कहा कि विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल सदैव समाज की सेवा का करती है। विगत माह 9000 स्थानों पर श्मशान घाट में सफाई के साथ पौधरोपण किया गया। सैकड़ों मंदिरों में प्रतिमा स्थापित की गई।
समापन सत्र में केंद्रीय सह संयोजक सूर्य नारायण राव, क्षेत्र संगठन मंत्री आनंद पांडेय, क्षेत्र अध्यक्ष रामस्वरूप रुंगटा, क्षेत्र संयोजक जनमेजय कुमार, प्रांत कार्याध्यक्ष तिलक राज मंगलम, विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री डॉ बिरेन्द्र साहु, प्रांत संगठनमंत्री देवी सिंह, प्रांत उपाध्यक्ष सुनील गुप्ता, प्रांत सहमंत्री रंगनाथ महतो, बजरंग दल प्रांत संयोजक दीपक ठाकुर सहित देश के सभी राज्यों के 76 बजरंग दल प्रांत संयोजक-सहसंयोजक, सात क्षेत्र संयोजक सहित कई स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एक नजर

कैंब्रियन पब्लिक स्कूल में कार्यशाला

रांची। रांची के कांके रोड स्थित कैंब्रियन पब्लिक स्कूल में रविवार को इफेक्टिव क्लासरूम मैनेजमेंट पर इन हाउस कार्यशाला पर आयोजन किया गया। डॉ.एस. राधाकृष्णन सहोदया स्कूल कंपलेक्स के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला में ओ डी एम सफायर ग्लोबल स्कूल के प्राचार्य अमित कुमार सिंह ने विद्यालय में कक्षा प्रबंधन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा का आधार फलक बहुत विस्तृत है। शिक्षकों को अपने बच्चों की अच्छाई और कमजोर पक्ष को जानकार उन्हें पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित और सशक्त बनाने का प्रयास करना चाहिए। शिक्षक कक्षा में जाने से पहले विषयवस्तु की अच्छी तरह से तैयारी कर ले। उन्होंने कहा कि बच्चों को कहानी,खेलकूद एवं अन्य क्रियाकलापों के माध्यम से अध्ययन अध्यापन के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अच्छी किताबें शिक्षकों के लिए शिक्षण का सर्वाधिक सशक्त साधन है। मौके पर कैंब्रियन पब्लिक स्कूल की प्राचार्या डॉ नीता पांडेय ने कार्यशाला के उद्देश्य एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षा विद्यार्थियों को संस्कार पूर्ण और रोजगारोन्मुख बनाए साथ-साथ यह रोचक एवं उद्देश्यपूर्ण हो। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर भी प्रकाश डाला। इससे पहले अमित कुमार सिंह और प्राचार्या डॉक्टर नीता पांडेय ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का विधिवत उद्घाटन किया। बच्चों ने सतीश मिश्रा के संगीत निर्देशन पर "गुंजित है चारों दिशाएं पुलकित है धरती" शीर्षक गीत के साथ अतिथियों का स्वागत किया। इस कार्यशाला में राज्य के विभिन्न जिलों के विद्यालयों से 120 शिक्षकों ने हिस्सा लिया। शिक्षकों ने कार्यशाला को काफी उपयोगी बताया ।कार्यक्रम का संयोजन चीफ एक्टिविटी कोऑर्डिनेटर आशा राज और एसटीएनसी सिराजुद्दीन पंडित ने किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका विनीता वर्मा ने किया।

टीपीसी का एक उग्रवादी गिरफ्तार, सर्च ऑपरेशन

रांची। उग्रवादी संगठन तृतीय प्रस्तुति कमेटि (टीपीसी) के खिलाफ रांची पुलिस ने बुढ़मू और ठाकुरगांव थाना में सर्च अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने विकास गंझु उर्फ टुनटुन गंझु नाम के एक उग्रवादी को रविवार को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार उग्रवादी से पुलिस की टीम पूछताछ कर रही है। एसएसपी किशोर कौशल को गुप्त सूचना मिली थी कि टीपीसी उग्रवादी संगठन के कुछ उग्रवादी ठाकुर गांव और बुढ़मू थाना क्षेत्र में जमा होकर किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। फिलहाल पुलिस पूरे इलाके में अन्य उग्रवादियों को पकड़ने के लिए सर्च अभियान चला रही है।

सदाबहार गायक किशोर कुमार का जन्मदिन मना

रांची। सदाबहार गायक अभिनेता और हरफनमौला किशोर कुमार का जन्मदिन अशोक नगर स्थित फास्ट कलाकार के आफिस में आयोजित किया गया। एक्टर देवेश खान के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित कर केक काटकर फैंस ने जन्म दिन मनाया। सभी कलाकारों ने किशोर कुमार के गीत गाकर जन्म दिन पर मुबारकबाद दी। यह कार्यक्रम मेरी आवाज मेरी पहचान की ओर से मनाया गया। सभी कलाकारों ने एक से बढ़कर एक गीत गाए। इस मौके पर एक्टर देवेश खान, बुलंद अख्तर, सिंगर कुमार गहलोत, सिंगर कविता होरो, परम शाह, आनंद जालान, किशन अग्रवाल, सिंगर आफताब आलम, मो रिजवान, परवेज आलम, सुलोचना जी, काव्या, जमाल अख्तर, रमीज बारी, नैना राय आदि नये कलाकार मौजूद रहे।

300 जरूरतमंदों को कराया भोजन

रांची। कोई भूखा न सोए अभियान के तहत रिम्स परिसर के रोटी बैंक रांची के सेवा केंद्र के माध्यम से सेंट्रल एकेडमी स्कूल ने रविवार को 300 जरूरतमंदों को भोजन कराया। मौके पर समाजसेवी आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि रोटी बैंक रांची की ओर से साल के 365 दिन रात 08 बजे से जरूरतमंदों को भोजन कराया जाता है। इसी उद्देश्य से सेंट्रल एकेडमी स्कूल की ओर से 300 जरूरतमंदों के बीच भोजन का वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सेंट्रल एकेडमी स्कूल के निदेशक एचएच चतुर्वेदी, सचिव राहुल रत्न, प्राचार्य सुतापा भट्टाचार्य, सेंट्रल एकेडमी स्कूल के प्राचार्य ए के रॉय और रोटी बैंक रांची के संचालक विजय पाठक सहित कई लोग उपस्थित थे।

विहिप सेवा विभाग के सदस्य के आवास में हुआ महारुद्राभिषेक

रांची : सावन पुरुषोत्तम मास में विश्व हिन्दू परिषद सेवा विभाग झारखंड के तत्वधान मे विहिप सेवा विभाग के सदस्य कृष्ण कुमार गाड़ोदिया के आवास मे महारुद्राभिषेक समारोह का आयोजन हुआ। समारोह में उनके पुत्र हर्ष गाड़ोदिया पत्नी गायत्री अग्रवाल, पौत्र माणविक, पुत्रवधु आयुषी,भतीजे मोहित और सुनील, रामभगत जालान, मिनी शर्मा, मालती शर्मा परिवार के अन्य सदस्यों के साथ विश्व हिन्दू परिषद सेवा विभाग झारखंड के प्रांतीय प्रमुख अशोक कुमार अग्रवाल, रांची विभाग सेवा प्रमुख राजेन्द्र प्रसाद सिंह मुंडा व महानगर अध्यक्ष कैलाश कुमार केशरी ने विधि विधान और सद्भावना के साथ भाग लिया. इस अवसर पर भगवान शिव का भव्य अलौकिक श्रृंगार किया गया। विहिप सेवा विभाग के प्रदेश प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि इस महा रुद्राभिषेक के प्रधान पुरोहित पं सूर्यकांत त्रिपाठी अपनी मंडली के साथ आये थे, जो वर्तमान में वृन्दावन निवासी विहिप झारखंड के पूर्व प्रदेश मंत्री श्याम नारायण दूबे के प्रधान शिष्य है। उन्होंने पूरे विधि विधान एवं शिव जी के मधुर भजनों के साथ महा रुद्राभिषेक कराया। पूरा परिसर भोले शंकर की जय कारे के साथ गुंजयमान हो गया। तत्पश्चात प्रसाद वितरण एवं महाआरती के साथ महा रुद्राभिषेक सम्पन्न हुआ। सोमवार को कृष्ण कुमार गाड़ोदिया सपत्नीक वृन्दावन धाम की तीर्थयात्रा पर प्रस्थान कर रहे हैं।

मुक्ति संस्था ने 21 अज्ञात शवों का किया सामूहिक दाह संस्कार

रांची। मुक्ति संस्था ने रविवार को जुमार नदी के तट पर 21 अज्ञात शवों का विधि-विधान से अंतिम संस्कार किया। मुक्ति संस्था के सदस्यों ने रिम्स के मोर्चरी गृह से अज्ञात शवों को निकालकर पैक कर जुमार नदी तट लेकर गए। संस्था के वरीय सदस्य सीताराम कौशिक ने शवों को मुखाग्नि दी। संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने बताया कि मुक्ति संस्था ने अबतक कुल 1588 अज्ञात शवों का अंतिम संस्कार किया है। इस मौके पर संस्था के रवि अग्रवाल, सौरभ बथवाल, उज्ज्वल जैन, रतन अग्रवाल, आरके गांधी, संदीप पपनेजा, संदीप कुमार, कमल चौधरी, हरीश नागपाल, सुनील अग्रवाल और आशीष भाटिया मौजूद थे।

झारखंड जदयू ने किया कमिटी का विस्तार, प्रदेश पदाधिकारियों की पहली सूची जारी

चार उपाध्यक्ष, 15 महासचिव, 20 सचिव, तीन प्रवक्ता मनोनीत

रांची। झारखंड प्रदेश जनता दल यूनाइटेड ने कमिटी का विस्तार करते हुए प्रदेश पदाधिकारियों की प्रथम सूची रविवार को जारी की गयी है। इस सूची में चार उपाध्यक्ष, 15 महासचिव, 20 सचिव, तीन प्रवक्ता और विभिन्न प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किए गए हैं। मौके पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद खीरु महतो ने कहा कि आगे चलकर और भी लोगों को संगठन में जोड़कर कमिटी का विस्तार किया जाएगा। झारखंड को तीन प्रभारी मिले है और सभी संगठन को मजबूत करने में जुटे हुए हैं। जिला से लेकर पंचायत तक संगठन को मजबूत करना है। पदाधिकारियों को जो दायित्व दी गई है, उसका निर्वहन करने का निर्देश दिया गया है। सूची जारी करने के दौरान बिहार के विधान पार्षद और झारखंड जदयू के सह प्रभारी विजय कुमार सिंह, महासचिव श्रवण कुमार और प्रवक्ता सागर कुमार मौजूद थे।

प्रदेश उपाध्यक्ष : कामेश्वर नाथ दास, पूर्व विधायक (देवघर), डॉ आफताब जमील(रांची), त्रिवेणी वर्मा (देवघर), कुमेश्वर महतो (रामगढ़).

प्रदेश महासचिव : श्रवण कुमार (रांची), भगवान सिंह (रांची), संजय कुमार सिंह (रांची), रामाकांत मंडल (रामगढ़), संजय ठाकुर (जमशेदपुर), मुन्ना मलिक (हजारीबाग), रुद्रकांत लाल दास (गिरिडीह), कौशल कुमार (जमशेदपुर), दीपनारायण सिंह (धनबाद), अंजली सिंह (जमशेदपुर), रंजीत जयसवाल (दुमका), उपेंद्र नारायण सिंह (रांची), अभय महतो (लोहरदगा), जगदीश महतो (रामगढ़), राजू महतो (रामगढ़).

प्रदेश प्रवक्ता : सागर कुमार, रेणु गोपीनाथ पणिकर, डॉ विनय भरत

प्रदेश सचिव : लालचन महतो(रांची), जनकधारी मेहता(डालटेनगंज), डिंपल मुंडा (पश्चिमी सिंहभूम), वैद्यनाथ पासवान(रांची), राजेंद्र प्रसाद (साहिबगंज), राजू सिंह (धनबाद), मोहम्मद रकीब अंसारी (देवघर), बेनी माधव झा (देवघर), सरयू गोप (गिरिडीह), मिथलेश सिंह (हजारीबाग), लकेश्वर मेहता (गिरिडीह), नंद कुमार निराला (चतरा), डॉ राज नारायण पटेल (पलामू), मनोज सिंह (बोकारो), प्रकाश महतो (लोहरदगा), रंजीत सिंह (धनबाद), सत्यप्रकाश (सरायकेला खरसावां), सुभाष राय (धनबाद), नागमणि सिन्हा (रांची), अर्जुन कुमार मेहता (हजारीबाग)

विभिन्न प्रकोष्ठ अध्यक्ष

- छात्र प्रकोष्ठ जदयू के प्रदेश अध्यक्ष रंजन कुमार।
- छात्र जदयू प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव मोहम्मद आसिफ इकबाल।
- अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जदयू के प्रदेश अध्यक्ष अख्तर हुसैन खान।
- रांची महानगर जदयू के महानगर अध्यक्ष अखिलेश कुमार राय।
- अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ जदयू के प्रदेश अध्यक्ष बीरेंद्र पासवान।

डीजीपी ने संगठित आपराधिक गिरोहों के फरार सदस्यों को हर हाल में गिरफ्तार करने के दिए निर्देश

डीजीपी ने हजारीबाग रेंज में की समीक्षा बैठक

हजारीबाग(हि.स.)। डीजीपी अजय कुमार सिंह ने रविवार को हजारीबाग समाहरणालय स्थित सभागार में बैठक की। बैठक में हजारीबाग, चतरा, रामगढ, कोडरमा एवं गिरिडीह के पुलिस अधीक्षकों तथा अन्य वरीय अधिकारी शामिल थे। बैठक में हजारीबाग रेंज में अपराध नियंत्रण और विधि-व्यवस्था संधारण के लिए तथा नक्सलियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियानों पर समीक्षा की गई।

डीजीपी ने हत्या, डकैती, लूट, चोरी, गृहभेदन, स्नेचिंग, आर्म्स एक्ट, फिरौती के लिए अपहरण, संगठित आपराधिक गिरोह की ओर से रंगदारी, बलात्कार, पॉक्सो एक्ट एवं अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत प्रतिवेदित कांडों तथा उसके निष्पादन पर चर्चा की।

डीजीपी ने अपराध नियंत्रण के लिए संगठित आपराधिक गिरोहों के सरगना और उसमें शामिल सदस्यों को चिन्हित करते हुए सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही जमानत पर छूटे अपराधियों के वर्तमान गतिविधि पर लगातार निगरानी रखते हुए सीसीए के प्रावधानों के तहत कार्रवाई करने पर बल दिया। संगठित आपराधिक गिरोह के फरार सदस्यों को हर हाल में गिरफ्तारी करने का निर्देश दिया। अंतरजिला-अंतर्राज्यीय आपराधिक गिरोह के सदस्यों पर नकेल कसने के लिए क्षेत्रीय पुलिस उप महानिरीक्षक को विशेष रूप से निर्देशित किया गया। जिले में सक्रिय टॉप 10 अपराधियों को अविलम्ब गिरफ्तार कर कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने सक्रिय अपराध कर्मियों के विरुद्ध सीसीए के तहत किस जिले से कितने प्रस्ताव भेजे गये, कितने अपूर्व हुए एवं कितने पेंडिंग हैं की जानकारी ली। बैठक में लंबित वारंट कुर्की का त्वरित गति से निष्पादन करने का निर्देश सभी एसपी को दिया गया। इसके लिए लगातार अभियान चलाकर वारंटियों को गिरफ्तार करने को कहा गया। इसके अलावा लंबित मामलों, वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ चल रहे अभियान, उग्रवादियों की चल- अचल संपत्तियों की जब्ती के प्रस्तावों की स्थिति, फरार नक्सली कमांडरों के खिलाफ इनाम की घोषणा के प्रस्तावों की स्थिति, पांच वर्ष और दस वर्ष से अधिक अवधि से लंबित मामलों की समीक्षा भी की गई।

डीजीपी ने कहा कि ड्रग्स (नारकोटिक्स) नेटवर्क और अवैध शराब व्यवसाय से जुड़े अपराधियों का पता लगाकर उनके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई करें। संगठित रूप से किये जाने वाले अवैध उत्खनन पर पूरी तरह से रोक लगाने और उसपर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने एनटीपीसी के क्षेत्रों में लाइट एवं सीसीटीवी लगाने की बात कही। उन्होंने सभी जिला में समय एवं स्थान बदलकर वाहन चेकिंग कराने तथा बस स्टैण्ड, टेम्पो स्टैण्ड एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों के

आसपास पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था कराने का निर्देश दिये। साथ ही सोशल मीडिया के सभी साधनों पर निगरानी रखने की आवश्यकता पर भी डीजीपी ने बल दिया। बैठक में एडीजी मुख्यालय मुरारीलाल मीना, एडीजी अभियान संजय आनन्दराव लाठकर, आईजी मनोज कौशिक, आईजी मानवाधिकार अखिलेश झा, आईजी अभियान अमोल वेनुकांत होमकर सहित अन्य अधिकारी शामिल थे।

इतिहास के पन्नों में 07 अगस्त

मंडल आयोग की रिपोर्ट से देश में लगी आग

देश-दुनिया के इतिहास में 07 अगस्त की तारीख तमाम अहम वजह से दर्ज है। भारत की राजनीति में यह खास स्थान रखती है। दरअसल 07 अगस्त 1990 को ही तत्कालीन प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह ने संसद में मंडल आयोग की रिपोर्ट स्वीकार करने का ऐलान किया था। इसके बाद सरकारी नौकरियों में ओबीसी वर्ग के लिए 27 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था शुरू हो गई। इसका देशभर में विरोध हुआ। आरक्षण विरोधी आंदोलन में देश में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1606 : शेक्सपीयर के नाटक मैक्बेथ का पहली बार मंचन किंग जेम्स प्रथम के लिए किया गया।

1753 : ब्रिटेन म्यूजियम की स्थापना की गई।

1905 : भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने ब्रिटिश वस्तुओं के बहिष्कार का आह्वान किया।

1941 : नोबेल पुरस्कार विजेता गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर का निधन।

1944 : पहले कैलकुलेटर के नाम पर 51 फीट लंबी, आठ फीट ऊंची और पांच टन वजन की एक विशाल मशीन का निर्माण।

1947 : मुंबई नगर निगम को बिजली और परिवहन व्यवस्था औपचारिक रूप से हस्तांतरित हुई।

1957 : अमेरिका ने नेवादा परीक्षण स्थल पर परमाणु परीक्षण किया।

1960 : अफ्रीका महाद्वीप के देश आइवरी कोस्ट को फ्रांस के अधिकार से आजादी मिली।

1985 : गीत सेठी ने विश्व अमेच्योर बिलियर्ड्स चैंपियनशिप जीती।

1990 : अमेरिका ने सऊदी अरब में सेना तैनात कर ऑपरेशन डेजर्ट शील्ड शुरू किया।

1996: अमेरिकी वैज्ञानिकों ने 13 हजार वर्ष पूर्व पृथ्वी पर गिरे उल्का पिंड के अवशेषों से मंगल ग्रह पर एक कोशिका वाले जीवों के होने की संभावना का पता लगाया।

1998 : केन्या एवं तंजानिया की राजधानियों में स्थित अमेरिकी दूतावासों पर आतंकवादी हमले में 200 से अधिक लोगों की मृत्यु।

1999: पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने एक बार फिर भारत से वार्ता की पेशकश की।

2000: रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने अपनी शक्ति का विस्तार किया।

2003: बगदाद में जार्डन दूतावास के बाहर हुए कार बम विस्फोट में 12 लोगों की मृत्यु।

2005: इजरायल के तत्कालीन वित्तमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने पद से इस्तीफा दिया।

2008: सार्वजनिक क्षेत्र के कार्पोरेशन बैंक ने बेंचमार्क ब्याज दर में 0.50% बढ़ोतरी किए जाने की घोषणा की।

जन्म

1871: प्रख्यात साहित्यकार अवनीन्द्रनाथ ठाकुर।

1925: प्रसिद्ध भारतीय कृषि वैज्ञानिक और 'हरित क्रांति' के अगुआ एमएस स्वामीनाथन।

1955: ख्यातिप्राप्त भारतीय गायक सुरेश वाडेकर।

निधन

1941: विश्वविख्यात साहित्यकार और कवि नोबेल पुरस्कार विजेता रबीन्द्रनाथ टैगोर।

2009: हिंदी फिल्मों के प्रसिद्ध गीतकार गुलशन बावरा।

2018: द्रमुक राजनीति का सशक्त चेहरा रहे एम. करुणानिधि।

रामगढ़ के सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल एवं लिटिल एंजल विंग्स में फूड फेस्टिवल

रामगढ़ (हि.स.)। शहर के सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल एवं लिटिल एंजल विंग्स में फूड फेस्टिवल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दोनों स्कूलों के बच्चों ने स्वादिष्ट व्यंजन प्रस्तुत किया। साथ ही इस बात का संदेश दिया कि हमें भोजन का सम्मान करना चाहिए। फूड फेस्टिवल में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल वर्ल्ड बुद्धा फाउंडेशन के सचिव डॉ राहुल बंते ने बच्चों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि अन्न हमारे जीवन का आधार है। इसका अपमान मानव जाति का अपमान है। किसान काफी मेहनत से खेतों में फसल उगाते हैं, तब जाकर लोगों का पेट भरता है। उन्होंने कहा कि जब भी हम अपने जीवन में लापरवाह होते हैं तो सबसे पहले अन्न को ही नष्ट करना शुरू करते हैं। बच्चों में यह प्रवृत्ति नहीं होनी चाहिए। उतना ही भोजन अपनी थाली में ले, जितना कि खा सकें। बच्चों में इस बात का ज्ञान भरने के लिए ही फूड फेस्टिवल का आयोजन किया गया है। साथ ही कहा कि अभी बरसात का मौसम है। बाहर का खाना बीमारी को दावत देने जैसा है। भोजन की साफ-सफाई बेहद जरूरी है। घर का किचन साफ सुथरा हो। बच्चों को इन सब का ज्ञान होना चाहिए। विग्नेश्वरी तमिलवानन ने कहा कि बच्चों को फास्ट फूड के बजाय प्राकृतिक भोजन के साथ ज्यादा जुड़ाव होना चाहिए। उन्हें भारतीय भोजन के बारे में ना सिर्फ ज्ञान हो, बल्कि उसकी महत्ता भी वह जानें। उन्होंने बच्चों को यह बताया कि अगर वे भारतीय भोजन करते हैं तो उनका शरीर भी काफी मजबूत होगा। मजबूत शरीर में ही हर कार्य करने की क्षमता होती है। बच्चे स्वस्थ रहेंगे तो वे बेहतर तरीके से शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं। स्कूल की प्राचार्य केसी मर्लिन ने बताया कि स्कूल के सभी बच्चों को 4 वर्ग में बांटा गया था। लव, केयर, फेथ और पीस वर्ग में शामिल बच्चों ने एक से बढ़कर एक स्वादिष्ट व्यंजन बनाकर प्रस्तुत किया। सभी वर्ग को स्कूल की तरफ से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षक केके घोष, रंजन कुमार, राजेश कुमार, बोनानी मुखर्जी, लोलेन मैथ्यू, आदिरा जोसेफ आदि की भूमिका सराहनीय रही।

गिरिडीह बस हादसे में पांच की मौत, डीसी ने जांच के दिए आदेश

गिरिडीह (हि.स.)। रांची से गिरिडीह आ रही यात्रियों से भरी बाबा सम्राट बस बराकर नदी में गिरने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गई। शनिवार रात को हुई घटना के बाद रातभर रेस्क्यू चलता रहा। गिरिडीह डीसी ने रविवार को पांच लोगों के मरने की पुष्टि करते हुए जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही बताया कि एसडीएम और डीएसपी जांच रिपोर्ट 15 दिनों में सौपेंगे।

बताया गया कि घटना में गिरिडीह नगर थाना क्षेत्र के बक्सीडीह रोड के रहने वाले संतोष अग्रवाल व मोहलीचुंवा के रहने वाले मानिकचन्द साव, राजेन्द्र नगर के रहने वाले सौरभ सिन्हा व हजारीबाग के रहने वाले अनिल कुमार एवं बस के खलासी की मौत हो गई। हादसे में करीब 20 अन्य यात्री घायल हो गए है। घायलों में बस चालक टिंकू मंडल भी है। कईयों की हालत गंभीर बनी हुई हुई है। कई घायलों बाहर रेफर किया गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सम्राट बस (जेएच 07एच 2906) यात्रियों को लेकर तेज रफ्तार से गिरिडीह आ रही थी। बराकर पुल के पास एक बाइक सामने आ गई, जिसे बचाने के चक्कर में बस

रेलिंग तोड़ कर नदी में जा गिरी। नदी के पास होटल में खाना खा रहे कांवरिये व आसपास के ग्रामीण तुरन्त राहत कार्य में जुट गए। घटना की सूचना मिलते ही डीसी नमन प्रियेश लकड़ा और एसपी दीपक शर्मा दलबल के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव कार्य को गति प्रदान की। कई जेसीबी लगाकर देर रात बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। सदर विधायक सुदिव्य कुमार सोनू और समाज सेवी संस्थाओं के लोग भी पहुंच कर राहत कार्य में सहयोग किया। घटना की सूचना मिलते ही केन्द्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व विधायक निर्भय शाहाबादी, सदर अस्पताल पहुंचे और घायलों को सांत्वना देने के साथ ही स्वास्थ्य व्यवस्था का जायजा लिया।

एक नजर

जशपुरिया स्कूल संचालन समिति की बैठक आज

अनगड़ा। जशपुरिया पब्लिक स्कूल बीसा के संचालन समिति की एक आवश्यक बैठक आज स्कूल परिसर में पूर्वाहन 11 बजे से रखी गई है। बैठक में आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की जाएगी। इसमें सभी सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य है। उक्त जानकारी प्रिंसिपल शालिनी प्रिया ने दी।

शहीद निर्मल महतो शहादत दिवस और विश्व आदिवासी दिवस की तैयारी को लेकर आजसू की बैठक

अनगड़ा । शहीद निर्मल महतो शहादत दिवस और विश्व आदिवासी दिवस की तैयारी को लेकर रविवार को अनगड़ा डाकबंगला में आजसू पार्टी की एक बैठक प्रखंड अध्यक्ष जगरनाथ महतो की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रुप में आजसू पार्टी के पूर्व प्रत्याशी पारसनाथ उरांव ने कहा आठ अगस्त को शहीद निर्मल महतो की शहादत दिवस और नौ अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर महिला और पुरुषों वर्ग का मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा। सभी सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जायेगा। इसके अतिरिक्त फुटबॉल टूनार्मेंट का आयोजन किया जाएगा। टूनार्मेंट में 10 टीमें भाग लेगी। संस्कृति कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आजसू अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो उपस्थित रहेंगे। मौके पर प्रखंड सचिव धर्मेंद्र सिंह,प्रखंड उपाध्यक्ष आशाराम महतो, सोहन मुंडा,पूर्व मुखिया प्रदीप पहान,केशव करमाली, कमलेश महतो,अनुज महतो,साईनाथ महतो,अघणु पहान, अंकित प्रामाणिक, सूरज करमाली, सुदर्शन मुंडा, आदि उपस्थित थे।

पंचायत सचिवालय स्वयं सेवक भिक्षाटन आंदोलन की तैयारी को लेकर की बैठक

संवाददाता बेड़ो: पंचायत सचिवालय स्वयं सेवक संघ की बैठक प्रखंड प्रमुख विनीता कच्छप की अध्यक्षता में रविवार को महादानी मैदान स्थित स्टेडियम में किया गया। बैठक में राज्य स्तरीय पंचायत सचिवालय स्वंय सेवक संघ के द्वारा 12 अगस्त को आहुत भिक्षाटन आंदोलन की तैयारी पर विचार विर्मश किया गया। ज्ञात हो कि पंचायत स्वयं सेवक अपने पांच सुत्री मांगो को लेकर राजभवन के समक्ष पिछले 29 दिनों से अनिश्चित कालिन धरना प्रदर्शन में हैं। बैठक में प्रखंड के सभी सक्रिय स्वयं सेवकों की सूची तैयारकर जिला भेजा गया। पंचायत सचिवालय स्वंय सेवक पंचायत सचिव स्तर पर सरकार द्वारा संचालित योजना पीएमवाईजी, समाजिक सुरक्षा, मनरेगा, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, कल्याण, आईसीडीएस का डाटाबेस तैयार कर संबंधित विभागों को उपलब्ध कराना है। सहित कृषि विभाग की विभिन्न गतिविधियॉ, समाजिक सुरक्षा के कार्यक्रमों की जानकारी देना व पंचायत से गांव स्तर पर संचालित सभी योजनाओ के क्रियान्वयन और जानकारी देना है। बैठक में रामदयाल प्रजापति, तबरेज अंसारी, दिलीप लोहरा, प्रदीप उरांव, बोलवा उरांव, खालिद अंसारी, बुधवीर उरांव, मतिया महतो, मो नसिम, चमरा उरांव, दिलीप तिर्की, मंजु कुमारी सहित कई लोग उपस्थित थे।

बाइक सवार ने महिला को मारी टक्कर महिला हुई घायल,रिम्स रेफर

संवाददाता बेड़ो: बेड़ो थाना क्षेत्र के बेड़ो सांई मंदिर मार्ग पर हरिहरपुर जामटोली गांव में रविवार की अपराह्न लगभग तीन बजे एक बाइक सवार ने पैदल जा रही महिला को टक्कर मार दी। घटना में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे समाज सेवी चरवा उरांव व 12 पड़हा राजा विशाल उरांव ने स्वजनों के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेड़ो पहुंचाया। यहां डा काजल सिंह के प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए घायल को रिम्स रेफर कर दिया। जामटोली निवासी विशेश्वर हज्जाम ने बताया कि उसकी पत्नी 45 वर्षीय कमला देवी चापाकल से पानी लेकर घर रही थी। इसी दौरान एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने उन्हें टक्कर मार दी।

108 एंबुलेंस चालकों की हड़ताल से गरीबों महंगे रेट पर निजी गाड़ियों से मरीजों को ले जा रहे अस्पताल

संवाददाता बेड़ो: बेड़ो प्रखंड के ग्रामीण इलाके के लोगों के लिए लाइफ लाइन 108 एंबुलेंस चालकों की हड़ताल से गरीब मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बीमार लोग समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पा रहे हैं। सबसे अधिक परेशानी उन गरीब मरीजों को हो रही है, जिनके पास अस्पताल तक जाने के लिए साधन नहीं है। हड़ताल के चलते स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों में 108 एंबुलेंस खड़ी कर दी गई है।जिससे मरीज निजी वाहनों से भाड़े पर अस्पताल पहुंच रहे हैं। कई ऐसे मरीज भी हैं जिनको चिकित्सको ने रिम्स रेफर कर दिया गया है, लेकिन एंबुलेंस नहीं मिलने के चलते वे अस्पताल नहीं जा पा रहे हैं। इधर स्वजनों ने 108 एंबुलेंस में फोन लगाया तो पता चला कि चालक हड़ताल पर है। जिसके कारण गरीब को घायलों व बीमार लोगों को निजी वाहन से रिम्स ले जाना पड़ रहा है। वही ग्रामीण क्षेत्र के गर्भवती महिलाओं को बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने में भारी परेशानी हो रही है।

कांग्रेस का विजय जुलूस

रातू. सुप्रीम कोर्ट के द्वारा राहुल गांधी की खिलाफ फैसले पर रोक लगाने पर प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष कुशल उरांव के नेतृत्व में रविवार को कांठीटांड चौक में विजय जुलूस निकाला गया. जिसमें मिठाइयां बांटी गई और पटाखा फोड़ कर अपनी खुशी का इजहार किया गया. श्री उरांव ने कहा कि कोर्ट द्वारा सत्य की विजय हुई है. नरेंद्र मोदी, अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी के द्वारा राहुल गांधी के खिलाफ की गई साजिश नाकाम हुई. आगामी क्षेत्र की जनता सब समझ रहे हैं, आगामी चुनाव में जनता उसका हिसाब लेगी. मौके पर लक्ष्मी नारायण भगत, कुमार अतुल राज, किशोर पोद्दार, सनी सिंह, सुखमणि उरांव, लगन देवी, पार्वती उरांव, चिंतामणि गोप, सोमनाथ उरांव, लखन गोप, गोयंदा उरांव अभिराज रॉय सहित अन्य उपस्थित थे.

नौ अगस्त को निकाली जायेगी बाइक रैली

रातू. आदिवासी व सामाजिक संगठन की बैठक रविवार को पड़हा भवन रातू में की गयी. बैठक में नौ अगस्त को विश्व आदिवासी को मनाने पर चर्चा किया गया. अध्यक्षता करते हुए पूर्व जिप सदस्य अमर उरांव ने कहा कि राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर लगातार आदिवासियों पर हो रहे हमलों के विरोध में विश्व आदिवासी दिवस पर लोग सड़क पर एकजुटता दिखायेंगे. इस बार आदिवासी दिवस विरोध दिवस के स्वरूप में मनाया जायेगा. सुबह दस बजे तिलता बगीचा से होचर, झखराटांड़, कांठीटांड चौक, कमड़े, तिलता रिंग रोड होते दलादिली चौक तक जायेगी तथा बिरसा मुंडा, विरेंद्र भगत, सुभाष मुंडा के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जायेगा. जिसमें 500 से अधिक बाइक शामिल रहेंगे. मौके पर कुशल उरांव, संगम उरांव, सोमनाथ उरांव, तुलसी उरांव, सीमा देवी, प्यारी उरांव, गंगू पाहन, विश्वनाथ उरांव, संजू उरांव, सुबोध टोप्पो, वरुण उरांव, चंद्र दीप खलखो सहित अन्य लोग मौजूद थे.

स्टेडियम के बीच से 11 हजार वोल्ट के तार और पोल को हटाने की मांग

अनगड़ा। आजसू के पूर्व प्रत्याशी पारसनाथ उरांव ने प्रखंड के लुपुंग फुटबॉल स्टेडियम के बीचों बीच 11 हजार वोल्ट का तार और खंभा को मैदान से हटाने की मांग की है। कहा कि इस मामला को लेकर ग्रामीणों ने कई बार बिजली विभाग को शिकायत किया है। वावजूद इसके स्थिति यथावत है। उन्होने कहा कि सिस्टम की लापरवाही का नतीजा है कि अभी तक इसका उदघाटन भी नहीं किया जा सका है। स्टेडियम के बीचों बीच तार होने से बच्चे डर से फुटबॉल नहीं खेल पाते है। पारसनाथ उरांव ने कहा कि तार व पोल नहीं हटाया गया तो पार्टी इसके लिए जोरदार आंदोलन करेगी।

बिहार के 49 रेलवे स्टेशन बनेंगे विश्वस्तरीय, प्रधानमंत्री ने रखी आधारशिला

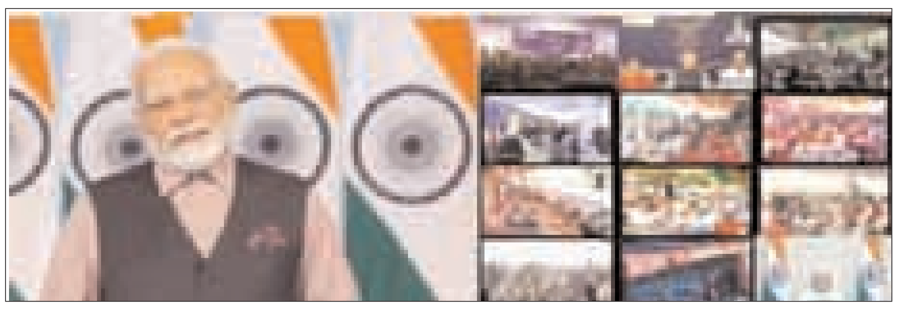

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को बिहार के 49 रेलवे स्टेशनों सहित देशभर के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर के 508 रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प होगा। 25 हजार करोड़ रुपये की लागत से 508 स्टेशन वर्ल्ड क्लास बनेंगे। बिहार के 49 स्टेशन 2,584 करोड़ की लागत से आधुनिक बनेंगे। अब हर स्टेशन के सिटी सेंटर के रूप में विकास होगा। इन स्टेशनों पर रूफ प्लाजा, शॉपिंग जोन, फूड कोर्ट, चिल्ड्रेन प्ले एरिया जैसी कई सुविधाएं उपलब्ध होगी। इन रेलवे स्टेशन पर देश की राजनीतिक विरासत की झलक देखने को मिलेगी। यात्रियों की सुविधाओं के लिए अलग-अलग प्रवेश और निकास द्वार, मल्टी लेवल पार्किंग, लिफ्ट एक्कलेटर, ट्रेवलेटर, वेटिंग एरिया, एग्जीक्यूटिव लाउंज, दिव्यागों, महिलाएं और बुजुर्ग यात्रियों के लिए कई सुविधाएं यहां मिल सकेगी। बिहार में समस्तीपुर रेल मंडल के समस्तीपुर समेत 12 प्रमुख स्टेशनों के आधुनिकीकरण कार्य का वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से शिलान्यास किया गया। इस कार्य पर कुल एक हजार पांच करोड़ रुपये खर्च होंगे। समस्तीपुर रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय सांसद प्रिंस राज और एमएलसी तरुण कुमार समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने समस्तीपुर रेल मंडल के जिन 12 स्टेशनों के आधुनिकीकरण कार्य का शिलान्यास किया गया। उनमें समस्तीपुर, दरभंगा, सीतामढ़ी, बापूधाम मोतिहारी, सहरसा, नरकटियागंज, सुगौली के साथ सलौना, बनमंखी, मधुबनी, सकरी एवं जयनगर स्टेशन शामिल हैं। इन स्टेशनों पर यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जायेगी। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत इन स्टेशनों के ऐतिहासिक महत्व के साथ पीपी शेल्टर, भवनों व हाई लेवल प्लेटफार्म का निमार्ण एवं लिफ्ट समेत अन्य आधुनिक सुविधा के कार्य कराये जायेंगे। समस्तीपुर स्टेशन के विकास के लिए 24.1 करोड़, दरभंगा 340 करोड़, सीतामढ़ी 242 करोड़, बापूधाम मोतिहारी 205 करोड़, सहरसा 41 करोड़, नरकटियागंज 29.3 करोड़, सुगौली 23.3 करोड़, सलौना 22.3 करोड़, बनमंखी 21.5 करोड़, मधुबनी 20 करोड़, सकरी 18.9 करोड़ और जयनगर स्टेशन के लिए 17.5 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गयी है।

भाकपा माले लिबरेशन की एक दिवसीय काराकाट लोकसभा क्षेत्र स्तरीय बैठक संपन्न

नवप्रदेश प्रतिनिधि नासरीगंज (रोहतास)। नगर पंचायत के धुस स्थित प्लाजा मैरिज हॉल में भाकपा माले लिबरेशन की एक दिवसीय काराकाट लोकसभा क्षेत्र स्तरीय बैठक संपन्न हुई। जिसमें औरंगाबाद और रोहतास जिला कमेटी के सदस्यों ने भाग लिया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पार्टी के राज्य सचिव कुणाल ने आगामी 2024 में सांप्रदायिक व फासीवादी भाजपा को शिकस्त देने के लिए पार्टी सदस्यों व कार्यकताओं को अपनी पूरी क्षमता और ताकत झोंक देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मोदी राज में आज देश अभूतपूर्व संकट के दौर से गुजर रहा है। कमरतोड़ महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार मोदी सरकार की पहचान बन चुकी है और 2024 के लोकसभा चुनाव में अपनी सुनिश्चित हार की आशंका से देश मे सांप्रदायिक उन्माद पैदा कर अपने पक्ष में हिन्दू ध्रुवीकरण करने की हर संभव प्रयास करने में लगी है। हरियाणा के नूंह, बिहार के नालंदा, सासाराम, भभुआ, दरभंगा और देश के अन्य प्रदेशों में साम्प्रदायिक उन्माद पैदा करने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि मणीपुर में तीन महीने से जारी जातीय हिंसा की आग मिजोरम व असम तक फैल चुका है और दो कुकी महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाए जाने से पुरी दुनिया के सामने देश का सिर शर्म से झुक गया। डबल इंजन की सरकार मणिपुर की जातीय हिंसा को रोकने में पूरी तरह फेल हो चुकी है। जिसके लिए मणीपुर के सीएम एन बिरेन सिंह और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को फौरन इस्तीफा देना चाहिए। वहीं पॉलित ब्यूरो सदस्य अमर ने? आह्वान किया कि लोकसभा क्षेत्र के सभी बूथों पर दस पार्टी सदस्य भरती कर पार्टी के ब्रांचों को सक्रिय किया जाए। अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय महासचिव राजा राम सिंह ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि विपक्ष की इंडिया गठबंधन से भाजपा बुरी तरह डरी हुई है और 2024 में होने वाली अपनी हार से बौखला गई है। वहीं काराकाट लोकसभा सीट पर अपनी दावेदारी ठोकते हुए उन्होंने कहा कि भाकपा माले और अखिल भारतीय किसान महासभा ने सोन अंचल के जिलों में किसानों के प्रमुख सवाल कादवन जलाशय योजना, एमएसपी, बिहार में बाजार समिति के निर्माण व सोन नहर आधुनिकरण के सवाल पर लगातार आंदोलन चलाती रही है और यह आंदोलन आगे भी चलाने के लिए संसद के अंदर व बाहर काराकाट लोकसभा क्षेत्र के किसानों के व्यापक गोलबंदी की जरूरत है। बैठक के अंत में काराकाट लोकसभा क्षेत्र स्तरिय चुनाव तैयारी समिति व चुनाव संचालन समितियों का निर्माण किया गया। काराकाट लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्र में भी अगस्त के अंत तक विधानसभा चुनाव तैयारी समिति व चुनाव संचालन समिति का निर्माण कर लेने का निर्देश दिया गया??। साथ ही आगामी 27 अगस्त को औरंगाबाद जिले के दाउदनगर में काराकाट लोकसभा क्षेत्र स्तरिय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य के शामिल होने की संभावना है। बैठक की अध्यक्षता भाकपा माले केंद्रीय कमेटी सदस्य एवं काराकाट विधायक अरुण सिंह, रोहतास जिला सचिव नंदकिशोर पासवान, औरंगाबाद जिला सचिव मुनारीक पासवान ने संयुक्त रूप से की।

प्रशांत किशोर ने बगहा को पूर्ण जिले का दर्जा देने की मांग का किया समर्थन

नवप्रदेश प्रतिनिधि पश्चिमी चंपारण। जन सुराज पदयात्रा के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने बगहा अनुमंडल को पूर्ण जिले का दर्जा देने की मांग का समर्थन किया है। बिहार के कई हिस्सों में अनुमंडल को जिले का दर्जा देने की मांग होती रही है और बगहा को जिले का दर्जा देने का मांग बिल्कुल जायज है। जिला बनाने की मांग बहुत दिनों से हो रही है और ये मांग वहां के स्थानीय लोगों की है। नीतीश कुमार को दोषी ठहराते हुए प्रशांत ने कहा कि नीतीश कुमार ने बगहा को पुलिस जिले का दर्जा तो दे दिया लेकिन अपनी मनमर्जी के कारण बगहा को पूर्ण जिले का दर्जा अभी तक नहीं दिया। विदित हो कि वर्ष 1996 में नरकटिया दोन नरसंहार के बाद तत्कालीन सरकार ने पुलिस जिले का दर्जा दिया था। बगहा अनुमंडल का दायरा कुल 2400 वर्ग किलोमीटर में फैला है, इसमें दो नगर परिषद क्षेत्र भी शामिल किए गए हैं। जिला मुख्यालय से बगहा की दूरी 65 किलोमीटर होने के कारण क्षेत्र के लोगों को जिला मुख्यालय के साथ आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

स्थाई कर्मचारी संघ का कार्यकर्ता कंवेंशन सम्पन्न

आरा। रविवार को आरा स्टेडियम के छत पर आरा नगर निगम स्थाई कर्मचारी संघ के बैनर तले एक कार्यकर्ता कंवेंशन आयोजित हुआ। इस कंवेंशन की अध्यक्षता भाकपा माले राज्य कमिटी सदस्य क्यामुद्दीन अंसारी ने की.इस कंवेंशन मे कर्मचारी महासंघ के सचिव उमेश सुमन और भाकपा माले आरा नगर सचिव दिलराज प्रीतम जिला कमिटी सदस्य गोपाल प्रसाद अतिथि के बतौर मौजूद थे. इस कंवेंशन मे तय किया गया कि 1.छठा वेतन आयोग मे सुधार कर वेतन भुगतान एवं उसका अंतर राशी का भुगतान किया जाय। का लाभ आरा नगर निगम दे। सातवां वेतन आयोग का लाभ आरा नगर निगम कमीर्यों को शीध्र दी जाय। गजट में मौजूद पारिवारिक पेंशन लागू हों। आरा नगर निगम स्थाई कर्मचारी संघ के कंवेंशन को संबोधित करते हुए भाकपा माले राज्य कमिटी सदस्य क्यामुद्दीन अंसारी ने कहा कि आरा नगर निगम आकंठ भ्रष्टाचार मे डुबा हुआ है.आरा मेयर और डिप्टी मेयर एक दूसरे पर कमिशन खोरी का किचड़ उछालते है नगर आयुक तमाशा देखते है और ठेकेदार राशी हड़प मे लगे हैं। भाकपा माले नेता क्यामुद्दीन अंसारी ने कहा कि आयुक्त से लेकर मेयर तक आरा नगर के विकास से कोई मतलब नहीं हे न ही अपने कर्मचारीयों से.माले नेता ने कहा कि कर्मचारियों के मांगों पर जोरदार संघर्ष होगा। महासंघ गोप गुट के सचिव उमेश सुमन ने कर्मचारियों की एकता और संगठन की मजबुती पर बल दिया। कंवेंशन के अंत मे एक 9 सदस्य संयोजन समीति कर गठन हुआ। क्यामुद्दीन अंसारी को इस संगठन का संगरक्षक चुनाव गया। अमरनाथ प्रसाद संययोजक चुने गये तथा उमेश सुमन को कार्यालय सचिव चुना गया। अन्य समिति सदस्य का नाम अमरनाथ प्रसाद, अशोक कु.सिंह, शत्रुधन कुमार, सुरेन्द्र सिंह, जयनंदन सिंह, लाल राम, किस न कुमार यादव, लूची देवी, सोनापति देवी हैं।

सोन नद का बढ़ा जलस्तर, बाढ़ की सत्ता रही लोगों को डर

नवप्रदेश प्रतिनिधि नासरीगंज (रोहतास)। प्रखण्ड क्षेत्र में भारी बारिश के बाद सोन नद के जलस्तर में काफी बढ़ोतरी हो रही है। दिन-प्रतिदिन सोन नद का जलस्तर बढ़ रहा है। जिससे सोन नद के तट पर बसे गांव के लोगों को कटाव की चिंता सताने लगी है। सोन नद बिकराल रूप धारण कर चुका है। पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश से इंदपुरी बराज में काफी ज्यादा पानी आ चुका है। जिसे सोन नद में धीरे-धीरे छोड़ा जा रहा है। सोन नद में पानी बढ़ने से सोन डिले पर रहने और खेती करने वाले लोग अपने घरों की ओर पलायन को मजबूर हो गए हैं। सोन नद में ज्यादा पानी बढ़ने से खेती की प्रभावित होने की संभावना है। सोन नद में बाढ़ आने से नासरीगंज व कच्छवाह के लगभग 10 गांव सीधे तौर पर प्रभावित होंगे। जिसमें महादेवा, मंगराव, तुर्क बिगहा, गनौरी विगहा समेत कई गांव बाढ़ की चपेट में आ सकते हैं। यहां सोन के बाढ़ का सीधा असर पड़ता है। सोन में आई बाढ़ का असर विगत कुछ वर्ष पहले देखा गया है। जहां कई गांव में बाढ़ का पानी घुस जाने से लोगों के सामने आर्थिक रूप से गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई थी। वहीं कई गांव में लोग नाव का सहारा लेकर आवागमन करने को मजबूर थे। शनिवार की सुबह इंद्रपुरी बाराज से 21 हजार 700 क्यूसेक पानी सोन नद में छोड़ा गया है। वही लगभग एक लाख 40 हजार क्यूसेक पानी अभी भी इंद्रपुरी बराज पर रोका गया है। सोन नद के बढ़ते जलस्तर को देखने के लिए सोन तटीय इलाके के जगहों पर मेले जैसा दृश्य लगा हुआ रह रहा है। जहां लोग सोन नदी के जलस्तर को देखने के लिए इकट्ठा हो रहे हैं और इसका आनंद भी ले रहे हैं।

मातृभूमि के विकास के लिए प्रयास जारी रहेगाः श्याम बिहारी राम

नवप्रदेश प्रतिनिधि डेहरी। स्थानीय बारह पत्थर स्थित मुख्य पार्षद के आवास पर राज्य अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य व पूर्व विधायक श्याम बिहारी राम का मुख्य पार्षद शशि कुमारी सहित कई लोगों के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। आयोग के सदस्य ने कहा कि डेहरी शहर मेरी मातृभूमि है इसके विकास के लिए समर्पित है। नप मुख्य पार्षद को विकास कार्यो के लिए सरकार स्तर पर जहाँ जरूरत हो मदद को वे तैयार रहेंगे। उन्होंने कहा कि इस शहर के जमीन से ले सदन तक की यात्रा किया है। उन्होंने कहा कि शहर के समस्यायों के समाधान के लिए जो भी जरूरत होगी सदैव तैयार रहेंगे। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति की समस्यायों व उन्हें न्याय दिलाया जाएगा। शुक्रवार को डेहरी आते उन्होंने जगजीवन छात्रावास का निरीक्षण किया छात्रो की समस्यायों का समाधान दिलाया। मुख्य पार्षद ने स्वागत करते हुए शहर के समस्यायों ड्रेनेज सीवरेज के निर्माण,वेंडर जोन के लिए जल संसाधन विभाग से भूमि उपलब्ध कराने आदि से अवगत कराया। मौके पर मुख्य पार्षद प्रतिनिधि गुड्डू चंद्रवंशी, राजद नगर अध्यक्ष धनंजय सिंह, विनय चंचल पिंटू राम, दीपक चंद्रवंशी, सोनू खान, प्रकाश पासवान, पूर्व पार्षद ब्रह्मेश्वर नाथ और काली बाबू पार्षद मुजिबुल हक मदन चंद्रवंशी राजेश चंद्रवंशी मोदनारायण पटेल, शिवपूजन शास्त्री पप्पू पासवान संजय कुमार, सोनू चंद्रवंशी पप्पू पासवान सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

साइबर धोखाघड़ी के 70 हजार से अधिक राशि वापस कराया गया

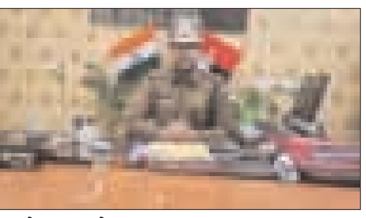

नवप्रदेश प्रतिनिधि डेहरी। जिले के साइबर ठगी के शिकार दो पीड़ितों के खाते में 70 हजार 249 रुपये की राशि को वापस कराए गए। एसपी विनीत कुमार के अनुसार सासाराम मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बासा गांव निवासी निवासी वसीम अख्तर के खाता से गत 29 जुलाई को अज्ञात साइबर अपराधियों द्वारा फोन कर झांसा में लेकर ऑनलाइन माध्यम से 19249 रुपया ठगी कर लिया गया था इसकी प्राथमिकी जिला साइबर थाना में गत 30 जुलाई को दर्ज की गई थी ।जांच के क्रम में पाया गया कि अज्ञात साइबर अपराधियों द्वारा वादी को झांसा में लेकर इस घटना को अंजाम दिया गया तथा राशि की ठगी की गई है। उन्होंने बताया कि तकनीकी जांच के दौरान यह पता चला कि ठगी किया गया संपूर्ण धनराशि एक संदिग्ध बैंक खाता मे गया हुआ है। उन्होंने बताया कि धनवापसी हेतु संबंधित नोडल एजेंसी से संपर्क किया गया जिसके फलस्वरूप 2 अगस्त को संपूर्ण धनराशि उनके खाते में वापस हो गई। उन्होंने बताया कि इंद्रपुरी थाना क्षेत्र के मानिकपुर निवासी पंकज कुमार को गत 23 जुलाई को साइबर अपराधियों ने झांसा में लेकर ऑनलाइन माध्यम से 51000 रुपये ठगी कर लिया गया था ।इस संबंध में 25 जुलाई को जिला साइबर थाना में प्राथमिकी दर्ज किया गया । साइबर थाने ने तकनीकी जांच के बाद नोडल एजेंसी से संपर्क किया गत 31 जुलाई को 51000 रुपये उनके खाते में वापस कराया गया। एसपी ने कहा है कि साइबर धोखा घड़ी होने पर रोहतास पुलिस से संपर्क करें ।ताकि पुलिस सहयोग कर सकें और उनकी धन की वापसी कराया जा सके।

सभी के आपसी सहयोग एवं समन्वय से सफल होगा आगामी एमडीए राउंडः डॉ. परमेश्वर प्रसाद

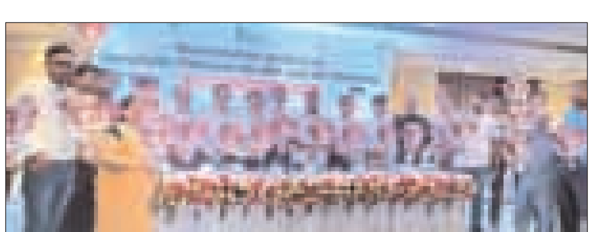

नवप्रदेश प्रतिनिधि पटना। वर्ष 2027 तक फाइलेरिया उन्मूलन के लिए देश में अब एक साथ एमडीए यानी सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है. राज्य के 11 जिलों में शीघ्र ही आगामी एमडीए राउंड संचालित किया जाएगा. उक्त बातें अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम अधिकारी, फाइलेरिया, डॉ. परमेश्वर प्रसाद ने आईएमए एवं क्अढ के साथ आगामी एमडीए राउंड को लेकर आयोजित संवेदीकरण कार्यशाला के दौरान कही. डॉ. प्रसाद ने कहा कि फाइलेरिया उन्मूलन में आईएमए ने पहले भी सहयोग किया है. उन्होंने आईएमए से पुनः एमडीए में अधिक से अधिक लोगों द्वारा दवा सेवन करने के लिए सहयोग प्रदान करने की बात कही कार्यशाला में आईएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सहजानंद सिंह, उपाध्यक्ष, आईएमए, डा० सुनील कुमार, आईएमए के जेनरल सेक्रेटरी डॉ. अशोक कुमार, अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. आर. सी. एस. वर्मा, निदेशक प्रमुख अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, फाइलेरिया डॉ. परमेश्वर प्रसाद, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, बिहार सरकार के आरएचओ डॉ. रवि शंकर, इंडियन पैडीएट्रिक एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. शिव बचन सिंह, पिरामल स्वास्थ्य के एलएफ/वीएल के टीम लीड बिकास सिन्हा, पटना जिला सिविल सर्जन डॉ. श्रवण कुमार, जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. सुभाष चंद्र प्रसाद सहित आईएमए के कई चिकित्सक एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन विश्व स्वास्थ्य संगठन के राज्य के एनटीडी कोऑर्डिनेटर डॉ. राजेश पांडेय ने किया. डॉ. प्रसाद ने बताया कि देश में कुल 7 लाख 6 हजार फाइलेरिया के मरीज हैं. जिसमें 18% मरीज केवल बिहार में है. उन्होंने बताया कि देश में कुल 328 जिले फाइलेरिया की जद में है. इनमें 75 फीसदी जिले केवल पाँच राज्यों यानी बिहार, झारखंड, उड़ीसा, उत्तरप्रदेश एवं छतीसगढ़ में हैं. उन्होंने बताया कि राज्य में हाथीपांव के करीब 1.27 लाख एवं हाइड्रोसिल के करीब 18000 मरीज हैं. विश्व स्वास्थ्य संगठन के नेग्लेक्टेड ट्रॉपिकल डिजीज के कोऑर्डिनेटर डॉ. राजेश पांडेय ने बताया कि फाइलेरिया नेग्लेक्टेड ट्रॉपिकल डीजीज में एक प्रमुख रोग है. विश्व के 72 देशों में 85.9 करोड़ आबादी फाइलेरिया के खतरे में हैं। विश्व भर में फाइलेरिया विकलांगता का दूसरा प्रमुख कारण है।

सरदार पटेल स्टेडियम का होगा कायाकल्प मंत्री श्रवण कुमार

नवप्रदेश प्रतिनिधि नालंदा। बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि राज्य सरकार खिलाड़ियों को मदद को सदैव तैयार है उसके लिए सरकार खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी में आरक्षण दे रही है खेल में आज शोहरत से साथ पैसा मिल रहा है पहले के अभिभावक कहते थे खेलोगे कूदोगे बनोगे खराब पड़ोगे लिखोगे बनोगे नबाब लेकिन ये कहावत अब उल्टा हो गया है खेल से मानसिक और शारीरिक विकास होता है ये बाते मंत्री कुमार ने सरकार पटेल स्टेडियम में खिलाड़ियों के बीच खेल कीट वितरण के दौरान कह रहे थे इस अवसर पर फुटबॉल बॉलीबॉल नेट जाल का वितरण किया गया वही उन्होंने कहा कि सरदार पटेल स्टेडियम का जीणोद्धार किया जाएगा ताकि इसमें जिलास्तर व राज्यस्तर के मैच किये जायें वही इस अवसर पर जदयू के वरिष्ट नेता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा खेल शारीरिक फिटनेस के लिए भी जरूरी है खेलने के फिटनेस अच्छी रहती है सरकारी नौकरी में इसका लाभ होता है बिहार के खिलाड़ी आज देश विदेश में परचम फहरा रहे है खिलाड़ी आप लोग मेहनत से खेले सरकार आपको मदद करेगी वही बी एस क्लब के कप्तान टिंकू कुमार ने कहा मंत्री जी हमलोग को खेल का कीट दिए इससे हमलोग का मनोबल बढ़ा है हमलोग और मेहनत और लगन से खेलने की कोशिश करेंगे इस अवसर पर पूर्व प्रमुख राकेश कुमार बबलू कुमार दीपक पासवान टिंकू कुमार मुन्ना कुमार पवन कुमार धर्मेन्द्र कुमार जनार्धन सिंह चंद्रवंसी आदि लोग।

एक नजर

वर्षगांठ पर हुआ दरिद्र नारायण भोज का आयोजन

नवप्रदेश प्रतिनिधि बेतिया। जगदीशपुर स्थित शुभम चिकित्सालय के दसवीं वर्षगांठ पर हनुमान आराधना के साथ दरिद्र नारायण भोज का आयोजन किया। वही बताते चलें कि प्रतिवर्ष इस प्रकार का आयोजन चिकित्सालय द्वारा आयोजित किया जाता है और जरूरतमंदों को वस्त्र का भी वितरण किया जाता है साथ ही साथ इस दिन निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है इतना ही नहीं उक्त चिकित्सालय के संचालक डॉ कुंदन कुमार एवं डॉ सुरेंद्र शर्मा अपने समाज की सेवा के कारण क्षेत्र में काफी लोकप्रिय हैं । यह इक ऐसा अस्पताल है जहां हर तबके के लोगों को सस्ती दर पर इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है यही कारण है कि दूर दराज क्षेत्रों के लोग भी इस अस्पताल में इलाज कराने के लिए आते हैं वही कुंदन कुमार का कहना है कि हमारे यहां अनुभवी डॉक्टरों के द्वारा लगभग हर बीमारियों का इलाज किया जाता है वह भी सस्ते दर पर हमारी हर कोशिश रहती है कि साथ-साथ समाज की भी सेवा की जाए क्योंकि सेवा सबसे बड़ा धर्म है।

महाविद्यालय का मनाया गया स्थापना दिवस

नवप्रदेश प्रतिनिधि बेतिया। एम.जे.के.कॉलेज, के सभागार कक्ष में महाविद्यालय का स्थापना दिवस मनाया गया। ज्ञातव्य हो कि महाविद्यालय की स्थापना पाँच अगस्त उन्नीस सौ पचपन में हुई थी। इस समारोह की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य प्रो(डॉ) सुरेन्द्र प्रसाद केसरी द्वारा की गई। विशिष्ट अतिथि के रूप में महाविद्यालय के भूतपूर्व प्राचार्य जुबैर अहमद और प्रो डॉ प्रभा पाण्डेय की उपस्थिति रही। समारोह को संबोधित करते हुए हिन्दी विभाग की अध्यक्षा डॉ शैल कुमारी वर्मा ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन के लिए हमारे महाविद्यालय के प्राचार्य बधाई के पात्र हैं। उन्हीं के सद्प्रयास से स्थापना दिवस पहली बार मनाया जा रहा है। विशिष्ट अतिथि जुबैर अहमद और प्रो.प्रभा पाण्डेय ने इ पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसा आयोजन प्रति वर्ष होना चाहिए ताकि चम्पारण के शैक्षणिक गतिविधियों में रूचि रखने वाले लोगों को इसके इतिहास और महत्व का पता चल सके। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कॉलेज के प्राचार्य प्रो (डॉ) सुरेन्द्र प्रसाद केसरी ने कहा कि यह महाविद्यालय मेरे शैक्षणिक विकास के साथ-साथ मेरे आत्मिक विकास का भी साक्षी रहा है। इस महाविद्यालय की उपलब्धियॉ अनगिनत रही है। इसने एक से बढ़कर एक बौद्धिक विभूतियों को पैदा किया है जो अपने ज्ञान से देश और दुनिया को आलोकित कर रही हैं। इस लिए मेरे मन में एक विचार आया कि चम्पारण के इस ऐतिहासिक प्रतिमान का स्थापना दिवस मनाया जाना चाहिए और सबके प्रयास से यह समारोह आपके सामने हो रहा है। इस अवसर पर डॉ.पी.के.चक्रवर्ती, डॉ.गोखुला प्रसाद सिंह ने अपने विचार व्यक्त किये। भंच संचालन हिन्दी विभाग के प्रोफेसर डॉ राजेश कुमार चंदेल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ शैल कुमारी वर्मा ने किया। इस अवसर पर कॉलेज के सभी शिक्षक गण और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में छात्र/छात्राओं की उपस्थिति रही।

गली में फैला कीचड़ व पानी से ग्रामीणों को हो रही परेशानी

नवप्रदेश प्रतिनिधि संझौली। प्रखंड क्षेत्र के करमैनी पंचायत अंतर्गत जिगनी गांव के महादलित टोला से आने जाने वाली गली में बारिश का पानी व कीचड़ फैल जाने से ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. ग्रामीण जगदेव सिंह, उमेश पांडे राजवंश सिंह, देवबंद सिंह, गोरख पांडे, वीरेंद्र राम, सिद्धनाथ राम, धनजी राम सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत प्रतिनिधियों से कई बार इस गाली नाली को बनाने के लिए कहा गया, कई बार योजनाएं भी ग्रामसभा में दी गई, लेकिन आज तक यह गली विकास से अधूरा है. जब भी बारिश होती है गली में पानी और कीचड़ फैल जाता है जिस कारण लगभग दर्जनभर परिवारों को आने जाने में परेशानी होती है। उक्त समस्या के संबंध में जिला पार्षद उपाध्यक्ष वंदना राज ने संपर्क करने पर बताया कि ग्रामीणों द्वारा मुझे सूचना प्राप्त हुई है. बरसात होने पर वहां कीचड़ व गंदा पानी फैल जाता है, राशि मिलते ही नाली का निर्माण कराया जाएगा।

पुलिस ने 64 बोतल अंग्रेजी शराब और 60 लीटर देसी शराब किया बरामद

नवप्रदेश प्रतिनिधि शाहपुर भोजपुर। शाहपुर थाना की पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर टेंपू से ले जा रहे 64 बोतल अंग्रेजी शराब एवं बाइक से 60 लीटर देसी शराब बरामद किया है। इस संबंध में शाहपुर थाने की अपर थाना अध्यक्ष पूनम कुमारी ने बताया कि शाहपुर थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी बिलौटी सूर्य मंदिर के पास अवैध शराब की खेप ले जाई जा रही है। सूचना पर पुलिस ने छापेमारी कर बिलौटी सूर्य मंदिर के पास से एक टेंपो से 64 बोतल किंगफिशर अंग्रेजी शराब बरामद किया है। हालांकि इस दौरान चालक पुलिस को देख कर भाग निकलने में सफल रहा है। वही शाहपुर थाना की पुलिस ने सुहिया बाजार के पास से एक बाइक से ले जा रहे 60 लीटर देसी शराब बरामद किया है। इस दौरान बाइक चालक पुलिस को चकमा देकर भाग निकलने में सफल रहा है। इस छापेमारी दल का नेतृत्व एसआई संजीव कुमार, शैलेश कुमार, अंकित कुमार, चौकीदार उपेंद्र यादव, सुरेंद्र यादव ,मन लाल यादव समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राएं परिभ्रमण के लिए बोधगया गई

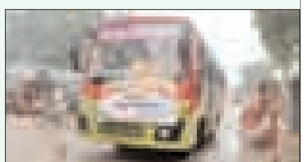

नवप्रदेश प्रतिनिधि सूर्यपुरा। प्रखंड मुख्यालय स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राएं परिभ्रमण के लिए रविवार को बोधगया गई। प्रभारी वार्डेन शमशा खातून ने बताया कि परिभ्रमण के लिए रविवार को बोधगया रवाना हुईं। साथ ही बताया कि छात्राओं के समग्र विकास के लिए परिभ्रमण बेहद जरूरी है। आज के समय में किताबी बातों के अलावा भी अन्य जानकारियां जरूरी हैं। परिभ्रमण से बच्चों को कई जानकारिया दी जाती हैं। वही रौशनी, शिवानी, प्रिया, संगीता सहित छात्राओ ने बताया कि हमें बेहद खुशी हो रही है कि हम घूमने के लिए बोधगया जा रहे है। इस दौरान लेखापाल चंदन कुमार, उपासना कुमारी सहित अन्य शामिल थे।

झमाझम हुयी बारिश से किसानों के चेहरे पर छायी खुशी

नवप्रदेश प्रतिनिधि सूर्यपुरा। प्रखंड क्षेत्र में रविवार की शाम हुयी झमाझम बारिश से क्षेत्र के किसानों के चेहरे खिल उठे वहीं उमस भरी गर्मी से आम जनों को काफी राहत मिली वहीं क्षेत्र के किसान अपनी अपनी खेतों में धान की फसल को बचाने के लिए काफी जद्दोजहद करते फिर रहे थे। वहीं रविवार की शाम हुयी झमाझम बारिश से सभी किसानों ने राहत की सांस ली है.बारुन के किसान सीताराम सिंह, सूरज सिंह, संतोष सिंह, प्रमोद सिंह, रमाशंकर सिंह, मुकेश वर्मा, पप्पू सिंह, उमेश सिंह सहित कई अन्य किसानों ने बताया कि आज की हुयी झमाझम बारिश से अब किसानों के खेतों में लगे धान के बिचड़े के लिए बहुत ही फायदे होगी. वहीं सब्जी की खेती करने वाले किसानों को भी इस बारिश से काफी फायदेमंद साबित होगी। सब्जी एवं धान दोनों के लिए आज की बारिश विटामिन का काम करेगा। वहीं हुयी बारिश से सभी किसानों के चेहरे पर काफी खुशी देखी जा रही है।

संपादकीय

498ए बना अभिशाप

अगर किसी शादीशुदा महिला पर उसके पति या उसके ससुराल वालों की ओर से किसी तरह की 'क्रूरता' की जा रही है तो आईपीसी की धारा 498ए के तहत ये अपराध के दायरे में आता है। क्रूरता, शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की हो सकती है। यह बात अब किसी से छिपी नहीं है कि कैसे इन कानूनों का दुरुपयोग महिलाओं द्वारा किया जा रहा है। केन्द्रीय पुरुष आयोग के पास लगातार ऐसे मामले सामने आते रहते हैं, जिनमें इन मामलों के सताए पुरुष होते हैं। इन मामलों में केवल पुरुष को ही आरोपी नहीं बनाया जाता है, बल्कि कभी कभी तो विदेशों में बैठी बहनों के खिलाफ भी मुकदमे दर्ज हो जाया करते हैं। यह भी सच है कि न जाने कितने लोग इनके चलते आत्महत्या कर लेते हैं, न जाने कितने परिवार तबाह हो जाते हैं। लोग टूट जाते हैं। आये दिन आत्महत्या की खबरें आती हैं। पुरुषों की इन पीड़ाओं के बाद भी इस कानून में परिवर्तन की बात नहीं हो रही है। बार-बार न्यायालय निर्णय देते हुए कह रहे हैं कि कानून पुरुषों के प्रति पक्षपाती हैं, परन्तु इस पक्षपात को सुधारने के कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। अब कई बेटे विवाह करने से डरने लगे हैं, वह लड़कियों से डरने लगे हैं कि कहीं कोई अकारण कोई आरोप न लगा दे। हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा था कि यौन उत्पीड़न के वास्तविक मामले कहीं न कहीं बहुत कम हैं और कानून पुरुषों के लिए बहुत पक्षपाती है। यह कानून केवल पुरुषों के प्रति पक्षपाती नहीं है, बल्कि यह पूरे परिवार पर हमला है। दहेज प्रताड़ना से कोई इनकार नहीं कर सकता है, परन्तु दहेज प्रताड़ना के नाम पर अब कानूनों के दुरुपयोगों का आलम यह है कि नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 में धारा 498ए के तहत देशभर में 1.36 लाख से ज्यादा मामले दर्ज किये गये थे, जबकि इससे एक-एक साल पहले 2020 में 1.11 लाख मामले दर्ज किए गए थे। वहीं, अगर धारा 498ए के मामलों में कन्विक्शन रेट देखें तो सिर्फ 100 में से 17 केस ही ऐसे हैं, जिनमें दोषी को सजा मिलती है। मगर फिर भी ऐसे कानूनों, जिनमें कन्विक्शन दर इतनी कम है, की उपयोगिता पर बात नहीं होती? यह तक चर्चा नहीं होती कि कहीं महिलाओं के हितों की बात करते करते, पुरुषों एवं परिवार संस्था के विरुद्ध ही तो हम इतना आगे नहीं आ गए हैं कि जहां पर स्त्री और पुरुष परस्पर प्रतिद्वंद्वी हो गए हैं और परिवार तबाह। इनके दुरुपयोग पर बात होनी ही चाहिए, क्योंकि बात हमारे और आपके बेटों की है। दरअसल, महिला जागरूकता की बातें करते-करते हम इतना आगे निकल आये हैं कि पुरुषों का कष्ट हमें नजर ही नहीं आता है। महिलाएं जैसे-जैसे जागरूक होती जा रही हैं, उनकी मदद के लिए बनीं आईपीसी की धाराओं का वे दुरुपयोग करना शुरू कर दे रही हैं। इसी कारण धारा 498ए एक अभिशाप के रूप में सामने आ रहा है। पुलिस अनुसंधान में बार-बार यह बात सिद्ध हो रही है। इसलिए वक्त आ गया है कि सरकारें इस कानून की उपयोगिता पर वोट बैंक के दायरे से बाहर जाकर सोचें।

सामयिकी

श्रीराम मंदिर शिलान्यास के तीन वर्ष

प्रणय विक्रम सिंह

आज का दिन भारत की आस्था, अस्मिता, स्वाभिमान और गौरव की पुनर्स्थापना का दिवस है। काल के कपाल पर मानव सभ्यता के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के कालजयी प्रतीक के रूप में अंकित आज के दिन ही 03 वर्ष पूर्व श्रीरामजन्मस्थान पर भव्य-दिव्य राम मंदिर राष्ट्र मंदिर का शिलान्यास हुआ था। यह सामान्य दिवस नहीं है, इसके लिए तो पांच शताब्दियों का अविराम संघर्ष, अहिल्या सदृश प्रतीक्षा एवं घायल जटायु के समान आर्तनाद करती सांस्कृतिक चेतना की आहत हुंकार युगों से बाट जोह रही थी। पुत्र रत्न से नहाई हुई धर्मनगरी अयोध्या, आज सकल आस्था के केंद्र प्रभु श्रीरामलला के भव्य-दिव्य मंदिर निर्माण की गतिशीलता से स्वयं के संघर्ष को सुफलित होती देख रही है। आज आस्था के प्रांजल भाव से प्रेरित आत्मोत्सर्ग की अपरिमित भक्त श्रृंखलाओं की अकथनीय त्याग ऋचाएं राम नगरी अयोध्या के उल्लसित वातावरण में स्पंदन कर रही हैं। स्मृतियों के पक्षी की उड़ान को तीन वर्ष पीछे ले जाने पर 05 अगस्त 2020 को अभिजीत मुहूर्त में भारतीय गणराज्य के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा श्रीरामजन्मस्थान पर राष्ट्र मंदिर राम मंदिर के हुए शिलान्यास की पावन अनुभूतियां मन में सजीव हो उठती हैं। शरीर का रोम-रोम राममय हो जाता है। मन रामभक्तों के पावन अवदान के प्रति कृतज्ञ हो उठता है। ऐसा होना स्वाभाविक भी है। यही तो था वह अद्भुत, अलौकिक, अनिर्वचनीय क्षण, जिसकी चिरंतन प्रतीक्षा में लाखों हुतात्माओं ने काल संग क्रीड़ा करने में भी संकोच नहीं किया था। सन् 1528 के म्लेच्छ बाबर से लेकर 1990 तक उसके रक्तपिपासु उत्तराधिकारियों द्वारा अयोध्या की पावन धरा पर राम भक्तों का बहाया गया लहू आज विजय का रक्त चंदन बन प्रत्येक सनातनी के भाल पर दमकते हुए उद्घोष कर रहा है कि त्वदीयाय कार्याय बद्धा कटीयम्, शुभामाशिषं देहि तत्पूर्तये। श्री रामजन्मभूमि पर राम मंदिर निर्माण की अद्भुत अभीप्सा के साथ गोलोकवासी हुई सहस्त्रों देव आत्माएं आज मुदित मन और सजल नेत्रों के साथ रघुकुल नंदन, मर्यादा पुरुषोत्तम, प्रजा पालक, भक्त वत्सल, जन हितकारी, दुःखभंजन, कृपानिधान प्रभु श्री राम को अपने जन्मस्थान मंदिर में विराजते हुए देख रही हैं। उन्हीं आंखों ने कभी उस जनक्रांति के स्व-स्फूर्त भावावेगों के ज्वार को भी देखा था जिसने तत्कालीन राजसत्ता को जननायक प्रभु श्री राम के कण-कण के साथ-साथ जन-जन में विद्यमान होने का अहसास कराया था। ब्रिटानी शासन में पावन श्री गोरक्षपीठ के महंत दिग्विजयनाथ के समर्पित नेतृत्व में प्रारंभ हुआ श्रीराम जन्मस्थान मुक्ति आंदोलन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व उसके आनुषांगिक संगठन विश्व हिंदू परिषद की अगुआई में द्रुत गति से अखिल भारतीय जनमानस की चेतना जागरण का कारक बन गया। विदित हो कि दिसंबर 1949 में अयोध्या में श्रीरामलला के प्रकटीकरण के समय ब्रह्मलीन गोरक्षपीठाधीश्वर युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज अयोध्या जी में ही मौजूद थे, वहीं 1986 में जब मंदिर का ताला खुला तो उस समय राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ रामनगरी में उपस्थित थे। योगी आदित्यनाथ के संघर्ष के तो हम सभी साक्षी हैं। गोरक्षपीठ की तीन पीढ़ियों ने राम जन्मस्थान मुक्ति संघर्ष में स्वयं को समर्पित कर दिया था तो महंत परमहंस रामचंद्रदास, अशोक सिंघल, महंत नृत्यगोपाल दास, चंपत राय, साध्वी उमा भारती, साध्वी ऋतम्भरा समेत हजारों साधु-संतों और करोड़ों आस्थावानों ने अगणित समस्या सिंधु को पार करते हुए राष्ट्र गौरव यज्ञ में अपनी-अपनी भाव आहुति अर्पित कर आंदोलन को सिद्ध कर दिया। स्मरण रहे कि श्रीराम जन्मस्थान मुक्ति संघर्ष किसी पंथ, मजहब या समुदाय का संघर्ष नहीं था बल्कि यह तो उस प्रत्येक निर्बल स्वाभिमानी व्यक्ति, समुदाय और समष्टि का संघर्ष था, जो अपनी अस्मिता को किसी बर्बर, क्रूर, दम्भी राजसत्ता से मुक्त कराने का स्वप्न देखती है। यह तो भाव को सम्भाव से स्वीकार करने की मनुहार थी, जो सम्पूर्ण राष्ट्र की समेकित भावना के रूप में प्रस्फुटित हुई। मुगलों, अंग्रेजों तत्पश्चात तुष्टिकरण के दावानल में भी अक्षत रही। राम मंदिर की आधारशिला कल-युग में राम युग के पदार्पण का शंखनाद है। वह राम युग, जो सत्य, शील और मर्यादा को जीता है।

जाति गणना व रोहिणी आयोग की रिपोर्ट

अजय बोकिल

ओबीसी जातियों को शिक्षा और नौकरी में 27 फीसदी आरक्षण तो मिल ही चुका है। नया आंकड़ा आने पर सरकार को इस आरक्षण को भी बढ़ाना पड़ सकता है। साथ ही तमाम ओबीसी जातियां जनप्रतिनिधित्व में भी उनकी संख्या के हिसाब से आरक्षण मांगेगीं, जो अधिकांश राजनीतिक दलों के लिए बड़ी चुनौती साबित होने वाला है।

हाल में दो घटनाएं लगभग एक साथ हुई हैं, जो भारतीय राजनीति और सामाजिक न्याय के संघर्ष का नया मोर्चा खोल सकती हैं। पहला है- पटना हाईकोर्ट द्वारा बिहार की नीतीश सरकार को राज्य में जातिगत सर्वे कराने की अनुमति देना और दूसरा देश में ओबीसी आरक्षण को लेकर गठित रोहिणी आयोग द्वारा अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंपना। इस रिपोर्ट में आयोग ने ओबीसी जातियों को चार श्रेणियों में विभाजित करने की सिफारिश की है। यानी अगर जातिगत सर्वे से जहां बिहार में पिछड़ा वर्ग जातियों की सही संख्या का पता लगेगा, वहीं रोहिणी आयोग रिपोर्ट यदि लागू होती है तो ओबीसी में श्रेणीवार आरक्षण का नए सिरे से बंटवारा होगा। यानी कोटे के भीतर कोटा वाली व्यवस्था लागू होगी। वर्तमान में देश में ओबीसी के लिए 27 फीसदी आरक्षण (राज्यों में यह प्रतिशत अलग-अलग है) लागू है। इन दोनों घटनाओं का राजनीतिक दल अपने हित साधन की दृष्टि से अलग-अलग तरीके से फायदा उठाएंगे। लेकिन एक बात साफ है कि इन घटनाओं ने ठंडी पड़ चुकी मंडल राजनीति को नए सिरे हवा दे दी है, जिसका काउंटर अब कमंडल राजनीति से करना मुनासिब नहीं होगा। इस मंडल पार्ट-2 में सबसे बड़ा खतरा ओबीसी के भीतर मचने वाला नया घमासान होगा, जिसका फायदा राजनीतिक दल कैसे और किस रूप में उठाएंगे, यह देखने की बात है। अगले एक दशक तक यही राजनीति देश पर हावी रह सकती है। जाति जनगणना की बिहार से हुई शुरूआत पूरे देश में ऐसी मांग के रूप में तेज होगी। इसका असर इस साल होने वाले चार राज्यों के विधानसभा और अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव पर पड़ेगा, क्योंकि पिछड़ा वर्ग आरक्षण की लड़ाई का सबसे महत्वपूर्ण चरण तो राजनीतिक आरक्षण का है, जो अभी तक अनसुलझा है या यूं कहें कि उसे किसी तरह दूसरे मुद्दे उठाकर दबाकर रखा गया है।

बढ़ सकता है ओबीसी आरक्षण

ओबीसी जातियों को शिक्षा और नौकरी में 27 फीसदी आरक्षण तो मिल ही चुका है। नया आंकड़ा आने पर सरकार को इस आरक्षण को भी बढ़ाना पड़ सकता है। साथ ही तमाम ओबीसी जातियां जनप्रतिनिधित्व में भी उनकी संख्या के हिसाब से आरक्षण मांगेगीं, जो अधिकांश राजनीतिक दलों के लिए बड़ी चुनौती साबित होने वाला है। वो पुराना नारा जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी फिर जोर पकड़ेगा। ध्यान रहे कि देश में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण का बिल इसी कारण से अटका हुआ है

कि ओबीसी पहले अपना राजनीतिक आरक्षण सुनिश्चित करना चाहते हैं, उसके बाद ही महिला आरक्षण का समर्थन करना चाहते हैं। यही कारण है कि नौ सालों से केन्द्र में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने के बाद भी भाजपा महिला आरक्षण बिल संसद में पारित कराने का साहस नहीं जुटा पाई है। देश में जाति आधारित जनगणना 1931 के बाद से नहीं हुई है। आजादी के बाद से देश में अनुसूचित जाति और जनजातियों की गणना तो होती है, लेकिन ओबीसी और सामान्य वर्ग की जातियों को अलग-अलग नहीं गिना गया है। फिर भी अनुमानतः ओबीसी जातियों की संख्या 50 फीसदी के आसपास है। जाति गणना को अनदेखा करने के पीछे असल भय राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में ऊंची और प्रभावशाली जातियों का वर्चस्व छिनना है और संख्याधारित आरक्षण के आगे योग्यता के मूल्य का हाशिए पर जाने का है। इसका अर्थ यह नहीं कि ओबीसी में योग्य लोग नहीं हैं। वहां भी हैं, लेकिन अभी भी उच्चतम पदों और जिम्मेदारियों को संभालने वालों में ऊंची जातियां ही हावी हैं। देश में ओबीसी की वास्तविक संख्या कितनी है, यह तभी पता चलेगा, जब देश के सभी राज्यों में जाति जनगणना हो। अभी तक केन्द्र सरकार इसे नकारती आई है, क्योंकि इसमें धर्म के आधार काफी हद तक गोलबंद किए गए हिंदू समाज का जाति के आधार पर नए सिर से विभाजन का खतरा तो है ही, साथ में खुद ओबीसी श्रेणी में नए घमासान मचने की चिंता भी है (हालांकि मुसलमानों के मामले में वो इसी जाति चेतना की समर्थक है)। इससे भी बढ़कर परेशानी यह है कि अगर रोहिणी आयोग की रिपोर्ट पर सरकार ने कार्रवाई की तो वो पिछड़ी जातियां, जो ओबीसी आरक्षण के बाद सबल हुई हैं और इस आरक्षण का सर्वाधिक लाभ उन्होंने ही उठाया है, सरकार से नाराज हो सकती हैं। ये वो जातियां हैं, जो अलग-अलग राज्यों में संख्या बल, धन बल और बाहुबल के आधार पर राजनीतिक पलड़ा अपने पक्ष में झुकाने में सक्षम हैं। क्या सरकारें इन्हें नाराज करने का जोखिम मोल ले सकती हैं? रोहिणी आयोग ने अपनी रिपोर्ट में ओबीसी के तहत आने वाली सभी जातियों की संख्या और इस वर्ग को 30 वर्ष पूर्व मिले आरक्षण के बाद उनकी सामाजिक स्थिति व आरक्षण लाभ की वस्तुस्थिति का लेखा-जोखा पेश किया है। रिपोर्ट के मुताबिक देश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के तहत कुल 2633 जातियां सूचीबद्ध हैं। लेकिन आरक्षण लाभ की दृष्टि से यहां सामाजिक न्याय की उपेक्षा अथवा पक्षपाती लाभ ही हुआ है। मसलन कुल ओबीसी जातियों/ उपजातियो में से 983 जातियों को ओबीसी आरक्षण का शून्य लाभ मिला है। फिर चाहे व शिक्षा की बात हो या फिर सरकारी नौकरी की। इसी तरह 994 जातियों की हिस्सेदारी नौकरी और पढ़ाई में मात्र 2.68 फीसदी की रही है। इसका सीधा अर्थ यह है कि ओबीसी आरक्षण का कोई विशेष लाभ इस वर्ग की एक तिहाई जातियों को नहीं मिला है। आरक्षण की असली लाभार्थी वही जातियां रही हैं, जो ओबीसी में भी धनबली और बाहुबली रही हैं। आरक्षण लाभ के ये वास्तविक आंकड़े समान सामाजिक न्याय के मूलभूत उद्देश्य को ही पराजित करने वाले हैं।

ओबीसी आरक्षण के लिए चार श्रेणियां प्रस्तावित

रोहिणी आयोग की रिपोर्ट अभी सार्वजनिक नहीं हुई है, लेकिन मीडिया में आई खबरों की मानें तो आयोग ने ओबीसी आरक्षण की पिछड़ेपन के आधार पर चार श्रेणियां प्रस्तावित की हैं, लेकिन इन चार श्रेणियों की जातियों/ उपजातियों के बीच आरक्षण कोटा बंटवारे का आधार क्या होगा, यह स्पष्ट नहीं है। अगर यह आधार भी जातिजनसंख्या होगी तो सबसे ज्यादा नुकसान में वो जातियां रह सकती हैं, जो संख्या में कम होने के बावजूद सामाजिक जागरूकता और संसाधनों के चलते आरक्षण का सबसे ज्यादा लाभ उठाती रही हैं, जैसे कि जाट, यादव, गूजर, कुर्मी, कुणबी मराठा, पाटीदार आदि। अगर संख्या के आधार पर कोटे के भीतर कोटे में इनका आरक्षण कम किया गया तो इनमें भारी नाराजी फैल सकती है। दूसरे, असंतोष उन जातियों में भी फैल सकता है, जो संख्या में ज्यादा होने के बावजूद कम आरक्षण कोटा पाएंगीं। संभव है कि विपक्ष की जाति गणना की मांग के मुद्दे की धार को भोंथरा करने के लिए केन्द्र की मोदी सरकार लोकसभा चुनाव के पहले देश में जाति गणना की घोषणा कर दे। वैसे भी इस पर अमल 2025 में ही हो पाएगा। अगर 2014 में भाजपानीत एनडीए फिर सत्ता में आया तो देखा जाएगा। फिलहाल यह संदेश दिया ही जा सकता है कि भाजपा जाति गणना के विरोध में नहीं है। वैसे भी भाजपा के पास ओबीसी चेहरे के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूप में सबसे बड़ा तुरूप का इक्का है, जिसकी काट किसी दल के पास नहीं है। बाकी दलों के ओबीसी नेता क्षेत्रीय क्षत्रप की हैसियत वाले हैं। संभव है कि मोदी सरकार जाति जनगणना की काट के रूप में रोहिणी आयोग रिपोर्ट का इस्तेमाल करें। यह दांव ओबीसी में भी अति पिछड़ी 1977 जातियों को कोटे के भीतर आरक्षण कोटा लागू कर उसे सामाजिक न्याय का नाम देकर चली जा सकता है। इसका असर यह होगा कि ओबीसी वोट गहराई के साथ विभाजित होगा और पिछड़ों में अगड़ी बन चुकी जातियों के वर्चस्व को चुनौती देने वाला होगा। दूसरे, रोहिणी आयोग रिपोर्ट ओबीसी में दूसरे विभाजन का कारण बनेगी। क्योंकि ओबीसी में एक विभाजन तो सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही क्रीमी लेयर और नॉन क्रीमी लेयर के रूप में कर दिया था।

क्या हो सकता है इसका असर?

इस पूरे घटनाक्रम का सीधा असर जनगणना में पहले से गिनी जाने वाली अनुसूचित जातियों और जनजातियों पर भी पड़ सकता है, क्योंकि वहां भी आरक्षण की मलाई चुनिंदा जातियों ने ही खाई है। लिहाजा रोहिणी आयोग जैसा कोई नया आयोग एससी/ एसटी जातियों में आरक्षण लाभ के अध्ययन के लिए बनाने की मांग जोर पकड़ सकती है, साथ ही वहां भी क्रीमी लेयर जैसा कुछ प्रावधान करने की मांग तेज हो सकती है। रही बात मंडल पार्ट-2 का राजनीतिक मुकाबला करने की तो भाजपा के पास अब राम मंदिर जैसा कोई बहुत सशक्त मुद्दा नहीं बचा है, जो बहुसंख्यक हिंदू समाज को उसी ताकत से एक कर दे, क्योंकि राम मंदिर अब आकार ले ही रहा है और ज्ञानवापी अथवा मथुरा का मंदिर मस्जिद मुद्दा स्थानीय स्तर का ज्यादा है। ऐसे में वापस जातियों के आधार पर हिंदू समाज विभाजित होने के खतरे ज्यादा हैं। कुल मिलाकर यह देश आर्थिक महाशक्ति बनने के दावों के बीच सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष के अगले चरण के चक्रव्यूह की ओर बढ़ रहा है। इसे कोई चाहकर भी नहीं टाल सकेगा, क्योंकि इसके अपने राजनीतिक लाभ और नुकसान हैं।

सड़क निर्माण में पर्यावरण मित्र समझ जरूरी

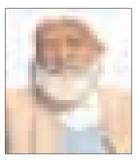

कुलभूषण उपमन्यु

थुनाग में हुई तबाही का यही कारण सामने आया है। बांध प्रबंधन में भी लापरवाही की अनदेखी नहीं की जा सकती है। निश्चय ही अचानक पानी छोड़ने के कारण बांध के नीचे के क्षेत्र में तबाही हुई। बाढ़ नियंत्रण को प्रबंधन की एक जिम्मेदारी बनाने की जरूरत है, जिसके लिए बांधों में बरसात से पहले बाढ़ के पानी को खपाने के लिए जगह खाली रखनी पड़ेगी।

इस साल जुलाई के दूसरे सप्ताह में ब्यास घाटी में आई भयानक बाढ़ ने पूरे प्रदेश को हिला दिया। हजारों करोड़ रुपये की आर्थिक हानि के साथ 100 से ज्यादा निरपराध लोग काल का ग्रास बन गए। आवागमन के साधनों के चौपट हो जाने और आसन्न खतरे की चिंताओं ने जन सामान्य के जीवन को सदमे जैसी स्थिति में ला खड़ा कर दिया। सैकड़ों आशियाने ध्वस्त हो गए। इस विभीषिका को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग उठी। केन्द्रीय सड़क एवं परिवहनमंत्री नितिन गडकरी हिमाचल प्रदेश में हुई तबाही का जायजा लेने ब्यास घाटी के दौरे पर आए। उनसे प्रदेश की जनता को बहुत उम्मीद थी कि वे अवश्य पूरी परिस्थिति का आकलन करने की दिशा में कोई सार्थक कदम उठाने की पहल करेंगे जिससे हिमालय क्षेत्र में सड़क निर्माण में पर्यावरण मित्र समझ का समावेश हो सकेगा ताकि आगे चल कर हिमालयी क्षेत्रों में अवैज्ञानिक रूप से बनाई जा रही सड़कों को उपयुक्त तकनीक से बनाने की दिशा में पहल हो सकेगी। सुना गया है कि गडकरी जी भूगर्भ विज्ञान की बुनियादी समझ भी रखते हैं, इसलिए यह अपेक्षा और भी बलवती हो गई थी। हिमालय की तासीर को पढना बिना भू-वैज्ञानिक समझ के संभव ही नहीं है। किंतु खेद है कि हमारी ये योजनाएं इंजनीयरिंग समझ से बनाई जाती हैं जो इस समझ पर कार्य करती है कि हमारे पास सभी निर्माण कार्यों में आने वाली समस्याओं के समाधान मौजूद हैं। किंतु दुर्भाग्य से ऐसा नहीं

है। प्रकृति की अपनी चाल है और अपनी ताकत भी, जिसके सामने इन इंजीनयरिंग की गणनाएं ओछी पड़ जाती हैं। यह ब्यास घाटी की विभीषिका में उनकी बनाई फोरलेन की दुर्गति ने सिद्ध कर दिया। हमें सोचने पर मजबूर कर दिया कि यहां इंजीनयरिंग की समझ नाकाफी है और इसके अलावा भूगर्भ विज्ञान से जुड़े तत्व भी ध्यान देने योग्य हैं। यहां-वहां सड़क निर्माण का मलबा किस तरह नदी तल के साथ ही खपाया गया, वह वैज्ञानिक सड़क निर्माण जो हिमालय की जरूरतों के मुताबिक हो इसकी बुनियादी समझ की भी अनदेखी करता प्रतीत होता है। अपनी गलतियों से सीखने के लिए पहले उनको मानना जरूरी होता है, किंतु हम उसके लिए जरूरी नम्रता को शायद अपमान मानते हैं और इसलिए टाल मटोल करके निकल लेते हैं। ऐसे में आगे आने वाले समय में और भी बड़ी गलतियां करते जाने की संभावना बन जाती है। मंत्री जी इस विपरीतगामी प्रक्रिया को बदल सकते हैं।

पहाड़ी नदी के तटीकरण की बात तो कुछ हद तक समझ आती है किंतु उसे खोद कर गहरा करने की धारणा हिमालय के बिलकुल भी अनुकूल नहीं है। नदी का तल पत्थर, रोड़ी, बजरी, रेत की मोटी तह से ढका रहता है और नीचे की कच्ची मिट्टी को पानी की मार से बचा कर भू-क्षरण को रोकता है। एक बार यदि नीचे की कच्ची मिट्टी सामने आ गई तो बाढ़ के पानी के कटान से गहरी होती जाएगी, जिससे नदी के किनारे लगे तटबंध भी गिर सकते हैं। नदी हमेशा घुमावदार होकर ही बहती है, क्योंकि पानी कभी सीध में नहीं बहता है। उसको तटीकरण द्वारा यदि सीधा करने के प्रयास किए गए तो वह अपनी घुमावदार चाल को तटबांध तोड़ कर पुनः हासिल कर लेगा। इसके अतिरिक्त मुख्य प्रश्न यह भी है कि आखिर इतना मलबा नदी में आया कहां से। सड़क निर्माण में अवैज्ञानिक डंपिंग के कारण ही यह मलबा आया। इस बात का जिक्र करने से क्यों बचा जा रहा है। इस गलती को समझे बिना हिमालय में जहां भी भारी निर्माण कार्य होंगे वहां इस तरह की तबाहियां होंगी।

खोलीकरण यानी दो-तीन मीटर खुदाई करके नदी को गहरा करना है, तो विशेषज्ञों का ध्यान तटीकरण और खोलीकरण को सफल बनाने की दिशा में रहेगा। कुछ नया सुझाव पर्वत विशिष्ट निर्माण के लिए निकल कर नहीं आ सकता। उसके लिए उन्हें स्वतंत्र सुझाव के लिए कहना पड़ेगा और वैसे विशेषज्ञ डालने पड़ेंगे। इंजीनियरिंग समझ से वैसे सुझाव आ ही नहीं सकते। मंत्री जी ने नुकसान की भरपाई के लिए मुक्त हस्त से सहायता देने के आशय की जो घोषणा की, वह तो निश्चय ही स्वागतयोग्य है किंतु इस धन का प्रयोग हिमालय के अनुकूल तकनीक से किया जाना चाहिए, तभी टिकाऊ सड़क निर्माण संभव होगा। हो सकता है कि इसके लिए कुछ अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता पड़े, जो दी जानी चाहिए। वरना साल-दर-साल तबाही से पीछा छूटने वाला नहीं है। नदी किनारे भवन निर्माण और छोटी ग्रामीण सड़कों के निर्माण के दौरान भी मलबा डंपिंग मनमाने तरीके से किया जा रहा है। इससे भी बड़ी तबाही हो रही है। थुनाग में हुई तबाही का यही कारण सामने आया है। बांध प्रबंधन में भी लापरवाही की अनदेखी नहीं की जा सकती है। निश्चय ही अचानक पानी छोड़ने के कारण बांध के नीचे के क्षेत्र में तबाही हुई। बाढ़ नियंत्रण को प्रबंधन की एक जिम्मेदारी बनाने की जरूरत है, जिसके लिए बांधों में बरसात से पहले बाढ़ के पानी को खपाने के लिए जगह खाली रखनी पड़ेगी। मंत्री जी का आर्थिक मदद के लिए धन्यवाद करते हुए यह कहना जरूरी होगा कि यदि हिमालय में पर्वत विशिष्ट विकास मॉडल के अनुरूप निर्माण को जरूरी नहीं बनाया गया तो सारे प्रयास हिमालयी क्षेत्र में तबाही लाने वाले साबित हो सकते हैं।

(लेखक, पर्यावरणविद् और जल-जंगल-जमीन के मुद्दों के जानकार हैं।)

इंडो-नेपाल : रिश्तों को और मजबूत करने की दरकार

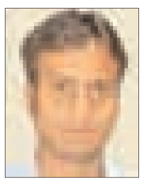

मो. तौहिद आलम

दोनों देशों से मधुर संबंध होने के बावजूद नेपाल में भारतीय रुपयों पर एक तरह से अघोषित बैन लग चुका है। यहां भंसार (नेपाल में प्रवेश के लिए वाहनों की कागजी प्रक्रिया) कार्यालय में 'नेपाली करंसी ओनली' का पोस्टर चिपका हुआ है।

भारत हमेशा से अपने पड़ोसी देशों के प्रति उदार रहा है। नेपाल में बिना किसी स्वार्थ के भारत ने बड़े पैमाने पर विकास कार्य किए उसके बावजूद हाल के दिनों में नेपाल की एजेंसियों और स्थानीय प्रशासन का भारत के प्रति रवैया चौंकाने वाला है। नेपाल न सिर्फ भारत का एक पड़ोसी देश है बल्कि यह ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और भौगोलिक रूप से भी काफी महत्वपूर्ण है। नेपाल से भारत का रिश्ता बेटी-रोटी का है। दोनों देश के लोगों के बीच आज भी वैवाहिक रिश्ते होना आम बात है। नेपाल से तो बड़ी संख्या में लोग रोजगार के लिए भारत आते ही है, भारत से भी कई लोग रोजी-रोटी की तलाश में नारायणगढ़, काठमांडू और पोखरा जैसे बड़े शहरों का रुख करते हैं।

इंडो-नेपाल बॉर्डर (रक्सौल, रामगढ़वा) के समीप घर होने और पापा के नेपाल में व्यवसाय होने के कारण मेरा बचपन से नेपाल आना-जाना लगा रहा, जिससे नेपाल और वहां के लोगों को समझने में काफी आसानी हुई। इस बार छुट्टी में काफी दिनों बाद नेपाल जाना हुआ। रक्सौल से बीरगंज (नेपाल सीमा) में प्रवेश करते ही मुझे सीमा द्वार पर दो हाथ मिलाती प्रतीकात्मक तस्वीर दिखी जिसमें एक पर भारत और दूसरे पर नेपाल का झंडा लगा था। यह प्रतीक है भारत-नेपाल की दोस्ती का। इसे देखकर लगा कि हाल के दिनों में दोनों देशों के रिश्ते और प्रगाढ़ हुए हैं। लेकिन, आगे जो देखने को मिला वह बेहद चौंकाने वाला था। दोनों देशों से मधुर संबंध होने के बावजूद नेपाल में भारतीय रुपयों पर एक तरह से अघोषित बैन लग चुका है। यहां भंसार (नेपाल में प्रवेश के लिए वाहनों की कागजी प्रक्रिया) कार्यालय में 'नेपाली करंसी ओनली' का पोस्टर चिपका हुआ है। मजबूरी में लोग अधिक

कमीशन (बट्टा) पर रुपये बदल पा रहे हैं। भारतीय रुपये का नेपाल में वर्तमान वैल्यू 1.6 (1 भारतीय रुपये=1.6 नेपाली रुपये) है। लेकिन यहां दुकानदार इसे 1.5 या 1.55 के दर से ले रहे हैं। अगर कोई 5000 से ज्यादा रुपये लेकर जाना चाहता है तो इसके लिए उसे अनुसूची 17 फॉर्म भरकर इसकी घोषणा करनी पड़ती है कि वह रुपये क्यों लेकर जाना चाहता है।

जानबूझकर परेशान करती है नेपाली पुलिस

सीमा पर तैनात नेपाली पुलिस के जवान जानबूझकर भारतीय को परेशान करते हैं। यहां कोई स्कैनर नहीं लगा है। चेकिंग के नाम पर जवान बड़े-बड़े थैले और बैग को खोलकर पूरा सामान तितर-बितर कर देते हैं। एक किलोमीटर की दूरी में ही इस तरह की चेकिंग 2-3 जगहों पर होती है। रोजमर्रा की वस्तुएं भी ले जाने पर अलग-अलग तरीकों से परेशान करते हैं। अभी हाल में एक खबर पढ़ने को मिली कि नेपाल की सुरक्षा एजेंसी ने भारतीय टैक्सी चालकों के नेपाल से यात्रियों को लाने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। झूलाघाट थाना पुलिस ने टैक्सी संचालकों को निर्धारित स्थल पर ही टैक्सी खड़ा करने का निर्देश दिया है।

रिश्तों में उतार-चढ़ाव

भारत-नेपाल संबंधों की शुरूआत मैत्रीपूर्ण तरीके से हुई थी। आजादी के बाद भी 1923 की संधि जारी रखी गई। इसी का नतीजा है कि आज भी भारतीय सेना में नेपाल के गोरखा लोगों की भर्ती होती है। यहां तक के नेपाल के संविधान निर्माण में भी भारतीय राजनीतिज्ञ श्री प्रकाश की सेवा ली गई। 1955 में भारत ने ही नेपाल को संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता दिलवाई। उसके बावजूद इस दौर में नेपाल का झुकाव चीन की ओर होने लगा। इसी का नतीजा रहा कि नेपाल के प्रधानमंत्री ने 1956 में न सिर्फ चीन का दौरा किया बल्कि एक मैत्री संधि पर हस्ताक्षर भी किया। इसके बाद भारत ने दोनों देशों के बीच पनपी गलतफहमियों को दूर करने के लिए 1964 में नौ करोड़ की लागत से सगौली-ओश्वरा सड़क निर्माण किया। काठमांडू-रक्सौल सड़क निर्माण को मंजूरी दी। 1975 में सिक्किम को भारत में मिलाने और नेपाल को तेल का कोटा नहीं देने पर भी दोनों देशों के संबंधों में खटास आई। इसके बाद 1981 में नीलम संजीव रेड्डी, 1986 में राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह और 1992 में विदेश मंत्री नरसिम्हा राव ने नेपाल की यात्राएं कीं। उधर से महाराज वीरेंद्र (1980, 1985) और प्रधानमंत्री सूर्यबहादुर थापा (1983) ने भारत की यात्राएं कीं। भारत अपने पड़ोसी देशों के प्रति हमेशा उदार रहा है। इसके लिए 1996 में देवगौड़ा सरकार में गुजराल सिद्धांत के तहत कुछ नियम तय किए गए। जिसके तहत भारत अपने पड़ोसियों से बिना कोई अपेक्षा किए नेक नियती से वह सब कुछ देता है जो वह दे सकता है।

पहले ही दौरे पर मोदी ने दिया था हिट फॉर्मूला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पहले नेपाल दौरे पर ही दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करने के उद्देश्य से हिट (हाईवे, आईवे और ट्रांसवे) फामूर्ला दिया था। 2020 में केपी ओली सरकार द्वारा भारत के लिपिया धुरा, कालापानी और लिपुलेख को नेपाल के नक्शे में दिखाने पर दोनों देशों में फिर से दूरियां बढ़ीं। हाल ही में नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड चार दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे थे। यहां उन्होंने एनएसए अजीत डोभाल से व्यापार पारगमन और सीमा मुद्दों चर्चा की। उन्होंने सीमा विवादों को कूटनीतिक तरीकों से सुलझाने की बात कही। इस दौरान दोनों देशों के बीच खासकर उर्जा व्यापार समझौते हुए। पीएम मोदी और प्रचंड ने रेलवे के कुपो-बिजलपुरा सेक्शन की ऑनलाइन शुरूआत की। बथनाहा से नेपाल कस्टम यार्ड तक जाने वाली मालगाड़ी को हरी झंडी दिखाई।

रूपडीहा और नेपालगंज सीमा पर एकीकृत सीमा चौकी का उद्घाटन किया। गोरखपुर-बुटवल सबसेक्शन पर 400 केवीए के बिजली वितरण लाइन की शुरूआत की। मोतिहारी-अमलेखगंज तेल पाइपलाइन परियोजना का शिलान्यास किया। प्रचंड ने अपने दौरे में भारतीय निवेशकों को नेपाल में निवेश के लिए आमंत्रण दिया।

ऐसे दोस्ताना माहौल सीमा पर नेपाल की एजेंसियों और वहां के स्थानीय प्रशासन का भारतीय लोगों के प्रति रवैया न सिर्फ चौंकाने वाला है बल्कि चिंताजनक भी है। अगर नेपाल भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करना चाहता है तो उसे सीमा पर इस तरह की गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाते हुए भारतीयों के लिए आवागमन और व्यापार को सरल बनाना होगा।

एक नजर

प्रस्तावित केंद्रीय विद्यालय को लेकर जीप सदस्य ने केंद्रीय मंत्री से की मुलाकात, सौपा ज्ञापन

इस वर्ष मिलेगी मंजूरी नये सत्र में शुरू होगी पढ़ाई: मंत्री

नवप्रदेश प्रतिनिधि लातेहार। बरवाडीह प्रखंड की रेल क्षेत्र में प्रस्तावित केंद्रीय विद्यालय को जल्द से जल्द खुलवाने को लेकर जिला परिषद के सदस्य संतोषी शेखर ने गिरिडीह में भारत सरकार के शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी से मुलाकात करते हुए मांग पत्र सौंपने का काम किया और केंद्रीय विद्यालय के अब तक नहीं खुलना से लोगों में हो रही निराशा से अवगत ही कराया । वहीं केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने आश्वस्त किया कि भारत सरकार के द्वारा इस वर्ष 50 से अधिक केंद्रीय विद्यालय पूरे देश में खोले जाएंगे जिनमें लातेहार जिले से बरवाडीह का केंद्रीय विद्यालय भी होगा और आने वाले सत्र में पठन-पाठन भी शुरू हो जाएगा जिसकी सभी प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई है।

सफल हो रहा है धीरज का रक्तदान जागरूकता अभियान सूरज मिश्र ने किया रक्तदान

नवप्रदेश प्रतिनिधि डालटनगंज। सदर अस्पताल में भर्ती चैनपुर के थेलेसेमिया पीड़ित बच्चे को ओ निगेटिव रक्त की आवश्यकता की जानकारी मिलने पर सामाजिक कार्यकर्ता सह सहायक अध्यापक धीरज मिश्रा के छोटे भाई सह डी ए वी स्कूल लातेहार के संगीत शिक्षक सूरज मिश्रा ने सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान कर बच्चे की जान बचाई। मालूम हो कि खून की कमी से पीड़ित थेलेसेमिया पीड़ित बच्चे को ओ निगेटिव ब्लड चढ़ाने हेतु ब्लड बैंक में ब्लड उपलब्ध नहीं रहने पर बच्चे को ब्लड उपलब्ध नही हो पाने के कारण पलामू प्रमंडल में रक्तदान महादान को लेकर जागरूकता अभियान चला रहे सामाजिक कार्यकर्ता सह सहायक अध्यापक धीरज मिश्रा के छोटे भाई सूरज मिश्र से शिक्षक श्याम पांडे द्वारा संपर्क कर रक्त उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया। लातेहार स्कूल से तत्काल डाल्टनगंज आकर सूरज ने ओ निगेटिव रक्तदान कर बच्चे को रक्त उपलब्ध कराकर जान बचाई । सामाजिक संस्था इंसानियत का रिश्ता के संचालक धीरज मिश्रा ने रक्तदान महादान के प्रति संगीत शिक्षक राम श्याम बंधु द्वारा किए जा रहे सराहनीय कार्यों पर प्रसन्ता जाहिर करते हुए कहा कि रक्तदान जीवनदान के समान है। रक्तदान को बढ़ावा देने के लिए अगर अन्य लोग भी बढ़ चढ़कर सहयोग करते रहेंगे तो फिर रक्त के जरूरतमंद मरीजों को रक्त की परेशानी नहीं होगी। धीरज मिश्रा ने अपने छोटे भाई रक्तदाता सूरज मिश्र का हौसला अफजाई एवं आभार प्रकट करते हुए कहा कि ओ निगेटिव, ए निगेटिव, बी निगेटिव, एबी निगेटिव रक्त जो रेयर ग्रुप होता है, अक्सर ब्लड बैंक में उपलब्ध नहीं हो पाने की स्थिति में मरीजों को रक्त के अभाव में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ब्लड बैंक में सभी रक्त समूहों का रक्त उपलब्ध कराने के लिए रक्तदान जागरूकता अभियान कार्यक्रम जारी रहेगा। धीरज ने कहा कि रक्तदान महादान को लेकर जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करने के परिणाम स्वरूप ही अब लोग जागरूक होकर रक्तदान करके लोगों की जान बचाने का सराहनीय कार्य कर रहे हैं। मिश्रा ने सभी निजी,सरकारी एवं स्वयंसेवी संस्थाओं, राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक संगठनों से रक्तदान शिविर का आयोजन करने का अपील किया है। इस दौरान संगीत शिक्षक राम पांडेय एवं श्याम पाण्डेय मौजूद थे।

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेलकूद में भी उनकी भागीदारी जरूरी

मेदिनीनगर पलामू। मिशन समृद्धि संस्था द्वारा संचालित समृद्धि की पाठशाला में बच्चों को नैतिकता के पाठ के साथ-साथ खेलकूद के लिए भी यह संस्था प्रयासरत है। व्यक्तित्व के विकास में बच्चों का एक साथ खेलना उन्हें बहुत कुछ सिखला जाता है। इस क्षेत्र में भी अनुशासित होना बहुत जरूरी होता है जो बच्चे स्कूल में ही बहुत सारे बच्चों के साथ सीख सकते हैं। बहुत थोड़े से ही संसाधन में समृद्धि की पाठशाला नागरिकों के सहयोग से खेल सामग्री उपलब्ध करा पाती है यह पाठशाला ऐसे बच्चों का पाठशाला है जहां बच्चों के पास अपना खेलने का सामान नहीं होता वे वहीं आकर जो भी संसाधन है उससे साथ खेल का आनंद लेते हैं। मिशन समृद्धि संस्था समाज के ऐसे बच्चों के लिए अपना कार्य समझते हुए उनकी खुशी और उनके व्यक्तित्व के विकास के लिए हमेशा तैयार रहती है ताकि समाज और राष्ट्र को एक सभ्य सुसंस्कृत और जिम्मेदार नागरिक सौंपा जा सके।इस नेक कार्य में बैजन्ती गुप्ता रंजीता वन्दना श्रीवास्तव ऋषि कुमार वीणा गुप्ता सबों का सराहनीय भूमिका रही है।

बी. एड सत्र 2021-23 के प्रशिक्षुओं का विदाई समारोह का आयोजन

नवप्रदेश, कोडरमा। ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन परिसर में बी.एड सत्र 2021 - 23 की कंप्यूटर प्रायोगिक परीक्षा आयोजित की गयी परीक्षा के उपरांत विदाई समारोह का आयोजन किया गया जिसमें बी.एड सत्र 2022-24 के प्रशिक्षुओं ने भावभीनी विदाई दी। मौके पर बी. एड सत्र 2022-24 के प्रशिक्षुओं ने सेल्फी प्वाइंट बनाया ताकि सभी अपने तस्वीर को याद स्वरूप अपने कैमरे में कैद कर सकें एवम सभी प्रशिक्षुओं को उपहार दिया ' इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के निदेशक मनीष कपसीमे एवं अविनाश सेठ उपस्थित होकर सभी प्रशिक्षुओं को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। अविनाश सेठ ने सभी प्रशिक्षुओं को सफलता के अनेक गुर बताएं साथ ही साथ यह भी बताया की किस प्रकार प्रशिक्षु ईमानदारी से समय का सही उपयोग कर सफल हो सकते हैं। मौके पर उप निदेशिका डॉ. संजीता कुमारी ने प्रशिक्षुओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा की अपने लक्ष्य को ऊंचा रखे और तब तक न रुके जब तक आप अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर लेते। उन्होंने प्रशिक्षुओं को जीवन में आगे बढ़ने तथा अपने लक्ष्य को पूरा करने का संदेश देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। वहीं महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. मृदुला भगत ने प्रशिक्षुओं को अपने शुभ आशीर्वाद से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के दौरान बी.एड सत्र 2021-23 के प्रशिक्षुओं ने अपने- अपने अनुभव साझा किया। तत्पश्चात सब ने मिलकर नृत्य किया तथा स्वादिष्ट भोजन का लुफ्त उठाया। हर वर्ष की भांति इस बार भी राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गोद लिए गांव इंदरवाटाडे के बच्चों के लिए, महाविद्यालय द्वारा भोजन की व्यवस्था की गई। साथ ही महाविद्यालय द्वारा पूरे गांव के लोगों के बीच स्टील थाली का वितरण किया गया एवम इसी मौके पर श्याम मिश्र मंदिर की समाज सेविकाओं क्रमशः कविता माहेश्वरी, मीरा खाटूवाला, रीता सोमानी, लता बसंत, मधु कंदोई, मंजू शंघाई द्वारा सभी ग्रामीणों को फूड पैकेट का वितरण किया गया। इससे ग्रामीण काफी खुश दिखे।

रेलवे स्टेशन के सौंदर्यीकरण का पीएम मोदी ने किया ऑनलाइन शिलान्यास

छात्र-छात्राओं के बीच पेंटिंग, निबंध और भाषण प्रतियोगिता आयोजित

नव प्रदेश संवाददाता

विश्रामपुर, पलामू। अमृत भारत स्टेशन स्किम के तहत रविवार को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गढ़वा रोड रेलवे स्टेशन के सौंदर्यीकरण का ऑनलाइन शिलान्यास किया। मौके पर पुर्व मंत्री सह विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी, भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर कुशवाहा, वरिष्ठ भाजपा नेता सुशील चौबे, सांसद प्रतिनिधि अनुज कुमार पांडेय, विधायक प्रतिनिधि रामचंद्र यादव, वेदप्रकाश शर्मा, मंडल अध्यक्ष बबन राम, बीडीओ प्रशांत हेम्ब्रम, सीओ विक्रम आनंद, इंस्पेक्टर अजय कुमार, रेलवा थानाप्रभारी नेमधारी रजक, धनबाद रेल मंडल के वरीय मंडल विद्युत परिचालन पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी संजीव कुमार और एडीएमई विकास शुक्ला, मुख्य लोको इंस्पेक्टर एचके सिंह, एसएस सतीश कुमार, सहित कई अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। रेलवे पदाधिकारियों ने विधायक चंद्रवंशी समेत कार्यक्रम में शामिल सभी जनप्रतिनिधियों को शॉल व मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इसके बाद जेबी हाई स्कूल और प्रोग्रेसिव चिल्ड्रेन अकेडमी के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। विधायक चंद्रवंशी ने अपने संबोधन में कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार नौ वर्षों के कार्यकाल में देश के सभी सेक्टर में अद्वितीय कार्य किया है। इसी के तहत रेलवे स्टेशनों को यात्रियों के सभी सुख सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी जी के तप और त्याग को देखते हुए देश की मजबूती के लिए सभी लोगों से उनकी हाथों को मजबूत करने की अपील की। रेलवे की ओर से उक्त दोनों स्कूल के छात्र छात्राओं के बीच पेंटिंग, निबंध, और भाषण प्रतियोगिता कराया गया। जिसमें 41 छात्र- छात्राएं शामिल थी। अच्छे प्रदर्शन करने वाले छात्रों को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी ने प्रमाण पत्र और पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने ऑनलाइन शिलान्यास के बाद पीएम मोदी का सम्बोधन सुना। इसके बाद कार्यक्रम समापन की घोषणा की गई।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का सदस्यता अभियान आज से

नवप्रदेश, कोडरमा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कोडरमा जिला सदस्यता कार्यशाला झुमरीतिलैया में किया गया। अभाविप के विभाग सह संयोजक वीरेंद्र कराटे प्रदेश कार्यकारणी सदस्य सुनील कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे। सदस्यता कार्यशाला में सदस्यता के साथ साथ इकाई पुनर्गठन वृक्षारोपण एक गाँव एक तिरंगा एवं अन्य विषयों पर चर्चा की गई प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुनील कुमार ने सदस्यता विषय पर चर्चा करते हुए बताया कि आभाविप कोडरमा ने इस वर्ष पूरे जिले भर में 5000 सदस्यता करने का लक्ष्य लिया है जिसे कार्यकर्ताओं के सहयोग से पूरा होना है। सदस्यता अभियान जिले के सभी विद्यालय , महाविद्यालय , अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान , पॉलिटेक्निक कॉलेज , आईटीआई कॉलेज , इंजीनियरिंग कॉलेज , लॉ कॉलेज ,बीएड कॉलेज छात्रावास , लॉज , कोचिंग संस्थान जैसे विभिन्न संस्थानों में सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। मौके पर उपस्थित गिरिडीह विभाग सह संयोजक ने कहीं की अखिल विद्यार्थी परिषद राष्ट्र की सबसे बड़ी छात्र संगठन है, जो छात्र हितों के साथ साथ समाज और राष्ट्र सर्वोपरि का भाव रखते हुए लगातर 75 वर्षों से कार्य कर रही है हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी नवीन सदस्यता अभियान चलाया जाएगा, इस वर्ष तीन चरण में सदस्यता अभियान का स्वरूप बनाया गया है, जिसमें स्कूली सदस्यता 7 से 14 अगस्त , शिक्षक सदस्यता 16 से 18 अगस्त , महाविद्यालय सदस्यता 21 से 28 अगस्त , अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान सितंबर का प्रथम सप्ताह में चलाया जाएगा। जिला संयोजक मिथलेश कुमार ने विषय रखते हुवे बताया कि अभाविप प्रत्येक वर्ष पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधा रोपण अभियान चलाता है इस वर्ष अभाविप के 75 वर्ष के उपलक्ष में पूरे जिले में 7500 पौधा रोपण एवं वितरण करेगी।

डीसी ने स्वास्थ्य विभाग से जुड़े चिकित्सकों संग बैठक की

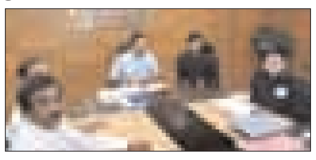

मेदिनीनगर पलामू। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी शशि रंजन ने शनिवार को एनआईसी के सभागार में एमएमसीएच के प्रिंसिपल, सिविल सर्जन समेत स्वास्थ्य विभाग से जुड़े चिकित्सकों संग बैठक की। उपायुक्त ने सभी से कहा कि लोगों को बेहतर स्वास्थ व्यवस्था प्रदान करना उनकी प्राथमिकताओं में से एक है और यह तभी संभव है जब हम सब टीम वर्क की तरह काम करें।उन्होंने कहा कि सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी प्रखंड हेडक्वार्टर में ही आवासन करना सुनिश्चित करें साथ ही सभी चिकित्सक उपायुक्त से अवकाश स्वीकृत होने के पश्चात ही छुट्टी पर जा सकेंगे।इसके अलावे उपायुक्त ने आयुष्मान कवरेज को बढ़ाने की बात कही।उन्होंने आयुष्मान भारत के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर को विशेष कार्ययोजना बनाकर इसे बढ़ाने की बात कही।उन्होंने सभी अस्पतालों में विशेष साफ-सफाई रखने पर बल दिया साथ ही अस्पतालों में इलेक्ट्रिकल कनेक्शन मैनेजमेंट को सुदृढ़ करने की बात कही ताकि आगलगी जैसी घटना होने की संभावना शून्य रहे।उन्होंने कहा कि भविष्य में छोटे-छोटे हेल्थ कैंप लगाकर लोगों को लाभान्वित किया जाए।उन्होंने सभी योग्य दिव्यांगजनों का दिव्यांगता कार्ड बनवाए जाने पर बल दिया।इस अवसर पर मेदनीराय मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के प्रिंसिपल डॉ कामेंद्र प्रसाद,सिविल सर्जन डॉ अनिल कु सिंह, डिस्ट्रिक्ट ट्यूबरक्लोसिस ऑफिसर डॉ अनिल कु श्रीवास्तव, लेप्रोसी कंसलटेंट डॉ मृत्युंजय मेहता, डीएस डॉ विजय सिंह,डॉ आरके रंजन, डीपीएम दीपक समेत सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी उपस्थित रहे।

गहलोत के घर वापसी पर आजसू कार्यकर्ताओं ने आयोजित किया सम्मान समारोह

चतरा। आजसू नेता अशोक गहलोत के पुनः आजसू पार्टी में शामिल होने पर रविवार को प्रतापपुर प्रखंड मुख्यालय में आजसू कार्यकर्ताओं ने सम्मान समारोह आयोजित कर जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर कार्यकताओं ने आजसू पार्टी को गांव गांव तक विस्तार करने तथा तन मन से सहयोग करने का संकल्प लिया। स्वागत कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में पार्टी के केंद्रीय सचिव पारसनाथ सिंह, चतरा जिले के कार्यकारी जिलाध्यक्ष शिवलाल दांगी उपस्थित थे। प्रतापपुर पंचायत के उप मुखिया समेत कई लोगों ने थामा आजसू का दामन अजसू नेता अशोक गहलोत के लिए आयोजित सम्मान समारोह के अवसर पर प्रतापपुर पंचायत के उप मुखिया आकाश कुमार गुप्ता समेत कई लोगों ने आजसू पार्टी का दामन थामा। आजसू में शामिल होने वालों में मोनिया पंचायत के गुड्डू रजक, शंभू पासवान, कन्हाई प्रसाद, रामप्रवेश यादव, गजवा से श्रवण यादव,कृष्णा यादव, सुरेश प्रजापति, गणेश साव,उदय प्रजापति, जनार्दन मिस्त्री, टंडवा से अजय यादव, जोगीडीह से मुकेश यादव, चंद्री गोविंदपुर से नवनीत पांडेय, घोड़दौड़ से मिथिलेश यादव, पिंटू पासवान, जोगियारा से उमेश प्रजापति, सिजुआ से नारायण यादव का नाम शामिल है। कार्यक्रम में स्थानीय वरिष्ठ नेता अक्षय वट सिंह, दरगाही खान वगैरह मुख्य रूप से उपस्थित हुए।

नगर के सड़कों पर बने गड्ढे बन रहे राहगीरों के लिए मुसीबत

नवप्रदेश, डोमचांच। झारखंड सरकार द्वारा गड्ढा मुक्त सड़क लोगों को दिए जाने का सपना पूरी तरह सच नहीं हो पा रहा है। बात करें झारखंड के कोडरमा-गिरिडीह मुख्य मार्ग रोड की जहां जीटी रोड सहित संपर्क मार्ग पर भी गहरे गड्ढे यात्रियों के लिए परेशानी बने हुए है। बात करें डोमचांच नगर क्षेत्र समुद्री आहरा, टैक्सी स्टैंड, थाना भवन के पास कोडरमा-गिरिडीह मुख्य मार्ग में बीच रोड पर 1 फीट से ज्यादा गड्ढा होने के कारण कई मोटरसाइकिल चालक उस गड्ढे का शिकार होकर गिरकर घायल होने के साथ कुछ लोगो की मौत तक हो गए है। साथ ही सड़क हादसे में राहगीरों का हाथ पैर भी टूट गया है। जलभराव के कारण सड़क पूरी तरह से टूट चुकी है, जिस कारण यहां से वाहनों का निकलना दूभर हो जाता है। सड़क में बने गड्ढे यात्रियों के लिए मुसीबत बने है।

अमृत भारत के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोडरमा को दिए 30 करोड़ 3 लाख की सौगात

नवप्रदेश, कोडरमा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत भारत स्टेशन के तहत रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास परियोजना का ऑन लाइन किया शिलान्यास कीए। इस दौरान कोडरमा रेलवे स्टेशन को मिला 30 करोड़ 3 लाख का मिला सौगात मिला है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशवासियों को अविस्मरणीय नायाब तोहफा दिया। बता दें कि प्रधानमंत्री एक साथ देशभर के 508 स्टेशनों का कायाकल्प बदलने के लिए, विश्व स्तरीय सुविधा देने के लिए, आम जनों की सुविधा के लिए विभिन्न स्टेशनों का ऑनलाइन शिलान्यास किया। हजारों की संख्या में कोडरमा वासी कोडरमा स्टेशन पर एकत्र होकर प्रधानमंत्री के इस ऐतिहासिक शिलान्यास कार्यक्रम में भाग लिया। कोडरमा वासियों के लिए खुशखबरी का दिन रहा कोडरमा वासियों ने ऐतिहासिक पल का अनुभव किया और हजारों लोगों ने इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बने। शिलान्यास कार्यक्रम के रेलवे के अधिकारियों के द्वारा आए हुए आगंतुकों को उचित सम्मान देते हुए मंच पर बैठाकर स्वागत किया। फूल और गुलदस्ता और शॉल के साथ विधायक डॉ नीरा यादव एवं अमित कुमार का स्वागत किया गया। धनबाद मंडल के एडीआरएम राजेश महथा की अगुवाई में कार्यक्रम संपन्न हुआ तथा कार्यक्रम का संचालन बी बी सिंह ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक डॉ नीरा यादव ने कहा की देश आगे बढ़ रहा है और प्रधानमंत्री जी देश के लिए हर संभव कार्य कर रहे हैं इसी कड़ी में आज कोडरमा स्टेशन का कायाकल्प बदल रहा है हम पीएम नरेंद्र मोदी के आभार व्यक्त करते हैं। विधायक अमित यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारतवर्ष नरेंद्र मोदी की अगुवाई में तरक्की कर रहा है हम प्रधानमंत्री मोदी जी की जितने भी प्रशंसा करें कम है रेलवे के द्वारा किए गए कार्य की सराहना करते हुए देशवासियों को बधाई दिया कार्यक्रम में मुख्य रूप से जेड आर यू सी सी के सदस्य रमेश सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष नितेश चंद्रवंशी, पूर्व नगर अध्यक्ष प्रकाश राम, पूर्व जिला अध्यक्ष रामचंद्र सिंह, जिला महामंत्री अनूप जोशी, पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, सांसद प्रतिनिधि संजय शर्मा, भाजपा जिला महामंत्री राजकुमार यादव, नगर मंडल अध्यक्ष राजेश सिन्हा, महामंत्री नवीन चौधरी, डीआरसीसी के सदस्य कामाख्या सिंह एवं चंद्रभूषण साव भी उपस्थित हुए। कार्यक्रम में सैकड़ों कार्यकर्ता और जनता तथा रेलवे के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

हाईटेक और आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा रामगढ़ का बरकाकाना जंक्शन

रामगढ़। का बरकाकाना जंक्शन भी जल्द ही हाईटेक और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा। प्रधानमंत्री ने रविवार को देश में 508 रेलवे स्टेशनों को पूर्ण रूप से विकसित करने की आधारशिला रखी, तो उसने बरकाकाना जंक्शन भी शामिल था। इस दौरान बरकाकाना जंक्शन पर सांसद जयंत सिन्हा मौजूद रहे। रेलवे अधिकारियों के साथ उन्होंने प्रधानमंत्री के इस कदम का स्वागत किया। सांसद जयंत सिन्हा ने कहा कि जैसे देश के 508 रेलवे स्टेशन पूर्ण रूप से विकसित किए जाएंगे, उसमें बरकाकाना को शामिल कर प्रधानमंत्री ने हजारीबाग संसदीय क्षेत्र को एक बड़ी सौगात दी है। बरकाकाना इस पूरे क्षेत्र का सबसे महत्वपूर्ण स्टेशन है। यह जल्द ही विश्व स्तरीय आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इस स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने के लिए 33 करोड़ का आवंटन किया गया है। सबसे महत्वपूर्ण 12 मीटर का फुट ओवर ब्रिज बनाने का निर्णय लिया गया है, जिसमें लिफ्ट और एस्कलेटर दोनों होंगे। इस स्टेशन के सौंदर्यीकरण की रूपरेखा तैयार कर ली गई है। यात्री सुविधाओं जैसे शौचालय, प्रतीक्षालय भी काफी बेहतर हो जाएंगे। इसके अलावा स्टेशन पर बने हुए फुट ओवरब्रिज को एक लेवल में कर दिया जाएगा। कहीं से भी यात्रियों को प्लेटफार्म नंबर एक और उससे आगे जाने में कोई दिक्कत नहीं होगी। रेलवे के सीसीएम दयानंद ने बताया कि स्टेशन के सभी भवन, फूड कोर्ट के अलावा प्लेटफार्म को भी काफी सुसज्जित किया जाना है। यह काफी सौभाग्य की बात है कि प्रधानमंत्री ने खुद इसका शिलान्यास किया है।

रेलवे द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में डीएवी के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

मेदिनीनगर पलामू। डीएवी प्रबंध कर्तृ समिति नई दिल्ली के प्रधान, आर्यरत्न , पद्मश्री डॉ. पूनम सूरी एवं आर्यवीर डॉक्टर जे.पी शूर डायरेक्टर पी एस-1 के आशीष की छत्रछाया में संचालित एम. के. डी.ए. वी. पब्लिक स्कूल मेदिनीनगर के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। ये प्रतियोगिताएं अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत भारतीय रेलवे द्वारा आयोजित थी। विद्यालय की एकादश की छात्रा अदिति ने भरतनाट्यम नृत्य प्रस्तुत कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। भाषण प्रतियोगिता में निशा लाठ प्रथम, तृषा शाहदेव द्वितीय एवं स्वाति रानी तृतीय स्थान पर रही। निबंध लेखन प्रतियोगिता में समर तिवारी प्रथम, अर्पित अनुराग द्वितीय तथा आदित्य कुमार तिवारी तृतीय स्थान पर रहे। चित्रांकन प्रतियोगिता में किसलय सिंह प्रथम,कौस्तुभ कुमार दूबे द्वितीय तथा आर्या सिंह तृतीय स्थान पर रहे। इन सभी छात्रों को डाल्टनगंज रेलवे स्टेशन पर आयोजित अमृत महोत्सव कार्यक्रम में पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने अपने कर-कमलों द्वारा पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

अपनों की याद में करें पौधरोपण : उदय शंकर साहु

लोहरदगा। लोहरदगा के भक्सो हरमू मुक्तिधाम में धीरज प्रसाद साहू एवं उदय शंकर प्रसाद साहू ने पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए चंदन का पौधा लगाया। मौके पर उन्होंने कहा कि हमें पर्यावरण संरक्षण के लिए, तथा अपनों की याद में पौधरोपण जरूर करना चाहिए। अब समय आ गया है कि हम ज्यादा से ज्यादा संख्या में पौधरोपण करें। मौके पर सांसद धीरज प्रसाद साहू ने आंवला का पौधा लगाया। उन्होंने कहा कि हमें प्रकृति का संरक्षण हर हाल में करना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि सरकारी भूमि हो या गैर सरकारी सभी स्थानों में ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने चाहिए, तथा अवैध पेड़ कटाई पर भी अंकुश लगना चाहिए। साथ हम सभी लोगों का दायित्व भी है कि पर्यावरण की सुरक्षा के लिए पेड़ पौधा लगाते रहें।

प्रभारी डॉ अनिल कुमार एवं डॉ विनीत कुमार को दी गई भावभीनी विदाई

चंदवारा। प्रखण्ड अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत प्रखण्ड प्रभारी डॉक्टर अनिल कुमार एवं दंत चिकित्सक डॉक्टर विनीत कुमार को भावभीनी विदाई दी गई। वहीं डॉक्टर अनिल कुमार को कोडरमा के नए सिविल सर्जन रूप में अपना योगदान दिया। ज्ञात हो कि डॉक्टर अनिल कुमार चंदवारा सीएससी में लगातार कई वर्षो से प्रभारी एवं एक कुशल डॉक्टर के रूप में अपनी सेवा दी ' साथ ही चंदवारा प्रखण्ड प्रभारी के रूप में सत्येंद्र कुमार सिन्हा ने अपना योगदान दिया। आयोजित विदाई समारोह में चिकित्सकों एएनएम और अस्पताल कर्मियों ने माला पहनाकर एवं अंग वस्त्र देकर प्रखण्ड प्रभारी डॉ, अनिल कुमार एवं डॉ, विनीत कुमार, को स्वस्थ्य जीवन एवं उज्वल भविष्य की कामना कर भावभीनी विदाई दी। साथ ही लाइफ लाइन में कार्यरत एएनएम एवं स्वास्थ्य कर्मी को नए सिविल सर्जन डॉ, अनिल कुमार के द्वारा सभी को प्रसस्ति पत्र दे कर सम्मानित किया गया। मौके पर प्रखण्ड प्रभारी सत्येंद्र कुमार सिन्हा, सिविल सर्जन डॉ, मयूरी सिन्हा, डॉ, विनीत कुमार, डॉ, अनीश कुमार सिन्हा, लिपिक सुमन कुमारी, एएनएम नीरा कुमारी, रंजू कुमारी, पूनम सरिता एक्का, निकिता सिन्हा, प्रबिला कुमारी, बीपीएम मोनाजिर, शैलेंद्र तिवारी, बीटीटी प्रकाश चंद्र राय, बंटी कुमार, शेखर कुमार, आर्यन कुमार, आशीष कुमार, सहित कई लोग मौजूद थे।

पारिवारिक विवाद में चाकू मारकर पत्नी की हत्या, खुद को भी मारा चाकू

दुमका। पारिवारिक विवाद में पति ने पत्नी की चाकू मारकर हत्या कर दी। इसके बाद पति जयकांत दास ने खुद भी चाकू मारकर आत्महत्या का प्रयास किया। घटना जिले के जरमुंडी थाना क्षेत्र के बिराजपुर गांव में शनिवार को देर रात घटी। स्थानीय लोगों की सूचना पर रविवार की सुबह जरमुंडी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घायल पति को फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया। उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। मृतक पत्नी लीला देवी (45) है। दोनों को दो बच्चे हैं। जानकारी के अनुसार दोनों कहीं जा रहे थे। इसी बीच दोनों में कहासुनी हुई। विवाद इतना बढ़ गया कि पति ने चाकू गोंद पत्नी की जान लेने के बाद खुद को भी जख्मी कर लिया।

राहुल गांधी के सजा पर रोक लगाने से कांग्रेसियों में हर्ष

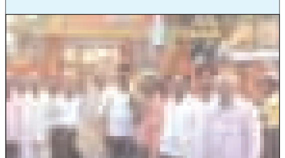

विश्रामपुर पलामू। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के मानहानि केस में सजा पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा रोक लगाने पर कांग्रेसियों में हर्ष व्याप्त है। शनिवार को कांग्रेसियों ने रेहला महावीर चौक पर पटाखा फोड़कर और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष रवींद्र शुक्ला गुड्डू ने कहा कि उच्चतम न्यायालय का यह फैसला भाजपा के झूठ व तानाशाही के खिलाफ एक बड़ी जीत है। मौके पर कांग्रेस के प्रदेश प्रतिनिधि विजय चौबे, जिला उपाध्यक्ष सुधीर चौबे, मंडल अध्यक्ष इरफान खान, अल्पसंख्यक नगर अध्यक्ष इरसाद अंसारी, पूर्व नगर अध्यक्ष मनोज शुक्ला, अहमद अंसारी, प्रखंड कोषाध्यक्ष शैलेंद्र चौबे, उपाध्यक्ष आलोक चौबे, उपाध्यक्ष मणिभूषण पांडेय, सचिव मंटू चौबे, विवेका चौबे, प्रेमनाथ राम, अशोक चौबे, रंजीत चौबे, जमरूदिन अंसारी, सुधा चौबे, पुनीत शुक्ला सहित कई कांग्रेसी मौजूद थे।

डोभा में डूबने से भाई-बहन की मौत

देवघर। जिले के मोहनपुर प्रखंड के जिंयापानी गांव में रविवार को डोभा में डूबने से गांव के राजेंद्र यादव के दो बच्चों की मौत हो गई। मृतकों में प्रियंका कुमारी (9) और उसका छोटा भाई प्रिंस कुमार (4) हैं। इस घटना से पूरे गांव में मातम है। ग्रामीणों के अनुसार दोनों बच्चे गांव के अन्य बच्चों के साथ अपने घर से करीब 500 मीटर दूर खेत में खेल रहे थे। इसी दौरान प्रिंस डोभा का पैर फिसल गया और वह डोभा में गिरकर डूबने लगा। उसे बचाने के लिए बहन प्रियंका कुमारी भी डोभा में कूद गई। डोभा की गहराई करीब आठ फुट बताई जा रही है।

एक नजर

युवा यादव महासभा का युवा कार्यशाला सह शताब्दी समारोह का आयोजन संपन्न

धनबाद। रविवार को गोबिंदपुर धनबाद के पार्कलेन रिसोर्ट के सभागार में युवा यादव महासभा के द्वारा युवा कार्यशाला सह शताब्दी समारोह का आयोजन किया गया। आयोजन की शुरुआत यादव महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुख्य अतिथि डॉ. सपन घोष, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्याम सिंह यादव, युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप बेहरा एवं सभी राज्य के प्रदेश अध्यक्ष ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. सपन घोष ने कहा कि जब-जब देश को यादवों की जरूरत पड़ी है यादवों ने अपनी कुर्बानी देकर देश की रक्षा की है। उन्होंने कहा कि युवा समाज को अपने गौरवशाली इतिहास को जन-जन तक पहुंचाना है और अपना बलिदान देकर अहीर रेजीमेंट को बनाना है। उन्होंने यदुवंशियों के इतिहास को विस्तार से बताते हुए कहा कि यादव जाति दुनिया की सर्वश्रेष्ठ जाति है। सांसद श्याम सिंह यादव ने कहा कि हमारी दो मुख्य मांगे आज है और वह मुख्य मांगे अहीर रेजीमेंट और जाति जनगणना की है। उन्होंने कहा युवा वर्ग को जागने की जरूरत है.समाज के उत्थान के लिए उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि तारीख तय करो और संसद को घेरो क्योंकि बिना संघर्ष के कुछ मिलने वाला नहीं। युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप बेहरा ने झारखंड सरकार को चेताया और कहा कि हम यादवों के वोट से सरकार बनी और यादवों की हत्या हो रही है। उन्होंने जिला प्रशासन को अविलंब धनंजय यादव के हत्यारों को गिरफ्तार करने की मांग की। कार्यक्रम की अध्यक्षता युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप बेहरा एवं संचालन युवा जिला अध्यक्ष राकेश रंजन उर्फ चुन्ना यादव ने किया। कार्यक्रम को मुख्य रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सपन घोष, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सांसद श्याम सिंह यादव, युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप बेहरा, झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष पीतांबर दास, मनोज यादव, रमेश पासवान, प्रफुल्ल दास, यशवंत राज, महेंद्र यादव, पुष्पेंद्र यादव, विमलेश यादव, निर्भय यादव, भोलानाथ यादव, कपिलेन्द्र यादव, विजय यादव, उज्वल गोप, मिथलेश यादव, पवन यादव, जिला अध्यक्ष अर एन सिंह यादव, मीरा राय, नीतू सिंह आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विजय यादव, महेंद्र यादव, विनीता यादव, सचिदानंद यादव, बैजनाथ यादव, शिवशंकर यादव, संतोष यादव, अजित यादव, राजेश यादव, विनोद यादव, राजकुमार यादव, मनोज यादव राजेश्वर सिंह यादव आदि मुख्य थे। कार्यक्रम की शुरुआत में भगवान कृष्ण, मां दुर्गे की आरती की गई ततपश्चात अतिथियों ने मुलायम सिंह यादव, शरद यादव, गणेश यादव के चित्र पर पुष्पांजलि की गई। कार्यक्रम में तेलंगाना, हरियाणा, राजस्थान, आसाम, उड़ीसा, तामिलनाडु, मध्यप्रदेश, बिहार उड़ीसा, छत्तीसगढ़, पंजाब, बंगाल, झारखंड, महाराष्ट्र, यूपी आदि राज्यों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

झारखंड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन, रांची के कोर कमिटी की एक अति आवश्यक बैठक संपन्न

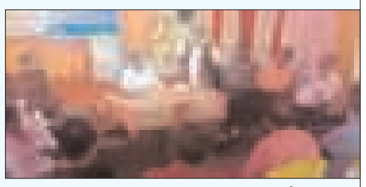

धनबाद। झारखंड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन, रांची के कोर कमिटी की एक अति आवश्यक बैठक एप्पल स्टेरिंग्स, बेकार बांध, धनबाद में हुई। बैठक की अध्यक्षता एस कुमार प्रदेश उपाध्यक्ष ने किया। बैठक में निम्नलिखित विषयों पर चर्चा हुई। आरटीई प्रथम संशोधन-2019 कॉमन विषय है। जो उच्च न्यायालय, राँची में लम्बित है। केंद्रीय स्कॉलरशिप जो सरकारी बच्चों को मिलती है, हमारे बच्चों को नहीं मिलता। निम्न और मध्यम दर्जे के छोटे स्कूलों में ईएसआई की बजाय स्टेट गवर्नमेंट द्वारा जारी योजनाएं यदि बेहतर हो, तो स्कूलों को उनको चुनने की आजादी होनी चाहिए। प्रत्येक जिला में शिक्षण शुल्क तय करने के लिए लगभग शुल्क एक्ट लागू नहीं किया गया है, तो शुल्क नहीं देने वाले अभिभावक के खिलाफ शिक्षण शुल्क वसूलने का कानून भी राज्य सरकार बनाए। निम्न और मध्यम वर्गीय के विद्यालयों के लिए एमएसएमई की तर्ज पर भिन्न नियम लागू करने अथवा रियायत देने हेतु राज्य सरकार कानून बनाए। निम्न और मध्यम वर्गीय के गैर सरकारी स्कूलों को प्रोत्साहन, संरक्षण एवं संवर्धन करने तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए झारखंड-सरकार राज्य में शैक्षिक कल्याण बोर्ड गठन कराने हेतु हमसबों की एकजुटता आवश्यक है। झारखंड-सरकार भी शैक्षणिक कल्याण बोर्ड बनाए। जैसे राजस्थान में सरकार द्वारा घोषणा की है। शिक्षा विभाग, झारखंड-सरकार, रांची के द्वारा निजी विद्यालय के कक्षा अष्टम के बच्चों को बोर्ड परीक्षा देने से रोक लगाया गया। कभी मान्यता के नाम पर भयाक्रांत करना, क्या यह न्यायोचित है। सरकार शिक्षा के क्षेत्र में दो तरह का नियम क्यों बनाती है। उक्त बैठक में झारखंड प्राइवेट स्कूल के महासचिव राम रंजन कुमार सिंह, कोडरमा जिला इकाई के अध्यक्ष देवेंद्र कुमार धनबाद से अध्यक्ष एसके सिन्हा, जिला सचिव इरफान खान, जिला संयोजक सुधांशु शेखर, सोनू सर नव आगंतुक विशिष्ट अतिथि हरे राम मिश्रा, निरसा प्रखंड इकाई के अध्यक्ष रंजीत कुमार मिश्रा, गोड्डा जिला इकाई के प्रदेश के संगठन मंत्री नरसिंह महतो, प्रमंडल सचिव शशिकांत गुप्ता, देवघर से उपाध्यक्ष यश कुमार जी प्रदेश कोषाध्यक्ष प्रेम कुमार केसरी, देवघर जिला इकाई एवं प्रदेश कोर कमेटी के सदस्य डॉक्टर जेसी राय, हजारीबाग से नकुल मंडल, विजय कुमार बरनवाल आदि उपस्थित थे।

मणिपुर में आदिवासी महिला के साथ अत्याचार के खिलाफ विरोध मार्च निकाला

गुमला। जिला के कामडारा एवं बसिया प्रखंड में अंतर कलीसिया आदिवासी इसाई समुदाय के लोग मणिपुर में हुए आदिवासी महिला के अत्याचार के विरोध में काला पट्टा लगा कर हाथ में तख्ती लिए शांति विरोध मार्च प्रदर्शन किया गया। बाकुटोली मोड़ से, पोकला गेट से कोडेकरा होते हुए कामडारा स्टेडियम में सभा के रूप में सभी आदिवासी भाई बहनों का विरोध प्रदर्शन किया गया सभी वक्ताओं के द्वारा मणिपुर के घटना में कहा कि,मणिपुर राज्य के भीड़ द्वारा आदिवासी महिलाओं को नंगा कर अश्लील दुर्व्यवहार करना बहुत ही शर्म की बात है। मणिपुर राज्य में भाजपा शासित शासन चलाने में विफल है विगत ढाई माह से मणिपुर जल रहा है निर्दोष लोगों की हत्या हो रही है आदिवासियों पर जुल्म ढाए जा रहे हैं वहां के आदिवासियों महिलाओं पर अत्याचार किया जा रहा है इसको रोकने में भाजपा सरकार विफल है आज इस मामले में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुप है और गृह मंत्री अमित शाह भी इस दंगे को शांत करने में विफल है भाजपा के षड्यंत्र का परिणाम है कि वहां के आदिवासी लोगों को अत्याचार कर डरा धमका कर शांत करना चाहते हैं और वहां के लोगों के अधिकारों से वंचित रखना चाहते हैं सत्ता के नशे में चूर पूरे देश को शर्मसार किया है यह भाजपा शासन में आदिवासियों को प्रताड़ित करने एवं अपमानित करने की चरम सीमा को लांघ रहा है। भाजपा के आदिवासियों के प्रति नितकृष्ट मानसिकता को उजागर करते हुए उनके झूठे आदिवासी प्रेम को पर्दाफाश कर लोगों को बताना है की भाजपा सरकार आदिवासी विरोधी है। भाजपा सरकार की कुकृत यही दिखा रहा है आज हम सभी एक ही आवाज है ऐसे लोगों पर पर कानूनी कार्रवाई कर ऐसे लोगों को फांसी की सजा दी जानी चाहिए ताकि हमारा समाज को ऐसे लोगों से बचाए जा सके। पूरे देश में आदिवासियों को सिर्फ मतदाता के रूप में लोकलुभावन वादा करते हैं अनुसूचित जाति के छूट का प्रतीक है जहां-जहां भाजपा की सरकार है वहां पर आदिवासियों का शोषण एवं अत्याचार किया जा रहा है इस पर ना प्रधानमंत्री ना ही गृह मंत्री और ना भाजपा के नेता कार्यकर्ता कुछ बोलने को तैयार नहीं है इससे साफ जाहिर होता है कि यह सभी लोग आदिवासी विरोधी है मौके पर चैतु उरॉव, अजित गुड़िया, रोशन बरवा, फादर एंथोनी सोए, फादर प्रमोद तिग्गा, फादर जोसेफ, अंतुनी सोय, सुनीता तोपनो, विलियम, विमल तोपनो, अजीत केरकेट्टा, सिस्टर मरिया, सिस्टर सरिता खलखो, सिस्टर ज्योति, सुषमा आइंद, देवनीश तोपनो, सुरसेन सोरेंग, रजनी, हाबिल सोरेंग, अंगोपीत होरो, सुगर तोपनो, फ्लोरा केरकेट्टा, पतरस होरो, पालुश होरो, बिपिन, और काफी संख्या में अंतर कलीसिया ईसाई समुदाय के लोग उपस्थित थे।

समाज से बुराई हटाने के लिए संकोच नहीं लड़ने का समय है: पुलिस अधीक्षक

नव प्रदेश संवाददाता

गुमला। शहर के आजाद बस्ती स्थित गौसुल वारा मस्जिद के निकट अंजुमन इस्लामिया के बैनर तले पुलिस प्रशासन के सहयोग से नशा मुक्ति जन जागरण अभियान का शुरूआत किया हुआ और इसके पश्चात रैली का आयोजन किया गया। रैली में नशा से मुक्त करने के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए तख्ती लेकर विभिन्न मोहल्लों में अंजुमन के पदाधिकारी पुलिस प्रशासन भारी संख्या में जनता शामिल हुए। जागरूकता अभियान की शुरूआत मदीना मस्जिद के इमाम कारी ओबेदुल्लाह काजमी साहब के द्वारा कुरान के पाठ से किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गुमला पुलिस अधीक्षक डॉक्टर एहतेशाम वकारिब ने कहा कि अंजुमन इस्लामिया के द्वारा इस तरह का कार्यक्रम सराहनीय है बल्कि यह जन जागरण जिला के सभी प्रखंडों और गांव में भी करने की आवश्यकता है मैंने देखा है 2 वर्षों के अंतराल में बहुत तेजी से समाज के बच्चे नशा के शिकार हो रहे हैं किसी भी समाज के लिए नशा अच्छी चीज नहीं लेकिन हर जगह अलग-अलग तरह के प्रॉब्लम जैसे कहीं हड़िया, कहीं जुआ तो कहीं डायन बिसाही अंधविश्वास लोग ग्रसित है पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है लेकिन इसके लिए अंजुमन इस्लामिया और सामाजिक संगठन के लोग पुलिस प्रशासन के लिए छाता का काम कर सकते हैं मैं इस मौके पर यहां बैठे नव युवकों बुजुर्गों और माता बहनों जो घरों से आवाज सुन रहे हैं गुजारिश करूंगा की नशा की आदत से अपने बच्चों को दूर रखें शिक्षा पर खास ध्यान दें नशा के बारे में बच्चों को बताएं इससे उनकी जिंदगी कैसे बर्बाद हो सकती है मैं खुद डॉक्टर हूं और यह बात सही है कि सिर्फ नशा से 40 तरह के कैंसर होते हैं आप समझ सकते हैं पुलिस का काम सिर्फ जेल भेजना ही नहीं बल्कि हम लोगों ने पहली गलती करने वाले को जेल नहीं भेज रहे हैं बल्कि सुधारने का मौका दिया जा रहा है हमारे बच्चों को बाहर से रांची, रामगढ़ आदि नजदीकी शहर से ड्रग्स माफिया आकर छोटे-छोटे बच्चों को नशा का आदी बना रहे अगर किसी को भी इस तरह की कोई सूचना है तो जिला प्रशासन पुलिस प्रशासन को इसकी सूचना दें और अपने अंजुमन के पदाधिकारी को गुप्त सूचना देकर समाज से इस बुराई को जड़ से खत्म करें हर समाज सामाजिक संस्थाएं पुलिस प्रशासन को इस कार्य के लिए मदद कर रहे कहीं पर चेंबर ऑफ कॉमर्स, कहीं पर किसी और अन्य संगठन मुखिया सरपंच, व्हाट्सएप वार्ड पार्षद सभी का सहयोग मिल रहा है गुमला एक सौहार्द पूर्ण जिला है यह हमने देखा है सभी लोग एक दूसरे धर्म के पर्व त्योहार में बढ़-चढ़कर फल, शरबत, पानी, पिलाने का काम चाहे वह रामनवमी हो दशहरा, सरहुल, चाहे ईद या मोहर्रम का जुलूस हो आप सभी लोग इसी तरह आपसी प्रेम सद्भाव के साथ जीवन व्यतीत करें और गुमला शहर को स्वच्छ और नशा मुक्त बनाएं, इससे समाज में एक अच्छा मैसेज जाएगा। लोग नशा, दारू, पान, सिगरेट गांजा से दूर रहेंगे। इस मौके पर मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक एहतेशाम वकारीब व अन्य पुलिस पदाधिकारियों को गुलदस्ता और फूल का माला पहना कर स्वागत किया गया। इस मौके पर अध्यक्षता कर रहे अंजुमन के सदर मुशाहिद आजमी उर्फ पम्मू ने संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में देखा जा रहा है कि नशा करने वाले लोगों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ते जा रही है, नशा को रोकने के लगाम लगाने की बेहद आवश्यकता है। नशा रोकने के लिए आपका अंजुमन इस्लामिया ने सभी मोहल्ला से युवा लड़कों को लेकर टीम गठित कर रही है। मुझे उम्मीद ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आने वाले दिन में नशा मुक्त अभियान कामयाब होगा और लोग इससे दूर होंगे। इस मौके पर जामा मस्जिद के इमाम इनाम रब्बानी ने बहुत ही अच्छे अंदाज में अपने संबोधन में कहा कि इस्लाम में नशा करने के लिए बहुत शक्ति के साथ दूर रहने की बात कही गई है क्योंकि नशा से हर बुराई का शुरुआत होता है इसलिए इसे पनपने नहीं दिया जाए हम जैसे उलेमाओं का भी इस अभियान में अंजुमन का भरपूर सहयोग मिलेगा, इस नशा मुक्ति अभियान में नाजीमे आला खलील अशरफी, नगर परिषद के उपाध्यक्ष मोहम्मद कलीम अख्तर उर्फ कल्लन, मोहम्मद आरिफ उर्फ डेजी, सलाउद्दीन अंसारी, तनवीर नाज, आशिक अंसारी, आदि ने अपने अपने विचार रखें इस मौके पर मुफ्ती राशिद रजा, हाफिज जाहिद साहब, अफसर आलम, सरफराज कुरैशी, हाजी सुल्तान अंसारी, खुर्शीद आलम उर्फ पप्पू, मजहर मोजिन आरजू राज, आदि लोगों का इसमें भरपूर सहयोग रहा मंच का सफल संचालन अंजुमन इस्लामिया के पूर्व सचिव शहजाद अनवर ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन अंजुमन इस्लामिया के सचिव अधिवक्ता मोहम्मद मकसूद द्वारा किया गया।

उपायुक्त ने की राजस्व विभाग की समीक्षा

लंबित मामलों को कम करने के लिए नियमित समीक्षा करने का निर्देश

म्यूटेशन को रिजेक्ट करने वाले कारणों को श्रेणी वार दर्शाने का निर्देश

नव प्रदेश संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी वरुण रंजन ने राजस्व विभाग की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों को म्यूटेशन को रिजेक्ट करने वाले मुख्य कारणों को श्रेणी वार दर्शाने एवं लंबित मामलों को कम करने के लिए नियमित रूप से समीक्षा करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने म्यूटेशन में आने वाली समस्या और मामलों के लंबित होने के कारणों की बारीकी से समीक्षा की। जिसमें यह बात उभरकर सामने आई कि रिजेक्ट होने का मुख्य कारण सॉफ्टवेयर की त्रुटियां है। उपायुक्त ने इस मामले को मुख्यालय के साथ साझा कर सॉफ्टवेयर को दुरुस्त कराकर समाधान करने का निर्देश दिया। धनबाद, गोविंदपुर और बाघमारा अंचल के अंचल अधिकारियों ने बताया कि उनके यहां अमुक हल्का में अत्यधिक लोड होने तथा कर्मचारियों की कमी के कारण अधिक मामले लंबित रह जाते हैं। बैठक के दौरान उपायुक्त ने भूमि अधिग्रहण, भूमि स्थानांतरण, डीसीएलआर कोर्ट, परिशोधन पोर्टल, डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, नगर विकास, एनएचएआई, सरकारी भूमि का अतिक्रमण, सुखाड़ राहत योजना का भुगतान इत्यादि की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि रिवेन्यू कोर्ट के मामलों की नियमित समीक्षा करें एवं चरणबद्ध तरीके से विवरण तैयार करें। रेवेन्यू कोर्ट के मामले के निष्पादन में 6 महीने से अधिक समय नहीं लगना चाहिए। साथ ही उन्होंने सरकारी योजनाओं के लिए समय पर भूमि स्थानांतरण करने, लैंड एक्विजिशन में तेजी लाने, झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार में समय पर सर्वे और शिफ्टिंग को पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त वरुण रंजन, अपर समाहर्ता नंदकिशोर गुप्ता, डीसीएलआर सतीश चंद्रा, सभी अंचल के अंचल अधिकारी, आईटी मैनेजर रूपेश कुमार मिश्रा, बिजनेस एनालिस्ट आनंद कुमार पटेल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

गर्भवती महिला की मौत, थाना में जमकर हंगामा

धनबाद। सदर थाना के बाहर एक मृत गर्भवती महिला के मायके वालों ने जम कर बवाल काटा। महिलाओं ने न सिर्फ मृतक के ससुराल वालों की चप्पलों से पिटाई की, बल्कि जिस बाइक से वो आए थे उसे भी क्षतिग्रस्त कर दिया। यह पूरा वाकया थाना परिसर में हुआ। इसके बाद पुलिस ने बाइक से आए मृत महिला के ससुराल वालों को हिरासत में ले लिया। बताया जाता है कि पिछले वर्ष 2022 में धनबाद के दुहुआटांड की रहने वाली शिल्पी साव की शादी धनबाद के ही जैसी मल्लिक रोड निवासी सुबोध साव से हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल वालों द्वारा पांच लाख रुपये की दहेज की मांग को लेकर शिल्पी को प्रताड़ित किया जा रहा था। शिल्पी के गर्भवती होने के बाद भी उनके ससुराल वालों का प्रताड़ना कम नहीं हुआ। इसके बाद रविवार को ससुराल में फंदे से झूलती शिल्पी की लाश मिली। इसके बाद ससुराल वालों ने शिल्पी के शव को अस्पताल में छोड़ कर वहां से भाग गए। इसके बाद अस्पताल पहुंचे शिल्पी के मायके वालों ने शव के पोस्टमार्टम के बाद सदर थाना के समक्ष रख कर प्रदर्शन करने लगे। मौके पर पहुंची दर्जनों महिलाओं ने धनबाद पुलिस के खिलाफ भी जमकर नारेबाजी की। महिलाएं मृतका के ससुराल वालों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। मृतका के मायके वालों ने शिल्पी की गला घोंटकर हत्या करने का आरोप उसके ससुराल वालों पर लगा रहे थे। उन्होंने बताया कि शादी के बाद से ही मृतका के ससुराल वाले दहेज में पांच लाख रुपये की मांग कर रहे थे।

दिनदहाड़े हथियार के बल पर ज्वेलरी दुकान से 70 लाख की लूट

सरायकेला। सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गम्हरिया के लाल बिल्डिंग चौक के समीप स्थित ईश्वर लाल ज्वेलरी दुकान में तीन नकाबपोश हथियारबंद अपराधियों ने रविवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे 70 लाख के आभूषण लूट लिए। बताया जा रहा है कि शादी के गहने खरीदने के नाम पर अपराधी दुकान में घुसे और दुकानदार से आभूषण निकलवाया। इसके बाद पिस्तौल सटाकर थैले में गहने भरकर चलते बने। जाते-जाते बदमाशों ने दुकान का शटर गिरा दिया और सीसीटीवी का डीवीआर भी साथ ले गए। सीसीटीवी को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही आदित्यपुर और गम्हरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घटना की सूचना मिलते ही एसपी डॉ. विमल कुमार भी मौके पर पहुंचे और घटना का जायजा लिया। एसपी ने ज्वेलरी दुकान में मौजूद कर्मचारियों से पूछताछ की। साथ ही आसपास स्थित दुकानों में लगाए गए सीसीटीवी के फुटेज की भी जांच की। उन्होंने दावा किया है कि अपराधियों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। इसके लिए पड़ोसी जिला जमशेदपुर पुलिस से भी सहयोग लिया जा रहा है। दुकान में मौजूद कर्मचारियों ने बताया कि एक साथ तीन युवक आए। जिसमें दो युवक हेलमेट पहने हुए थे जबकि एक युवक मास्क लगाया हुआ था। एक युवक बाहर ही रुक कर रेकी करने लगा और दो युवक दुकान के अंदर आए। दोनों युवकों ने पिस्तौल के बल पर दुकान में रखे सभी गहनों को समेट कर अपने बैग में रख लिया और आराम से चलते बना। दुकान से निकलने के बाद उन्होंने बाहर से शटर बंद कर दिया था।

मारवाड़ी महिला समिति ने आयोजित किया आकर्षक हीरक की हरियाली कार्यक्रम

धनबाद। रविवार को मारवाड़ी महिला समिति हीरक शाखा द्वारा धनबाद क्लब में हीरक की हरियाली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य और संदेश वर्तमान में फैल रही प्रदूषण को अपने यथासंभव प्रयासों से दूर कर पृथ्वी को हरियाली की दिशा में हर व्यक्ति अपना कर्तव्य समझकर महत्वपूर्ण योगदान दें। सर्वप्रथम संस्था की महिलाओं ने राष्ट्रभक्ति गीत गाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया.इस आकर्षक कार्यक्रम में सावन क्वीन कॉन्टेस्ट, लेडीज डांस परफॉर्मेंस, स्किट परफॉर्मेंस बाय किड्स, तंबोला एवं अन्य रोचक खेल, बेस्ट मेकिंग आउट ऑफ वेस्टेज कंपटीशन, लिप स्मैकिंग फूड, लक्की ड्रॉ, मेहंदी एंड मैनी मोर लेडीस अट्रैक्टिव कंपटीशन का आयोजन किया गया.जिसमें महिलाओं से लेकर बच्चों ने दर्शनीय एवं मनभावन देशभक्ति नृत्य संगीत एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपना बेस्ट परफॉर्मेंस दिया तथा अपने बनाए हुए विभिन्न प्रस्तुति पेश की। जिसमें निर्णायक मंडल ने विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। हीरक की हरियाली को सफल बनाने में अध्यक्ष पिंकी अग्रवाल उपाध्यक्ष विजेता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष वृंदा तायल, सचिव सपना अग्रवाल साधना देवरालिया की सक्रिय भूमिका थी।

कोल इंडिया को बहुत जल्द मिल सकता है नया नाम, जानिए क्यों शुरू हुआ है मंथन

नव प्रदेश संवाददाता

धनबाद। बहुत जल्द ही कोल इंडिया का नाम बदल सकता है. अब कोल इंडिया को नया नाम मिल सकता है. कोयला उद्योग के राष्ट्रीयकरण के बाद इस कंपनी की स्थापना हुई थी. इसी कंपनी के अंतर्गत कोयला उद्योग से जुड़े सभी अनुषंगी कंपनियां काम कर रही थी. कोल इंडिया अध्यक्ष के मातहत ही अनुषंगी कंपनियों के अध्यक्ष प्रबंध निदेशक कार्यरत हैं. जानकारी के अनुसार कोल इंडिया स्तर पर नाम परिवर्तन के लिए एक कमेटी बनी है. जो किसी नए नाम पर विचार कर रही है. इस कमेटी में अनुषंगी कंपनियों के कई सीएमडी को भी शामिल किया गया है. तर्क दिया गया है कि कोल इंडिया अब सिर्फ कोयले की कंपनी नहीं है.

अभी तक मंथन ही चल रहा है

कोयले के साथ सौर ऊर्जा, गैस आदि से संबंधित प्रोजेक्ट पर यह कंपनी काम कर रही है. इसलिए आने वाले दिनों में इसका नाम बदला जा सकता है. भविष्य में कोल इंडिया ग्रीन हाइड्रोजन पर भी काम कर सकती है. इन सब कारणों को लेकर कोल इंडिया का नाम बदलने की तैयारी है. कोल इंडिया के नाम की जगह किसी न किसी रूप में एनर्जी शब्द को लाया जा सकता है. हालांकि अभी तक किसी भी नाम पर निर्णय नहीं हुआ है. वैसे, एनर्जी इंडिया लिमिटेड सहित कई विकल्पों पर विचार किया जा रहा है.

कई सौर ऊर्जा पर बड़े आकार में काम शुरू कर चुकी है

सूत्रों की माने तो कोल इंडिया की कई कंपनियां सौर ऊर्जा पर बड़े आकार में काम शुरू कर चुकी है. दो तीन कंपनियां हाइड्रोजन को लेकर आगे बढ़ रही है. सिर्फ कोयला ही नहीं बल्कि अन्य कामों को देखते हुए कोल इंडिया के नाम में परिवर्तन की जरूरत महसूस की जा रही है. इधर, बीसीसीएल में जिस कंपनी को सीबीएम दोहन का काम दिया गया है, उसे एनवायरमेंट क्लीयरेंस मिल गया है. बीसीसीएल प्रबंधन की मानें तो मानसून के बाद कंपनी बोरहोल का काम शुरू कर सकती है. बीसीसीएल ने उत्पादित सीबीएम को ऊर्जा गंगा पाइपलाइन से ग्राहकों तक पहुंचाने की योजना है।

अभाविप का सदस्यता अभियान कार्यशाला एवं पुस्तक विमोचन कार्यक्रम

धनबाद। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद धनबाद जिला द्वारा रविवार को सदस्यता अभियान कार्यशाला एवं पोस्टर विमोचन जिला कार्यालय हाउसिंग कॉलोनी में हुई। इस कार्यशाला में सदस्यता अभियान को लेकर प्रचार प्रसार, दीवार लेखन, सोशल मीडिया, प्रवास, सभी इकाइयों के लिए सदस्यता लक्ष्य जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा किया गया। सभी इकाइयों के लिए प्रवासी तय किए गए। प्रवासी के रूप में आए झारखंड प्रांत के सदस्यता अभियान सह प्रमुख शिवम रवानी ने कहा कि इस बार अभाविप धनबाद जिला के कार्यकर्ता ज्यादा से ज्यादा सदस्यता के लिए प्रयासरत है और सदस्यता अभियान को महापर्व की तरह मनाएंगे। मौके पर धनबाद महानगर अध्यक्ष सुजीत सर, धनबाद जिला संयोजक नीरज निखिल, झारखंड प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुधांशु गुप्ता, अक्षय गुप्ता, पूर्व जिला संयोजक अंशु तिवारी, महानगर मंत्री किशोर झा, महानगर हटर प्रभारी विशाल, महानगर कार्यालय मंत्री प्रियांशु ठाकुर, पीयूष ठाकुर, हर्ष पांडे, हर्ष कुमार, रणदीप, सुमित भारद्वाज रंजीत कुमार, अजय, राहुल साहनी ,सचिन, रोहित राकेश आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

उपायुक्त ने की जेएसएलपीएस की समीक्षा

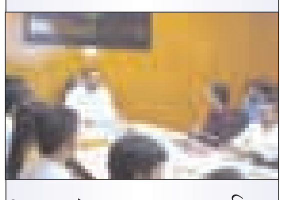

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी वरुण रंजन ने आज झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) की विभिन्न योजनाओं के प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने सभी स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) का बैंक अकाउंट 15 अगस्त तक खोलने व सभी एसएचजी का क्रेडिट लिमिटेड सितंबर तक करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी एसएचजी की बैठक एक ही तिथि तथा एक एजेंडा के साथ निर्धारित करने एवं दीन दयाल उपाध्याय-ग्रामीण कौशल योजना व आरसेटी में प्रशिक्षण प्राप्त लाभुकों का प्रशिक्षण के बाद फॉलोअप रिपोर्ट लेने का निर्देश दिया। पलाश मार्ट की समीक्षा के दौरान उन्होंने ऐसा मॉडल तैयार करने जिससे एसएचजी की दीदियों की सालाना आय बेहतर हो, उनके लिए मॉडल बिजनेस प्लान तैयार करने, लोन डिसबर्समेंट को शत प्रतिशत करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान उपायुक्त ने मुद्रा लोन, क्रेडिट लिंकेज, लाइवलीहुड फार्म, ऑर्गेनिक फार्मिंग, बिरसा हरित ग्राम योजना, दीदी बाड़ी योजना, एनआरईटीपी, जोहार, फुलो झानो आशीर्वाद अभियान व अन्य योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में उपायुक्त वरुण रंजन, जेएसएलपीएस के जिला कार्यक्रम प्रबंधक शैलेश रंजन, राजीव पांडेय, सिद्धि गुप्ता सहित सभी प्रखंड के प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक उपस्थित थे।

15 अगस्त को भाजपा द्वारा घर-घर तिरंगा का नारा देना हास्यास्पद: ब्रजेंद्र

धनबाद। एआईसीसी के सदस्य सदस्य और झारखंड प्रदेश कांग्रेस के अनुशासन समिति के अध्यक्ष बृजेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा है कि देश में 15 अगस्त और 26 जनवरी को हर जगह हर घर में प्रतिष्ठान में गाड़ियों में कार्यालय में मोटरसाइकिल में यहां तक की साइकिल में भी तिरंगा लगाकर चलते हैं और तिरंगा का मान सम्मान पूरा देश बढ़ाने का काम करता है आजादी के बाद से ही यह परंपरा शुरू हुई है जो तक देश के 140 करोड़ जनता निर्वहन कर रही है ऐसे में भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं है तो हर घर तिरंगा का नारा देने का क्या औचित्य है अगर नारा ही देना है तो भाजपा को देश को बताना चाहिए की महंगाई कब तक समाप्त होगा बेरोजगारी कब खत्म होगा काला धन वापस कब आएगा और लोगों को 150000000 उनके खाते में कब जाएंगे।

बुजुर्ग महिला से सरेआम चैन छिनतई, सीसीटीवी में कैद हुए अपराधी

धनबाद। झरिया मे लाल बाजार निवासी बुजुर्ग महिला मधुलिका केसरी (70) से बाइक सवार अज्ञात अपराधियों ने कीर्तन भवन के समीप सोने की चैन छिन कर फरार हो गए। बुजुर्ग महिला ने काफी शोर मचाया, लेकिन तब तक बाइक सवार चैन छीनकर गायब हो चुके थे. चैन छिनतई की पूरी घटना एक दुकान में लगे सीसीटीवी में कैद हो गया है. मधुलिका केसरी को गले में चोट भी लगी है। उन्होंने पुलिस को बताया कि वो रोजाना की तरह सोना पट्टी से सुबह दूध लाने गई थी। वो पैदल अपने घर लाल बाजार लौट रही थी। तभी बाइक पर सवार दो अपराधी आए और गले से चैन झपट कर भाग गये। शिकायत के बाद झरिया पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की तलाश में जुट गई है।

प्रतियोगी परीक्षा विधेयक वापस ले नहीं तो होगा राज्यव्यापी आंदोलनः अभाविप

धनबाद। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद धनबाद के कार्यकर्ताओं ने प्रतियोगी परीक्षा विधेयक के खिलाफ रविवार को शहर के रणधीर वर्मा चौक पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया। पुतला दहन का नेतृत्व धनबाद महानगर मंत्री किशोर झा ने की। इस दौरान अभाविप कार्यकर्ताओं ने हेमंत सोरेन मुर्दाबाद, हेमंत सोरेन होश में आओ, छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करना बंद करो, छात्र विरोधी काला कानून वापस लो, आदि नारेबाजी कर रहे थे। मौके पर उपस्थित जिला संयोजक नीरज निखिल ने कहा वर्तमान समय में हेमंत सरकार द्वारा प्रतियोगी परीक्षा विधेयक पारित किया गया है जो अंग्रेजी हुकूमत की रॉलेट एक्ट के भांति काला कानून छात्रों के लिए साबित होने जा रहा है।

13 साल की उम्र में स्कूल छोड़ शुरू किया काम, खड़ा कर डाला करोड़ों का साम्राज्य

4000 लोगों को दे चुके हैं कार-घर

हीरा व्यापारी सावजी ढोलकिया की हर दिवाली चर्चा होने लगती है। वह दिवाली पर अपने कर्मचारियों को महंगे तोहफे देते हैं। इनमें कार, घर और गहने तक शामिल होते हैं। वह गुजरात के रहने वाले हैं। उनकी गिनती देश के जाने-माने व्यापारियों में होती है। सावजी ढोलकिया श्री हरि कृष्णा एक्सपोर्ट्स के चेयरमैन हैं। हर साल दिवाली में वह सुर्खियों में रहते हैं। इस दिन वह अपने कर्मचारियों को महंगे गिफ्ट देते हैं। ऐसे गिफ्ट में कार, घर और बेशकीमती जेवरात शामिल होते हैं। वह 1995 से ऐसा करते आ रहे हैं। ढोलकिया अपने कर्मचारियों को अपने परिवार के सदस्य के तौर पर ही देखते हैं। यहां तक उनके पैरेंट्स को हर साल एक टूर पर भी भेजते हैं। अब तक 4000 से ज्यादा लोगों को वह कार, घर और गहने दे चुके हैं। आइए, यहां इस दानवीर के बारे में जानते हैं।

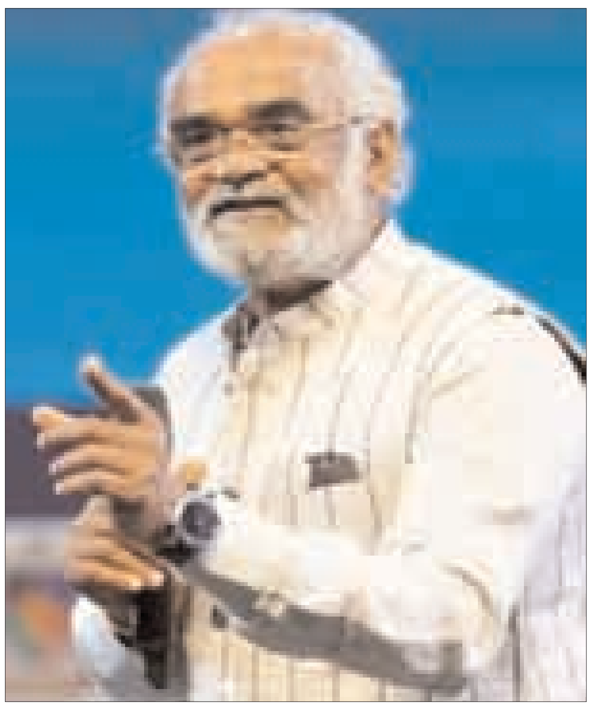

13 साल की उम्र में छोड़ दिया स्कूल

सावजी ढोलकिया गुजरात के अमरेली जिले में दुधाला गांव के रहने वाले हैं। 13 साल की उम्र में उन्होंने स्कूल छोड़ दिया था। वह अपने चाचा के हीरा व्यापार से जुड़ गए थे। बाद में उन्होंने चाचा से ही कर्ज लेकर अपना कारोबार शुरू किया। डायमंड पॉलिशिंग बिजनस में 10 साल संघर्ष करने के बाद उन्होंने 1991 में हरि कृष्णा एक्सपोर्ट्स की नींव रखी।

बना डाला करोड़ों का कारोबार

शुरुआत में कंपनी की बिक्री नाम मात्र ही थी। लेकिन, मार्च 2014 तक आते-आते कंपनी का टर्नओवर 400 करोड़ रुपये के पार चला गया। इस कंपनी में 6,000 से ज्यादा कर्मचारी काम करते हैं। 90 के दशक में जब उनकी बिक्री बहुत खास नहीं थी तब भी वह अपने कर्मचारियों को बहुत खुश रखते थे।

कर्मचारियों के पैरेंट्स की करते हैं सेवा

1995 में ढोलकिया ने अपने कर्मचारियों को 3 कारें दी थीं। वह 4000 से ज्यादा लोगों को कार, घर या गहने दे चुके हैं। कंपनी में काम करने वाले कर्मचारियों के पैरेंट्स को साल में एक बार टूर की सुविधा दी जाती है। यह टूर 15 दिन का होता है। वह खुद 10 दिन इस टूर में उनके साथ रहते हैं। अपने माता-पिता की तरह कर्मचारियों के पैरेंट्स की सेवा करते हैं। वह कहते हैं - 'देना चालू करो मिलना चालू हो जाएगा।'

पद्मश्री से नवाजे जा चुके हैं

सावजी ढोलकिया पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किए जा चुके हैं। वह डायमंड जूलरी बनाकर विदेश में भी एक्सपोर्ट करते हैं। उनकी कंपनी की डायमंड जूलरी 50 से ज्यादा देशों में जाती है। इनमें अमेरिका, बेल्जियम, संयुक्त अरब अमीरात, हांगकांग और चीन शामिल हैं। कंपनी ने अपनी गोल्डन जुबली के मौके पर कर्मचारियों को बोनस देने के लिए 51 करोड़ रुपये खर्च किए थे।

2015 में आ गए थे सुर्खियों में

सावजी ढोलकिया साल 2015 में सुर्खियों में आ गए थे। उस साल दिवाली के मौके पर उन्होंने अपने 1200 कर्मचारियों को जूलरी, 200 फ्लैट और 491 कार गिफ्ट की थीं। इससे पहले 2014 में भी उन्होंने कर्मचारियों को इंसेन्टिव के तौर पर 50 करोड़ रुपये बांटे थे। यह सिलसिला जारी रहा। साल 2018 में उन्होंने दिवाली पर 600 कर्मचारियों को कार और 900 कर्मचारियों को एफडी दी थी। उन्होंने अपने तीन कर्मचारियों को मर्सिडीज बेंज जैसी महंगी कार गिफ्ट की थीं। इन तीनों कर्मचारियों ने कंपनी में नौकरी के 25 साल पूरे किए थे।

'पिता फैक्ट्री में मजदूर थे,' बेटे ने 4 साल में खड़ा कर दिया हजारों करोड़ का साम्राज्य

जयंती कनानी ने जो कुछ भी हासिल किया है, वह उनकी मेहनत और लगन का नतीजा है। उनके पिता एक डायमंड फैक्ट्री में काम करते थे। कभी स्कूल की फीस भरने के लिए भी मुश्किल आती थी। जयंती सिर्फ एक अच्छी नौकरी पाना चाहते थे, जिससे वह पिता पर चढ़े कर्ज को उतार सकें। लेकिन, किस्मत ने उनके लिए कुछ और ही लिख रखा था। बेहद कम समय में वह सफल उद्यमी बन गए। उनकी सफलता का सफर वाकई प्रेरित करने वाला है।

पिता फैक्ट्री में करते थे मजदूरी

जयंती कनानी का पालन-पोषण अहमदाबाद के बाहरी इलाके में एक छोटे से फ्लैट में हुआ। उनके पिता डायमंड फैक्ट्री में काम करते थे। घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। नौबत यह थी कि स्कूल की फीस भी बड़ी मुश्किल से निकल पाती थी। जयंती खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि वह स्कूल की पढ़ाई पूरी कर सके। उनकी जिंदगी का एक ही मकसद बन गया था। अपने परिवार को गरीबी से उबारना। स्कूली पढ़ाई पूरी करने के बाद जयंती कनानी ने नडियाद में धर्मसिंह देसाई विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। फिर उन्हें पुणे में 6,000 रुपये मासिक वेतन पर नौकरी मिल गई।

पिता काम छोड़ने पर मजबूर हुए

हालांकि, नजरें कमजोर होने के साथ जयंती के पिता को काम छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस वजह से जयंती को ज्यादा पगार वाली नौकरी की तलाश करनी पड़ी। वह एक स्टार्टअप से जुड़ गए। उन्होंने कई पार्ट-टाइम प्रोजेक्ट किए। यहां तक कि उन्होंने शादी के लिए कर्ज भी लिया था। कर्ज से दबे जयंती के दिमाग में अरबों डॉलर की कंपनी बनाने का ख्याल कभी नहीं आया था।

2017 में रखी का पॉलीगॉन की नींव

2017 में जयंती ने नेलवाल और तीसरे सह-संस्थापक अनुराग अर्जुन के साथ पॉलीगॉन नाम की कंपनी की नींव रखी। उनके चौथे सह-संस्थापक सर्बियाई तकनीकी विशेषज्ञ मिहाइलो बजेलिक बाद में बोर्ड से जुड़े। कंपनी तब सुर्खियों में आई जब उन्हें अमेरिका के सबसे प्रसिद्ध निवेशकों में से एक और शार्क टैंक जज मार्क क्यूबन से इंवेस्टमेंट मिला। 2022 में पॉलीगॉन ने सॉफ्टबैंक, टाइगर ग्लोबल, सिकोइया कैपिटल इंडिया जैसे निवेशकों से $450 मिलियन की फंडिंग जुटाई। आज यह कंपनी हजारों करोड़ डॉलर की है।

जयंती ने सिखाया बदल सकते हैं किस्मत

गुजरात के जयंती ने दिखाया है कि आप का जन्म गरीबी में जरूर हो सकता है। लेकिन, जरूरी नहीं कि यह आपसे हमेशा जुड़ी रहे। अपनी मेहनत और लगन से गरीबी को दूर किया जा सकता है। वह भारत के पहले क्रिप्टो अरबपति सह-संस्थापकों में से एक बन गए। पॉलीगॉन को शुरू करने के चार वर्षों में संस्थापकों ने 2021 में 10 बिलियन डॉलर का मार्केट कैप हासिल किया।

मैं फेल पर फेल होता गया : 35 सरकारी परीक्षाओं में हुए नाकामयाब, फिर बने कलेक्टर

विजय वर्धन ने दिखाया है कि किसी की सफलता उसकी असफलताओं से तय नहीं होती। गलतियां करना सफलता के मंत्र का एक हिस्सा है। लेकिन, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि आप अपनी गलतियों को जस्टिफाई नहीं करें। बजाय इसके यह पता लगाने की कोशिश करें कि नतीजे अपेक्षा के अनुसार क्यों नहीं आए। विजय 35 सरकारी परीक्षाओं में असफल हुए। लेकिन, ये नाकामयाबियां उनका हौसला रत्तीभर न डिगा पाईं। उन्होंने कलेक्टरी का इम्तिहान पास करके ही दम लिया। उनकी कहानी लाखों लोगों को प्रेरित करती है।

उम्मीद की डोर थामे रखी

असफलताओं को स्वीकार करके उनसे आगे बढ़ने पर फोकस करें। अगर आप लगन और ईमानदारी से काम करेंगे तो जरूर आपको सफलता मिलेगी। जहां कुछ लोग

एक या दो परीक्षाओं में असफल होने के बाद निराश हो जाते हैं। वहीं, हरियाणा से ताल्लुक रखने वाले विजय वर्धन ने 35 सरकारी परीक्षाओं में असफल होने के बावजूद भी उम्मीद की डोर थामकर रखी। वह सरकारी नौकरियों की परीक्षाओं में बार-बार असफल हुए। लेकिन, हार नहीं मानी। आखिरकार 2018 में यूपीएससी में उन्हें 104वां स्थान हासिल करने में सफलता मिली।

गलतियों से सीख लेते रहे

विजय वर्धन बार-बार असफलता मिलने से निराश नहीं हुए। अलबत्ता, अपनी गलतियों से सीख लेते रहे। हर असफलता के बाद पूरी ईमानदारी से उसका मूल्यांकन किया। वह पहले आईपीएस अधिकारी के रूप में चुने गए। लेकिन, इससे संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने और प्रयास किया। आखिरकार आईएएस अधिकारी बनकर दिखाया।

इलेक्ट्रॉनिक्स में इंजीनियरिंग की

वर्धन की स्कूली पढ़ाई हरियाणा के सिरसा में हुई। यहीं उनका जन्म हुआ। स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने हिसार से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की। इंजीनियरिंग की डिग्री लेने के बाद विजय वर्धन यूपीएससी की पढ़ाई करने के लिए दिल्ली चले गए। तैयारी के दौरान उन्होंने हरियाणा पीसीएस, यूपीपीएससी, एसएससी और सीजीएल सहित कम से कम 35 परीक्षाओं के लिए प्रयास किया। लेकिन उनमें से हर एक में असफल रहे। लेकिन, उन्होंने संघर्ष जारी रखा। विजय वर्धन ने 2014 में पहली बार यूपीएससी परीक्षा के लिए अटेम्प्ट दिया था। हालांकि, वह असफल रहे थे।

खुद पर रखा विश्वास

2018 में विजय वर्धन को सफलता मिल ही गई। उन्होंने यूपीएससी में 104वां रैंक हासिल की। वह आईपीएस नियुक्त हुए। हालांकि, विजय वर्धन आईपीएस की पोजिशन से खुश नहीं थे। इसलिए 2021 में उन्होंने यूपीएससी परीक्षा के लिए फिर से आवेदन किया। इस बार वह आईएएस बनने में कामयाब हुए। विजय वर्धन कहते हैं कि आपके सबसे अच्छे इंस्ट्रक्टर आप ही हैं। इस वजह से जब भी आप कोई निर्णय लें तो आपको हमेशा अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखना चाहिए।

'कभी पंचर जोड़ता था', 10वीं में किया टॉप, फिर नौकरी छोड़ बने कलेक्टर

वरुण बरनवाल महाराष्ट्र के पालघर जिले के छोटे से शहर बोईसर के रहने वाले हैं। स्टूडेंट लाइफ से लेकर आईएएस बनने तक उन्होंने बहुत चुनौतियां देखी हैं। पिता के निधन के बाद एक समय वह पंचर जोड़ने लगे थे। उनके पिता की साइकिल मरम्मत की दुकान थी। उन्होंने मल्टीनेशनल कंपनी में भी नौकरी की। फिर आईएएस बनने का सपना पूरा किया।

बनना चाहते थे डॉक्टर

वरुण बरनवाल हमेशा डॉक्टर बनने का सपना देखते थे। उनका जन्म महाराष्ट्र के छोटे से शहर बोईसर में हुआ था। वरुण के पिता साइकिल मैकेनिक थे। वह साइकिल मरम्मत की एक छोटी सी दुकान चलाते थे। वरुण के पिता ने अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के लिए कड़ी मेहनत की।

पिता के निधन के बाद दुकान संभाली

2006 में वरुण बरनवाल के सिर से पिता का साया उठ गया। अपने पिता के अचानक निधन के बाद परिवार की सारी जिम्मेदारी उनके युवा कंधों पर आ पड़ी। वह अपने भाई-बहनों में सबसे बड़े थे। वरुण के पिता की साइकिल रिपेयरिंग की दुकान उनके परिवार की आय का एकमात्र स्रोत थी। पिता के निधन के बाद वरुण ने दुकान की जिम्मेदारी संभाल ली। अपने परिवार की देखभाल करने का फैसला किया।

मां ने दुकान से किया दूर

इन सबके बीच वरुण बरनवाल ने 10वीं की परीक्षा में अपनी क्लास में टॉप किया था। जब वरुण की मां ने उनके पढ़ने की लगन और जीवन में कुछ करने की चाहत देखी तो उन्होंने दुकान की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। मां ने वरुण को आगे की पढ़ाई जारी रखने के लिए कहा। जब भी वरुण के सामने समस्या आई कोई ऐसा व्यक्ति आ गया जिसने उन्हें भरपूर सहारा दिया। उन्हीं में से एक उनके पिता के दोस्त डॉ कंपली भी थे। डॉ कंपली ने पिता के निधन से पहले उनका इलाज किया था। डॉ. कंपली ने न केवल वरुण के कॉलेज की शुरुआती फीस में बल्कि बाद में भी उनकी आईएएस की पढ़ाई में भी मदद की।

इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की

स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद वरुण ने अपने जुनून को पूरा करने का फैसला किया। लिहाजा, उन्होंने मेडिकल कॉलेज में दाखिला लिया। लेकिन, मेडिकल की पढ़ाई की फीस बहुत ज्यादा थी। ऐसे में उन्होंने इसके बजाय इंजीनियरिंग की तैयारी करने का फैसला किया। वरुण को एमआईटी कॉलेज पुणे में दाखिला मिला। उन्होंने कॉलेज से छात्रवृत्ति पाने के लिए अपने इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के पहले सेमेस्टर में कड़ी मेहनत की। स्कूल की स्कॉलरशिप का इस्तेमाल करके वह अपनी इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी कर पाए। वरुण के दोस्तों ने भी उनकी काफी मदद की। मुश्किल वक्त में उनका साथ निभाया।

एमएनसी की नौकरी छोड़ बने आईएएस

इंजीनियरिंग पूरी करने के बाद वरुण को एक मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी मिल गई। उनका परिवार चाहता था कि वह एमएनसी की नौकरी जारी रखें। लेकिन, वरुण सिविल सर्विसेज में आगे बढ़ना चाहते थे। परीक्षा की तैयारी के लिए उन्हें गैर सरकारी संगठनों से मदद मिली। उन्होंने वरुण को किताबें मुहैया कराईं। सभी की मदद से वह परीक्षा पास करने में सफल होकर आईएएस अधिकारी बन गए। गरीबी के जीवन को एक सबक के रूप में देखने वाले बरनवाल ने यूपीएससी आईएएस 2016 परीक्षा में 32वीं रैंक हासिल की थी।

पंचांग, राशिफल, शब्द पहेली, सूडोकू

आज का राशिफल : 07 अगस्त, 2023

मेष : व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से होंगे। शुभांक-2-4-6

वृष : आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन : आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8

कर्क : व्यावसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक उपक्रम में उत्तरोत्तर की शुरुआत हो सकती है। शुभांक-1-5-9

सिंह : खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक संपत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। बातचीत में संयम बरतें। शुभांक-4-7-8

कन्या : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। शुभांक-5-8-9

तुला : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-1-4-7

धनु : कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-2-4-5

मकर : परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वंद्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-5-6

कुंभ : शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यावसायिक अभ्युदय भी होगा। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-4-6-7

मीन : आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-2-5-7

सूडोकू क्रमांक 6784

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

[illegible]

शब्द पहेली - 7844

[illegible]

[illegible]

बायजू संकट में नहीं बनी बात 120 करोड़ डॉलर के टर्म लोन पर

नई दिल्ली ।

देश की सबसे अधिक वैल्यू वाली स्टार्टअप बायजूस के आगे की डगर एक बार फिर अनिश्चित हो गई है। बायजूस और इसके कर्जदार 120 करोड़ डॉलर के टर्म लोन पर अभी तक किसी मुद्दे पर बात नहीं बनी है। इसके लिए 3 अगस्त तक का समय तय किया गया था लेकिन अब यह तारीख भी बीत गई और अब आगे कब तक इस पर कोई बात बनेगी, इसे लेकर कुछ तय नहीं है। सूत्रों ने बताया कि बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ रही है लेकिन अभी तक कोई नतीजा नहीं निकला है। एडटेक कंपनी के प्रवक्ता का कहना है कि बायजूस ऐसी किसी टाइमलाइन को लेकर प्रतिबद्ध नहीं थी। अगले हफ्ते बायूजस के को-फाउंडर बायजू रवींद्रन की अगले हफ्ते लेंडर्स के साथ बैठक है और दोनों ही पक्षों को उम्मीद है कि कोई नतीजा निकल जाएगा। एडहॉक टर्म लोन लेंजर्स की कमेटी ने औपचारिक रूप से 24 अगस्त को इस टाइमलाइन का ऐलान किया था कि 3 अगस्त तक लोन से जुड़ी शर्तों में बदलाव पर बात बन जाएगी। इस कमेटी में शामिल लेंडर्स ने बायजूस पर जो 120 करोड़ डॉलर का जो टर्म लोन है, उसका 85 फीसदी दिया हुआ है। कमेटी ने कहा था कि 3 अगस्त 2023 से पहले तक टर्म लोन एमेंडमेंट पर बात बन जाएगी। इससे लोन को लेकर सारे विवाद खत्म होने की उम्मीद जताई गई थी।

बायजूस ने नवंबर 2021 में टर्म लोन बी के जरिए विदेशी निवेशकों से 120 करोड़ डॉलर का कर्ज जुटाया था। टर्म लोन बी आम लोन से इस मामले में अलग है कि इसमें किश्तें नहीं चुकानी होती है और लोन पीरियड की समाप्ति पर पूरा पैसा चुकाना होता है। लोन पीरियड के दौरान मामूली रेट पर कुछ पैसा देना पड़ सकता है। अब बायजूस के मामले में ऐसा हुआ कि पिछले साल दिसंबर 2022 से कंपनी और लेंडर्स के बीच विवाद हो गया और इस साल मार्च में लेंडर्स ने नॉन-मॉनीटरी और टेक्निकल डिफॉल्ट्स के आरोप में पैसे मांगना शुरू कर दिया। मई में लेंडर्स ने बायजूस के पूर्ण मालिकाना हक वाली अल्फा के खिलाफ डेलवेयर कोर्ट में इस आरोप में मामला कर्ज कर दिया कि इसने लेंडर्स से 50 करोड़ डॉलर छिपाया है। इसके कुछ ही हफ्ते बाद बायजूस ने भी न्यूयॉर्क सुप्रीम कोर्ट में लेंडर्स के खिलाफ याचिका दायर कर दिया और लोन चुकाने को लेकर चुनौती दे दी।

बायजूस ने 4 करोड़ डॉलर का ब्याज भी चुकाना बंद कर दिया जो लोन पेमेंट शुरू होने के चलते ड्यू था। उसके बाद से दोनों पार्टियों के बीच टर्म लोन के नियमों में बदलाव को लेकर बातचीत हो रही है।

एसबीआई होम लोन क्षेत्र में आगे बना रहेगा: खारा

मुंबई ।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन दिनेश खारा ने कहा कि एसबीआई होम लोन बाजार की अगुवाई करता रहा है और आगे भी ऐसा करता रहेगा। खारा ने कहा कि जून तिमाही तक एसबीआई का कुल होम लोन 6.52 लाख करोड़ रुपए था। उन्होंने कहा कि हम होम लोन के मामले में सबसे बड़े रहे हैं, अब भी हैं और आगे भी सबसे बड़े ऋणदाता बने रहेंगे। उनसे आवासीय कर्ज मुहैया कराने वाली कंपनी एचडीएफसी के एचडीएफसी बैंक में विलय होने के बाद आवासीय ऋण बाजार की मौजूदा स्थिति के बारे में सवाल पूछा गया था। एक जुलाई से लागू हुए देश के सबसे बड़े विलय (40 अरब डॉलर) से पहले एचडीएफसी बैंक होम लोन के मोर्चे पर अधिक सक्रिय नहीं था। वह होम लोन खाता हासिल करने के बाद उसे शुल्क लेकर अपनी मूल कंपनी एचडीएफसी को बेच देता था। कई विश्लेषकों के मुताबिक, 31 मार्च, 2023 तक एचडीएफसी बैंक का सामूहिक होम लोन 7.3 लाख करोड़ रुपए आंका गया है लेकिन बैंक ने जून तिमाही के नतीजों में इसके आंकड़ों का खुलासा नहीं किया है। एचडीएफसी के शेयर 13 जुलाई से समाप्त हो गए है। उस समय तक एसबीआई का होम लोन 6.4 लाख करोड़ रुपए था। एसबीआई फरवरी, 2021 में एचडीएफसी को पीछे छोड़ते हुए आवासीय ऋण बाजार का अगुवा बना था।

उस समय एसबीआई की बाजार हिस्सेदारी 23.5 प्रतिशत थी जबकि एचडीएफसी की हिस्सेदारी 17 प्रतिशत थी।

रिकॉर्ड स्तर पर चावल

मुंबई ।

भारत ने हाल ही में गैर बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। देश में चावल की बढ़ती कीमत को थामने के लिए सरकार ने यह फैसला किया था लेकिन इससे दुनियाभर में चावल की कीमत में भारी तेजी आई है। यूएन की फूड एजेंसी एफएओ के मुताबिक जुलाई में राइस प्राइस इंडेक्स 2.8 फीसदी की तेजी के साथ करीब 12 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। इसमें पिछले साल जुलाई के मुकाबले 20 फीसदी तेजी आई है और यह सितंबर 2011 के बाद उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। मजबूत मांग और भारत के प्रे तिबंध से चावल की कीमत बढ़ी है। भारत दुनिया में चावल का सबसे बड़ा निर्यातक है। ग्लोबल एक्सपोर्ट में भारत की 40 फीसदी हिस्सेदारी है। भारत ने पिछले महीने गैर बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। देश से निर्यात होने वाले कुल चावल में गैर बासमती सफेद चावल की हिस्सेदारी करीब 25 फीसदी है। भारत के अलावा थाईलैंड, वियतनाम, कंबोडिया और पाकिस्तान चावल के प्रमुख निर्यातक हैं। चावल आयात करने वाले देशों में चीन, फिलीपींस, बेनिन, सेनेगल, नाइजीरिया और मलेशिया प्रमुख हैं। भारत के चावल पर प्रतिबंध लगाने से अमेरिका में हड़कंप मच गया था। वहां बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं और प्रतिबंध की खबर सुनते ही वे स्टॉक जमा करने के लिए दुकानों पर टूट पड़े। इधर भारत ने चावल के निर्यात पर प्रे तिबंध तो उधर रूस ने यूक्रेन के बंदरगाहों से अनाज ले जाने वाले जहाजों को सुरक्षित रास्ता देने वाले डील से किनारा कर लिया। इससे जुलाई में खाने पीने की चीजों की कीमत में बढ़ोतरी हुई।

बिहार में महंगा, एमपी में सस्ता

- ब्रेंट क्रूड 86.24 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में रे विवार को कोई बदलाव नहीं हुआ है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 82.82 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 86.24 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा रेट जारी कर दिए हैं। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है. जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। बिहार में पेट्रोल 49 पैसे और डीजल 46 पैसे महंगा हो गया है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 32 और डीजल 30 पैसे महंगा हो गया है। राजस्थान में पेट्रोल की कीमत में 31 पैसे और डीजल में 28 पैसे का इजाफा है। दूसरी ओर मध्य प्रदेश में पेट्रोल 27 और डीजल 24 पैसे सस्ता हुआ है। इसी प्रकार हरियाणा, हिमाचल, केरल व कर्नाटक में पेट्रोल-डीजल की कीमत में हल्की गिरावट दिख रही है।वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपए और डीजल 94.33 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.59 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.44 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.47 रुपए और डीजल 94.25 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश में रेलवे स्टेशनों का होगा कायाकल्प

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के सात रेलवे स्टेशन अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए देश भर में 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी, जिसमें रायपुर और बिलासपुर के सात रेलवे स्टेशन 935 करोड़ रुपये से पुनर्विकसित होंगे। रायपुर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास लिए 470 करोड़ रुपये और बिलासपुर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास लिए 465 करोड़ रुपये खर्च होंगे। अमृत भारत स्टेशन योजना में रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग समेत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सात स्टेशनों के साथ देशभर के 508 रेलवे स्टेशन को शामिल किया गया है। इन सभी स्टेशनों को एयरपोर्ट की तर्ज पर कायाकल्प किया जाएगा और सभी तरह की सुविधाएं यात्रियों को मिलेगी। रायपुर रेल मंडल के अधिकारियों ने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना में रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, अकलतरा, भिलाई पॉवर हाउस, तिल्दा-नेवरा, महासमुंद स्टेशन शामिल है। शहर के दोनों किनारों के उचित एकीकरण के साथ इन स्टेशनों को ह्यसिटी सेंटरह्ण के रूप में विकसित करने के लिए मास्टर प्लान तैयार किए जा रहे हैं।

इन स्टेशनों पर स्टेशन पर आगमन / प्रस्थान प्लाजा, एग्जीक्यूटिव लाउंज, कॉनकोर्स एरिया, लिफ्ट एवं एस्केलेटर, फूड कोर्ट, शॉपिंग मॉल, कैफेटेरिया, प्ले एरिया, ग्रीन बिल्डिंग, नवीनीकरणीय ऊर्जा, कचरे के प्रसंस्करण, वर्षा जल संचयन, बैगेज स्कैनर, कोच इन्डिकेशन बोर्ड तथा दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाओं सहित आधुनिक यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी।

छत्तीसगढ़ी संस्कृति, विरासत और वास्तुकला की दिखेगी झलक

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इस योजना के साथ ही गोंदिया, वडसा एवं चांदा फोर्ट स्टेशन में आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त फुटओवर ब्रिज, लिफ्ट एस्कलेटर, सर्कुलटिंग एरिया का उन्नयन, वेटिंग हाल और टायलेट का उन्नयन, स्टेशन लाइटिंग में सुधार, साइनेज, ट्रेन एवं कोच इंडिकेटर बोर्ड, पार्किंग स्थान में वृद्धि, प्लेटफार्म एरिया का विस्तार, शेड, स्थानीय कला और संस्कृति के अनुसार स्टेशन के वाह्य स्वरूप का उन्नयन किया जाएगा।

इस योजना में आधुनिक यात्री सुविधाएं प्रदान करने के साथ-साथ अच्छी तरह से डिजाइन किए गए यातायात परिसंचरण, अंतर-माडल एकीकरण और यात्रियों के मार्गदर्शन के लिए अच्छी तरह से डिजाइन किए गए साइनेज को सुनिश्चित करेगा। स्टेशन भवनों के डिजाइन में स्थानीय संस्कृति, विरासत और वास्तुकला की झलक दिखाई देंगी।

असम के 56 रेलवे स्टेशनों का होगा पुनर्विकास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को देश के 508 रेलवे स्टेशनों के साथ ही असम के 56 रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन में बदलने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए रिमोट का बटन दबाकर शिलान्यास किया। इस अवसर पर लामडिंग मंडल के अधीनस्थ 15 रेलवे स्टेशनों का भी शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर राजधानी गुवाहाटी के नारंगी रेलवे स्टेशन पर एक भव्य शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राज्य के मुख्यमंत्री डॉ हेमंत बिस्व सरमा की मौजूदगी में इस कार्यक्रम के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रधानमंत्री मोदी ने स्टेशन का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में शामिल मुख्यमंत्री ने बताया कि 600 करोड रुपये की लागत से गुवाहाटी रेलवे स्टेशन को भी अत्याधुनिक स्वरूप दिया जाएगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पूर्वोत्तर सीमा रेलवे एवं असम सरकार के पदाधिकारी मौजूद थे। इस योजना के तहत पुनर्विकास के लिए अब तक भारतीय रेल के 1309 स्टेशनों का चयन किया गया है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पूसी रेलवे के कुल 91 स्टेशनों का चयन किया गया है। इनमें से 56 स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला आज रखी गई। 56 स्टेशनों में असम के 32 स्टेशन, त्रिपुरा के 03 स्टेशन, पश्चिम बंगाल के 16 स्टेशन, बिहार के 03 स्टेशन और नगालैंड एवं मेघालय के एक-एक स्टेशन है। पूसी रेलवे के अधीन 91 स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए 5100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसमें 1960 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग इन 56 स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए किया जाएगा। अमृत भारत योजना के तहत लामडिंग मंडल में लामडिंग रेलवे स्टेशन (40 करोड़ रुपये), अरुणाचल (29.2 करोड़ रुपये), कुमारघाट (30.24 करोड़ रुपये), धर्मनगर (32.6 करोड़ रुपये), न्यू करीमगंज (30.82 करोड़ रुपये), उदयपुर (33.82 करोड़ रुपये), न्यू हाफलोंग (35 करोड़ रुपये), लंका (30.1 करोड़ रुपये), होजाई (30.1 करोड़ रुपये), जागीरोड (31.18), चापरमुख (31.87 करोड़ रुपये), नारेंगी (33.23 करोड़ रुपये), डिफू (32 करोड़ रुपये), सरूपथार (31 करोड़ रुपये) तथा डीमापुर (266.66 करोड़ रुपये) की लागत से अपग्रेड किया जाना है। प्रधानमंत्री ने इस अमृत भारत स्टेशन के माध्यम से रेलवे स्टेशनों को अपग्रेड करने और यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं प्रदान करने की पहल की है।

झारखंड में 20 रेलवे स्टेशनों का होगा कायाकल्प

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार पूर्वाह्न 11:00 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर में कुल 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी। झारखंड में भी राजधानी रांची के हटिया रेलवे स्टेशन समेत 20 रेलवे स्टेशनों का 886.70 करोड़ रुपये की राशि से कायाकल्प होगा। इस योजना के तहत हटिया स्टेशन के उन्नयन के लिए सर्वाधिक 355 करोड़ की राशि खर्च की जाएगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया की नजर भारत पर है। भारत में आधुनिक ट्रेनों की संख्या तेजी से बढ़ी है। साथ ही उम्दा व्यवस्था देने की कोशिश की गयी है। उन्होंने कहा कि भारत, जो विकसित होने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, अपने अमृत काल की शुरूआत में है। नई ऊर्जा, नई प्रेरणा और नए संकल्प हैं और इसी भावना के साथ, भारतीय रेलवे के इतिहास में एक नया अध्याय शुरू हो रहा है। उन्होंने रेलवे स्टेशनों पर विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के महत्व पर जोर दिया। इसके तहत देशभर में 1309 स्टेशनों के पुनर्विकास कार्य के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की गई थी। इन स्टेशनों का पुनर्विकास 24,470 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से किया जाएगा। शहर के दोनों किनारों को समुचित रूप से जोड़ते हुए इन स्टेशनों को 'सिटी सेंटर' के रूप में विकसित करने के लिए मास्टर प्लान तैयार किए जा रहे हैं। यह एकीकृत दृष्टिकोण रेलवे स्टेशन के आसपास के क्षेत्र पर केंद्रित शहर के समग्र शहरी विकास के विजन से प्रेरित है।

इन स्टेशनों का होगा विकास

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हटिया के अलावा बोकारो स्टील सिटी में 33.5 करोड़, बड़काकाना रेलवे स्टेशन में 32.6 करोड़, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस-गोमो जंक्शन में 32.4 करोड़, घाटशिला स्टेशन में 31 करोड़, पारसनाथ स्टेशन में 30.4 करोड़, कोडरमा स्टेशन में 30.3 करोड़, राजखरसावां स्टेशन में 30 करोड़, डाल्टनगंज स्टेशन में 29.2 करोड़, साहिबगंज स्टेशन में 29 करोड़, हजारीबाग रोड स्टेशन में 28.1 करोड़, मनोहरपुर स्टेशन में 27 करोड़, पिस्का स्टेशन में 27 करोड़, कतरासगढ़ स्टेशन में 26.9 करोड़, चन्द्रपुरा स्टेशन में 26.5 करोड़, नगरऊंटारी स्टेशन में 26.3 करोड़, गढ़वा टाउन स्टेशन में 25.5 करोड़, लातेहार स्टेशन में 24.5 करोड़, गढ़वा रोड स्टेशन में 24.5 एवं कुमारडुबी रेलवे स्टेशन के लिए 17 करोड़ की राशि उपलब्ध करायी गई है।

बेगूसराय जिले के सलौना एवं लखमिनिया रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से अमृत भारत योजना के तहत चयनित बेगूसराय जिले के सलौना एवं लखमिनिया रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास परियोजना का शिलान्यास किया। गिरिराज सिंह अस्वस्थता से कारण दोनों जगह ऑनलाइन जुड़े। जबकि, राज्यसभा सदस्य प्रो. राकेश सिन्हा उपस्थित थे। इस परियोजना के तहत 22.3 करोड़ से सलौना एवं 27 करोड़ से लखमिनिया स्टेशन पर स्टेशन भवन, प्रवेश एवं निकास द्वार, फुटओवर ब्रिज, कॉनकोर्स, प्लेटफॉर्म, सकुर्लेटिंग एरिया, पार्किंग, दिव्यांग सुविधाओं, प्रकाश व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, स्वच्छता व्यवस्था, पहुंच पथ, संकेत एवं निर्देश बोर्ड, ट्रेन डिस्प्ले और उद्घोषणा प्रणाली, सौंदर्यीकरण तथा स्थानीय कला और संस्कृति को बढ़ावा देने वाले कार्य किए जाएंगे।

कार्यक्रम को ऑनलाइन संबोधित करते हुए गिरिराज सिंह ने भारतीय रेल के विकास में आमूलचूल परिवर्तन करते हुए अमृत भारत स्टेशन के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बेगूसराय एवं बिहार की जनता की ओर से आभार जताया। उन्होंने कहा कि आज भारतीय रेल के लिए ऐतिहासिक दिन है, यह कार्य ऐतिहासिक है। क्योंकि इतने बड़े पैमाने पर भारतीय रेल के विकास के लिए पहले किसी ने ऐसे सार्थक प्रयास नहीं किए थे। गिरिराज सिंह ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश भर में 1275 स्टेशन चिन्हित किए गए स्टेशन आज तक विकास से कोसों दूर थे। हालांकि 1275 से अधिक पर विकास के कार्य में हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 साल बाद तक उपेक्षित इन स्टेशनों का भाग्योदय हो रहा है। पहले तो हमारे बिहार में विकास के लिए पैसा ही नहीं मिलता था। मोदी सरकार ने 76 हजार करोड़ से अधिक दिए। उन्होंने कहा कि देश में पहली बार ऐसा हो रहा है की बंजर भूमि की तरह दिखने वाले स्टेशनों पर विश्व स्तरीय सुविधा उपलब्ध करवाने की योजना शुरू की गई है। पहले की सरकार बिहार को एक हजार करोड़ से अधिक नहीं देती थी। मोदी सरकार ने इस वर्ष भी चार हजार करोड़ दिया। भारत आगे बढ़ रहा है, कार्बन मुक्त कार्बन मुक्त रेल चल रहा है, इंजन शून्य कार्बन हो गया। अमान परिवर्तन और नई रेल लाइन बिछाने आदि का कार्य तेजी से चल रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार को ना केवल कोशी मेगा ब्रिज दिया, बल्कि गंगा नदी पर कई बड़े-बड़े पुल दिए। बिहार की सरकार को, नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव को भले ही कुछ नहीं दिखाई दे। लेकिन जैसा विकास अभी हुआ, वैसा विकास कभी किसी ने नहीं देखा था। पहले रेल मंत्री सदन में अटैची लेकर आते थे और बजट होता था 63 हजार करोड़ का, आज ढाई लाख करोड़ का बजट है। प्रधानमंत्री मोदी ने गति शक्ति दिया, वंदे भारत चल रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. राकेश सिन्हा ने कहा कि बखरी-सलौना के बुरे दिन समाप्त हो गए, अच्छे दिन शुरू हो गए हैं। पहले स्टेशनों पर गाय-भैंस बांधे जाते थे, आज वहां विकास की प्रक्रिया शुरू हो गई है। लंबे समय बाद आने वाले लोग अपने स्टेशन को नहीं पहचान पाएंगे। विकास की ना कोई जाति होती है, ना विचारधारा और संप्रदाय। विकास की एक ही जाति है संविधान के तहत सभी देशवासियों को एक समान सुविधा उपलब्ध होना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रेल को पुनर्जन्म दिया, उद्धार किया। सलौना और बछवाड़ा में सभी महत्वपूर्ण ट्रेनें रुकेगी। बेगूसराय विशाखापट्टनम बनने की राह पर अग्रसर है तो यहां से कोलकाता के लिए ट्रेन चलेगी। नरेन्द्र मोदी बोलते नहीं, करते हैं। लेकिन नेहरू युग के कुछ लोग आज भी सिर्फ बोलते हैं। जनप्रतिनिधि का काम जनता की समस्या, उनके दर्द को समझ कर उसका निपटारा करना होता है। मोदी युग में यह विश्वास पुनः वापस आ रहा है।

मध्य प्रदेश के 34 रेलवे स्टेशनों का होगा विकास

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी। इस योजना में मध्य प्रदेश के 34 रेलवे स्टेशन भी शामिल हैं, जिनके पुनर्विकास पर करीब एक हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय रेलवे के इतिहास में एक नये अध्याय की शुरूआत आज हो रही है, जब 25 हजार करोड़ रुपये की लागत से भारत के 508 रेलवे स्टेशनों का आधुनिकता के साथ विकास और पुनर्निमाण कार्य प्रारंभ हो रहा है। अमृत भारत रेलवे स्टेशनों योजना में देश के 1300 स्टेशनों का विकास किया जाएगा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान विदिशा स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस योजना में भारत के सभी राज्य लाभान्वित होंगे। मध्यप्रदेश में 1000 करोड़ रुपये की लागत से 34 रेलवे स्टेशनों का विकास और पुनर्निमाण किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि रेल में हर नागरिक के लिए सुलभ और सुखद यात्रा के साथ ही उसे रेलवे स्टेशन पर अच्छा अनुभव मिले, इसके लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। हर रेलवे स्टेशन पर अच्छी बैठक व्यवस्था, वेटिंग रूम, मुफ्त वाईफाई आदि सुविधाएँ दिलाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री चौहान ने प्रधानमंत्री मोदी को देश और प्रदेश में विश्वस्तरीय अधोसंरचना विकसित करने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि केंद्र और मध्य प्रदेश की डबल इंजन सरकार प्रदेश में विकास और समाज के सभी वर्गों के कल्याण के कार्यों से प्रदेश को विकसित बनाएगी। आज देश और प्रदेश प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में गौरवशाली, प्रगतिशाली, समृद्धशाली और आत्मनिर्भर बन रहा है। प्रधानमंत्री मोदी विश्व स्तर के अनेक कार्यक्रमों का नेतृत्व कर रहे हैं और दुनिया मोदी और भारत का लोहा मान रहे हैं। प्रधानमंत्री द्वारा आज प्रदेश के 34 स्टेशनों के कायाकल्प का शिलान्यास प्रदेश को समृद्ध और अधोसंरचनात्मक नया स्वरूप देगा। विदिशा के स्टेशन का 28 करोड़ रुपये से कायाकल्प होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार और सरकार में फर्क होता है। वर्ष 2014 में जहा मध्यप्रदेश के लिए रेल का बजट मात्र 632 करोड़ होता था, उसे प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लगभग 21 गुना यानी 13 हजार 607 करोड़ रुपये किया गया है। डबल इंजन की सरकार में प्रदेश का सड़क, हवाई और रेल यातायात बेहतर हुआ है। विदिशा में शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, अधोसंरचना के ऐतिहासिक कार्य हुए है। मुख्यमंत्री ने आमजनों को आश्वस्त किया कि उनकी सरकार प्रदेश के विकास, निर्माण और समाज कल्याण के कार्यों से प्रदेश को विकसित बनाएगी। उन्होंने विकसित मध्यप्रदेश के लिए आमजनों से सहभागिता की अपील की। कार्यक्रम को सांसद रमाकांत भार्गव ने भी संबोधित किया। रेलवे बोर्ड के अपर महा प्रबंधक रविशंकर सक्सेना ने स्वागत भाषण दिया। लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, पूर्व वित्त मंत्री राघव जी, विधायक हरिसिंह सप्रे, अपर महाप्रबंधक रेलवे रविशंकर सक्सेना, डी.आर.एम. देवाशीष त्रिपाठी, जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित थे।

कुपवाड़ा में घुसपैठ नाकाम, एक घुसपैठिया ढेर

कुपवाड़ा (हि.स.)। कुपवाड़ा जिले के तंगधार सेक्टर में रविवार को सुरक्षाबलों ने एक घुसपैठिए को मार गिराया है। उसके शव के पास से गोला-बारूद भी बरामद हुआ है। तंगधार सेक्टर के अमरोही इलाके में नियंत्रण रेखा के पास सुरक्षाबलो ने एक संदिग्ध हरकत देखी। इसी बीच सुरक्षाबलों ने देखा कि एक घुसपैठिया सीमा पार करने की कोशिश कर रहा है। सुरक्षाबलों ने उसे वापस लौटने को कहा, लेकिन वह नहीं माना। इसके बाद सुरक्षाबलों ने गोलीबारी कर उसे मार गिराया। मारे गए घुसपैठिए के शव के पास से आपत्तिजनक सामग्री, हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया।

राजौरी में रात भर चलती रही आतंकियों से मुठभेड़, सभी रास्ते बंद किये गए

राजौरी (हि.स.)। राजौरी जिले के बुद्धल इलाके के गुंधा-खवास गांव में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शनिवार की पूरी रात चलती रही। रविवार को पुलिस ने लोगों को मुठभेड़ स्थल से दो किलोमीटर की दूरी पर रहने की सलाह दी है। सेना के पीआरओ लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने कहा कि माना जा रहा है कि दो से तीन आतंकी गांव में छिपे हुए हैं और घेराबंदी तोड़ने की उनकी बार-बार की कोशिशों को रात भर विफल कर दिया गया है। शनिवार को बुद्धल इलाके के गुंधा.खवास गांव में पुलिस और सेना की घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान शुरूआती गोलीबारी में एक आतंकी मारा गया था। अधिकारी ने कहा कि सुरक्षा बलों ने आतंकियों के भागने के सभी रास्ते बंद कर दिए हैं और उन्हें मार गिराने के प्रयास जारी हैं।

जम्मू से 1626 तीर्थयात्रियों का जत्था अमरनाथ रवाना, रामबन में भूस्खलन से मार्ग अवरुद्ध

जम्मू (हि.स.)। जम्मू के भगवती नगर स्थित आधार शिविर से रविवार को 1626 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हुआ। इसमें से 1092 श्रद्धालु अनंतनाग जिले के पहलगाम आधार शिविर की ओर रवाना हुए, जबकि 534 श्रद्धालु गांदरबल जिले के बालटाल आधार शिविर की तरफ रवाना हुए। उधर, अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के रामबन जिले के केला मोड़ के पास भूस्खलन के कारण राजमार्ग अवरुद्ध होने के बाद तीर्थयात्रियों के काफिले को चंद्रकोट यात्री निवास में रोक दिया गया। इससे यातायात विभाग ने लोगों को बहाली का काम पूरा होने तक सड़क पर यात्रा न करने की सलाह दी है। पहाड़ी से पत्थरों के गिरने से बहाली के कार्य में बाधा आ रही है। संबंधित एजेंसी ने राजमार्ग पर यातायात की शीघ्र बहाली सुनिश्चित करने के लिए अपने लोगों और मशीनरी को तैयार रखा है।

राष्ट्रीय वैस्कुलर दिवस पर 26 शहरों में वॉकथॉन का आयोजन, 'एक मील चलो, मुस्करा कर जिओ' का दिया संदेश

नई दिल्ली (हि.स.)। वैस्कुलर सोसाइटी ऑफ इंडिया ने रविवार को अखिल भारतीय राष्ट्रीय वैस्कुलर दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर देशभर के 26 शहरों में ह्यअंगविच्छेद मुक्त भारतह्ल की थीम पर वॉकथॉन का आयोजन कर जागरुकता बढ़ाने के लिए ह्यएक मील चलो, मुस्करा कर जिओह्ल का संदेश दिया गया। मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम से शुरू वॉकथॉन इंडिया गेट की परिक्रमा कर वापस नेशनल स्टेडियम पहुंचा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फिट इंडिया विजन के मद्देनजर वीएसआई ने वॉकथॉन का आयोजन किया। इसका मुख्य लक्ष्य शरीर के अंग विच्छेद की स्थिति पैदा करने वाले कारणों (डायबीटीज, धूम्रपान, ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल बढ़ने) से बचना है। स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल, जागरुकता और किसी अन्य समस्या का समय से निदान कर यह लक्ष्य पूरा होगा। वैस्कुलर सोसाइटी ऑफ इंडिया के सचिव डॉ. तपिश साहू ने कहा, हमारा मिशन एम्प्युटेशन फ्री इंडिया बनाने के मकसद से संपूर्ण वैस्कुलर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करा सभी समुदायों को अधिक स्वस्थ बनाना है। अभियान में पूरे भारत का उत्साह देख कर हम बहुत प्रोत्साहित हैं। आज राष्ट्रीय वैस्कुलर दिवस पर देशभर के 26 शहरों में एक साथ वॉकथॉन का आयोजन हुआ, जिसमें 8,000 से अधिक लोगों ने बड़े उत्साह से भाग लिया। इस पहल को अपना समर्थन देने के लिए कई अन्य प्रसिद्ध वैस्कुलर सर्जन उपस्थित थे जिनमें डॉ. वीएस बेदी, डॉ. कर्नल कुमुद राय, डॉ. राजीव पारख, डॉ. तरुण ग्रोवर, डॉ. संदीप अग्रवाल, डॉ. अजय यादव, डॉ. रावुल जिंदल और डॉ. अपूर्व श्रीवास्तव (कोषाध्यक्ष, वीएसआई) खास तौर से उल्लेखनीय हैं। उल्लेखनीय है कि आज के दौर में जब भारत को दुनिया का डायबिटीज कैपिटल कहा जा रहा है तो इस राष्ट्रीय अभियान की अहमियत बढ़ जाती है। सेहत के लिए हानिकारक जीवनशैली और गलत खान-पान के चलते एक बड़ी आबादी पर अंग-विच्छेद का खतरा है जबकि इसकी रोकथाम मुमकिन है। यह अभियान पूरे देश में जागरुकता बढ़ाने का प्रयास है ताकि जीवनशैली में बदलाव कर लोग अंग-विच्छेद की नौबत नहीं आने दें और यदि जरूरत पड़े तो जल्द इलाज कराएं। इससे उनके जीवन की गुणवत्ता बनी रहेगी।

झारखंड राज्य स्टेट अवाड्र्स समारोह 11 अगस्त को

ढाई सौ से अधिक खिलाड़ी और कोच इस समारोह में होंगे सम्मानित

राँची: राष्ट्रीय अवार्ड स्टेट अवार्ड समारोह आगामी 11 अगस्त को यहां आर के आनंद लॉन बॉल स्टेडियम में आयोजित की जाएगी झारखंड राज्य स्टेट अवाड्र्स के बारे में जानकारी देते हुए जे ओ ए के महासचिव डॉ मधुकांत पाठक ने बताया कि चयन समिति द्वारा चयनित खिलाड़ी दिनाँक 11 अगस्त को सुबह 12:00 बजे रिपोर्ट करेंगे तथा 1:00 से समारोह की शुरूआत की जाएगी। इस समारोह के चयन समिति के चेयरमैन शेखर बोस ने बताया कि अवाड्र्स के लिए सभी तैयारियां पुर्ण हो चुकी है ये अवार्ड इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन से मान्यता प्राप्त खेल जिनको झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन से मान्यता प्राप्त है के सभी वर्गों के इंटरनेशनल / नेशनल चैंपियनशिप सत्र 2022-23 और नेशनल गेम्स गुजरात में पदक विजेता खिलाड़ियों को दिए जाएंगे इसके अलावे झारखंड अवाड्र्स के विभिन्न वर्गों के अवार्ड (लाइफटाइम अवार्ड को छोड़कर) सत्र 2022-23 के प्रदर्शन के आधार पर दिए जाएंगे।

चार वर्गो में खिलाड़ी होंगे सन्मानित :

इस समारोह में खिलाड़ी निम्न वर्गो में सम्मानित किए जाएंगे:

स्टेट अवाड्र्स:
विभिन्न वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर ये स्टेट अवाड्र्स दिए जाएंगे।

इंटरनेशनल मेडलिस्ट:
सत्र 2022-23 के पदक विजेता खिलाड़ी इस कैटेगरी में सम्मानित होंगे।

नेशनल गेम्स मेडलिस्ट:
गुजरात नेशनल गेम्स के पदक विजेता खिलाड़ी इस वर्ग में सम्मानित होंगे।

नेशनल मेडलिस्ट:
इस कैटेगरी में 2022-23 सत्र के पदक विजेता खिलाड़ी सम्मानित होंगे। डॉ मधुकांत पाठक ने बताया कि यदि किसी खिलाड़ी का नाम छूट गया हो तो उसकी सूचना सम्बंधित खेल संघ जे ओ ए को भेजे ताकि उसपर विचार किया जा सकें।

राष्ट्रीय वैस्कुलर दिवस पर 26 शहरों में वॉकथॉन का आयोजन, 'एक मील चलो, मुस्करा कर जीओ' का दिया संदेश

नई दिल्ली (हि.स.)। वैस्कुलर सोसाइटी ऑफ इंडिया ने रविवार को अखिल भारतीय राष्ट्रीय वैस्कुलर दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर देशभर के 26 शहरों में अंगविच्छेद मुक्त भारत की थीम पर एक वॉकथॉन का आयोजन कर जागरुकता बढ़ाने के लिए ह्यएक मील चलो, मुस्करा कर जीओ का संदेश दिया गया। मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम से शुरू वॉकथॉन इंडिया गेट की परिक्रमा कर वापस नेशनल स्टेडियम पहुंचा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फिट इंडिया विजन के मद्देनजर वीएसआई ने वॉकथॉन का आयोजन किया। इसका मुख्य लक्ष्य शरीर के अंग विच्छेद की स्थिति पैदा करने वाले कारणों (डायबीटीज, धूम्रपान, ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल बढ़ने) से बचना है। स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल, जागरुकता और किसी अन्य समस्या का समय से निदान कर यह लक्ष्य पूरा होगा। वैस्कुलर सोसाइटी ऑफ इंडिया के सचिव डॉ. तपिश साहू ने कहा, हमारा मिशन एम्प्युटेशन फ्री इंडिया बनाने के मकसद से संपूर्ण वैस्कुलर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करा सभी समुदायों को अधिक स्वस्थ बनाना है। अभियान में पूरे भारत का उत्साह देख कर हम बहुत प्रोत्साहित हैं।

इलियाना डिक्रूज के बच्चे के पिता का नाम और शादी की सारी जानकारी आई सामने

मुबंई/बॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज बिना शादी के मां बन गई हैं। मंगलवार, एक अगस्त को इलियाना ने एक बच्चे को जन्म दिया। उन्होंने इस बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर अपने फैंस को ये खुशखबरी दी। इसके बाद इलियाना का पति कौन है, उनकी शादी कब हुई समेत तमाम जानकारियां सामने आ गई हैं।

इलियाना ने 18 अप्रैल को अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। उन्होंने अपना बेबी बंप दिखाते हुए एक फोटो शेयर की थी, फिर शनिवार, 05 अगस्त को उन्होंने एक पोस्ट शेयर कर बताया कि उन्होंने एक बच्चे को जन्म दिया है। इलियाना ने विगत एक अगस्त को बच्चे को जन्म दिया। कल रात उन्होंने बच्चे की एक झलक दिखाई, उन्होंने इसका नाम "कोआ फीनिक्स डोलन" रखा। फोटो को कैप्शन देते हुए उन्होंने लिखा, "हम शब्दों में बयां नहीं कर सकते कि हम अपने प्यारे बेटे का दुनिया में स्वागत करते हुए कितने खुश हैं। मन आनंद से भर जाता है।"

इलियाना के बच्चे के जन्म के बाद अब बच्चे का पिता कौन है? इस बात की जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोट्र्स के अनुसार इलियाना ने अपनी गर्भावस्था की घोषणा करने के चार सप्ताह बाद शादी कर ली। इलियाना के पति का नाम माइकल डोलन है। दोनों 13 मई को शादी के बंधन में बंधे।

इलियाना और माइकल की शादी कहां हुई? यह किस समय हुई? इस बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन कुछ महीने पहले इलियाना ने दुल्हन की पोशाक में एक तस्वीर शेयर की थी। उस वक्त उनके चारों ओर सजावट देखने को मिल रही थी, लेकिन अभी तक ये साफ नहीं हो पाया है कि ये उनकी शादी की फोटो है या फोटोशूट। इस बीच माइकल डोलन वास्तव में कौन हैं, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है, लेकिन कहा जाता है कि इलियाना और वह एक-दूसरे को पिछले साल से जानते हैं।

एशिया कप और विश्व कप के बारे में अभी नहीं सोच रहा : युजवेंद्र चहल

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर युजवेंद्र चहल ने कहा है कि वह इस समय एशिया कप और विश्व कप के लिए टीम में अपनी जगह को लेकर नहीं सोच रहे हैं। उनका ध्यान इस समय वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जा रही टी-20 सीरीज पर है।

भारतीय टीम इस समय वेस्टइंडीज के दौरे पर है, जहां टीम 2 टेस्ट मैचों की सीरीज और तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के बाद पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेल रही है। टी-20 सीरीज का पहला मैच भारतीय टीम हार गई थी। ऐसे में भारतीय टीम दूसरे टी-20 में जीत के साथ वापसी करना चाहेगी। दोनों टीमों के बीच दूसरा टी 20 मैच आज (रविवार) खेला जाएगा।

दूसरे टी-20 मैच से पहले प्रेस कांफ्रेंस में चहल ने कहा कि मेरा ध्यान केवल इस बात पर है कि मैं यहां हूं। अभी चार मैच बचे हैं और मुझे इनमें अच्छा प्रदर्शन करना है। मैं उन चीजों के बारे में नहीं सोचता, जो मेरे हाथ में नहीं हैं। मैं कदम दर कदम सोचता हूं। मैं एशिया कप या विश्व कप के बारे में नहीं सोच रहा हूं, मैं केवल वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 सीरीज के बारे में सोच रहा हूं।

एशिया कप और विश्व कप के लिए भारतीय टीम की प्लेइंग 11 में एक स्पिन ऑलराउंडर के रूप में रविन्द्र जडेजा लगभग तय माने जा रहे हैं। उनके बैकअप के रूप में अक्षर पटेल पहली पसंद होने वाले हैं। वहीं कलाई के स्पिनरों में कुलदीप यादव चहल से आगे बने हुए हैं।

इस पर चहल ने कहा कि टीम संयोजन हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज है। यदि आप देखें, तो नंबर 7 पर या तो जडेजा (रविन्द्र जडेजा) या अक्षर (अक्षर पटेल) खेलते हैं, इसलिए विकेट के आधार पर हम तीन स्पिनरों को खिलाते हैं। अभी कुलदीप अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं, उनकी लय अच्छी है, इसलिए उन्हें मौका मिल रहा है। मैं बस नेट्स पर अभ्यास करता रहता हूं, ताकि जब भी मौका मिले मैं उसका फायदा उठा सकूं। युजवेंद्र चहल लगातार टीम का हिस्सा बने हुए हैं, लेकिन टीम संयोजन के चलते उन्हें कई मैचों में मौका नहीं मिल पाता है।

फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' का बॉक्स ऑफिस पे जलवा बरकरार

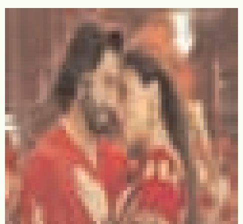

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म "रॉकी और रानी की प्रेम कहानी" को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म की भव्यता, गाने, निर्देशन, दिग्गज कलाकार ये सब फिल्म के पहलू हैं, इसलिए इस फिल्म को बनने में चार महीने लगे हैं। अब इस बात का खुलासा हो गया है कि फिल्म ने रिलीज के नौ दिनों में कितनी कमाई की है। फिल्म "रॉकी और रानी की प्रेम कहानी" को दर्शकों से पॉजिटिव रिस्पॉन्स भी मिल रहा है। इस तरह यह बात सामने आई है कि फिल्म ने 9वें दिन अच्छी कमाई की है। अनुमान है कि रविवार को यह घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ का आकंड़ा भी छू लेगी। रणवीर सिंह और आलिया भट्ट स्टारर इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन यानी 28 जुलाई को 11.10 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इसके बाद वीकेंड में फिल्म ने अच्छी कमाई की। फिल्म ट्रेड एनालिस्ट सुमित काडेल ने कहा, "फिल्म ने दूसरे शनिवार को 11.50-12 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। यह राजस्व में अच्छी वृद्धि है। अगले हफ्ते फिल्म की कमाई और बढ़ने की संभावना है।" वहीं, वर्ल्डवाइड कमाई की बात करें, तो फिल्म ने 146 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। वहीं आप को बता दें कि फिल्म का बजट 160 करोड़ रुपये है। 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' एक पारिवारिक फिल्म है। यह फिल्म 28 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म का निर्देशन करण जौहर ने किया है। इस फिल्म के जरिए करण जौहर ने सात साल बाद वापसी की है। इस फिल्म में आलिया भट्ट और रणवीर सिंह के साथ कई बेहतरीन कलाकार हैं। इस फिल्म के लिए उन्होंने जया बच्चन, शबाना आजमी, धर्मेंद्र जैसे दिग्गज कलाकारों को कास्ट किया है।

ट्रायथलान चैम्पियनशिप में गोरखपुर के विष्णु रहे अव्वल

लखनऊ (हि.स.)। मिनी ऑरेंज उत्तर प्रदेश स्टेट ट्रायथलॉन चैम्पियनशिप का आयोजन गुरु गोविंद सिंह स्पोट्र्स कॉलेज लखनऊ में किया गया। इसमें गोरखपुर के विष्णु चौहान पुरूष वर्ग में अव्वल रहे। वहीं महिला वर्ग में मिजार्पुर की रनिंग निषाद अव्वल रहीं। उत्तर प्रदेश ट्रायथलॉन एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रदेश लगभग 22 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में 750 मीटर तैराकी 20 किलोमीटर साइकिलिंग एवं पांच किमी दौड़ पूरी करनी होती है। प्रतियोगिता में पुरूष वर्ग में विष्णु चौहान गोरखपुर ने एक घंटा 8 मिनट 18 सेकंड से पहला स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान गौतम बुद्ध नगर के सुरेंद्र मलिक तथा निक्की साहनी बनारस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं महिला वर्ग में प्रथम स्थान मिजार्पुर की रनिंग निषाद ने प्राप्त किया। प्रतिभागियों को क्षेत्रीय क्रीडा अधिकारी एवं प्रधानाचार्य गुरु गोविंद सिंह स्पोट्र्स कॉलेज, लखनऊ अजय कुमार सेठी के द्वारा पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार समारोह में सीईओ रविन कपूर, अध्यक्ष एस एस दत्ता, सचिव उत्तर प्रदेश ट्रायथलॉन संघ के सचिव संदीप मिश्रा एवं कोषाध्यक्ष जितेंद्र के द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र तमाम टी शर्ट वितरित की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

मानसा की तीरंदाज को विश्वचैंपियन बनने पर खेल मंत्री ने दी बधाई

चंडीगढ़ (हि.स.)। पंजाब के खेल मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने मानसा की तीरंदाज परनीत कौर को तीरंदाज का विश्व चैंपियन बनने पर बधाई दी है। बर्लिन में विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप के फाइनल में भारतीय महिला कम्पाउंड टीम ने मैक्सिको को 235-229 से हरा कर स्वर्ण पदक जीता। स्वर्ण पदक विजेता टीम में पंजाब के मानसा जिले के गांव मंढाली की परनीत कौर भी शामिल थी। खेल मंत्री ने समूची टीम को इस ऐतिहासिक प्राप्ति के लिए बधाइयां देते हुये कहा कि गौरवान्वित लड़कियों ने तीरंदाजी खेल में देश का नाम रोशन किया है। मीत हेयर ने इस प्राप्ति का श्रेय खिलाड़ियों, उनके कोच और अभिभावकों को दिया। उन्होंने कहा कि इस प्राप्ति में पंजाब के मानसा जिले के गाँव मंढाली की परनीत कौर का भी योगदान था, जो स्वर्णिम प्राप्ति वाली टीम की अहम सदस्य थी।

चीनी खिलाड़ी से हारकर ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतने से चूके एचएस प्रणय

सिडनी (हि.स.)। भारतीय बैडमिंटन स्टार एचएस प्रणय ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतने से चूक गए हैं। प्रणव को पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में चीन के वेंग होंगयांग से 9-21, 23-21, 20-22 से हार का सामना करना पड़ा। चीनी खिलाड़ी वेंग ने प्रणय को तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में हरा दिया। प्रणय ने सेमीफाइनल में हमवतन प्रियांशु रजावत को 21-18, 21-12 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। फाइनल मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली। पहले गेम को चीनी खिलाड़ी हेंग ने मजबूत शुरूआत करते हुए 21-9 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भारतीय स्टार प्रणय ने वापसी की और दूसरे गेम को 23-21 से अपने पक्ष में किया। तीसरे गेम में प्रणय ने वेंग को चुनौती दी, लेकिन इस गेम को प्रणव ने 22-20 से गंवा दिया। इस तरह वेंग ने खिताब अपने नाम कर लिया।

लखनऊ : हॉकी लीग चैम्पियनशिप सोमवार से

लखनऊ (हि.स.)। बालक और बालिका सीनियर हॉकी लीग चैम्पियनशिप की शुरूआत सोमवार से होगी। पद्मश्री मो. शाहिद एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में खेली जाने वाली यह प्रतियोगिता दो सितम्बर तक होगी। यह जानकारी हाकी संघ के सचिव अविनाश श्रीवास्तव ने दी। उन्होंने बताया कि यह चैम्पियनशिप बालक वर्ग में सुपर लीग के आधार पर खेली जाएगी। सुपर लीग में चार टीमों को सीधे प्रवेश दिया गया है। सीधे प्रवेश पाने वाली टीमों में स्पोट्र्स हास्टल (गत वर्ष विजेता), एस.एस. बी. (गत वर्ष उप विजेता), एस.ए.आई. (गत वर्ष के सेमी फाइनलिस्ट), गुरुगोविंद सिंह स्पोट्र्स कॉलेज (गत वर्ष सेमी फाइनलिस्ट) हैं।

आरआईएल ने मुकेश अंबानी को सीएमडी बनाने के लिए शेयरधारकों से मंजूरी मांगी

नई दिल्ली (हि.स.)। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) मुकेश अंबानी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का कार्यकाल पांच साल के लिए आगे बढ़ाना चाहती है।अभी मुकेश अंबानी 66 वर्ष के हैं और नए कार्यकाल में वे 70 साल की उम्र पार कर जाएंगे। ऐसे में आगे नियुक्ति के लिए उन्हें शेयरधारकों के विशेष प्रस्ताव की जरूरत है।

कंपनी ने रविवार को जारी बयान में बताया कि विशेष प्रस्ताव में रिलायंस ने मुकेश अंबानी को अप्रैल, 2029 तक कंपनी का चेयरमैन नियुक्त करने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मांगी है। मुकेश अंबानी रिलायंस के निदेशक मंडल में वर्ष 1977 से हैं। वे जुलाई, 2002 में अपने पिता और समूह के संस्थापक धीरूभाई अंबानी के निधन के बाद कंपनी के चेयरमैन बन गए थे।

शेयरधारकों को भेजे प्रस्ताव के मुताबिक रिलायंस के निदेशक मंडल ने 21 जुलाई, 2023 को मुकेश अंबानी को प्रबंध निदेशक के तौर पर आगे पांच साल के लिए नियुक्ति करने को मंजूरी दे दी है। प्रस्ताव में कहा गया है कि अंबानी के अनुरोध पर बोर्ड ने सिफारिश की है कि 19 अप्रैल, 2024 से लेकर 18 अप्रैल, 2029 तक प्रस्तावित अवधि के लिए उन्हें कोई वेतन या लाभ-आधारित कमीशन का भुगतान नहीं किया जाएगा। मुकेश अंबानी को वित्त वर्ष 2020-21 से लगातार तीन वर्षों तक कोई वेतन और लाभ-आधारित कमीशन का भुगतान नहीं किया गया है।

विकास | **भाजपा की केंद्र और राज्य की सरकार ने प्रदेश का चहुंमुखी विकास किया है। भाजपा शासनकाल में हर वर्ग की चिंता की गई है**

राष्ट्र को परम वैभव पर पहुंचाने के लिए भाजपा सरकार बनाने का संकल्प लें कार्यकर्ता: नरेंद्र सिंह तोमर

भोपाल (हि.स.)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने रविवार को कहा कि भाजपा की केंद्र और राज्य की सरकार ने प्रदेश का चहुंमुखी विकास किया है। भाजपा शासनकाल में हर वर्ग की चिंता की गई है और उनका जीवन बदलने का काम किया गया है। राष्ट्र और प्रदेश को परम वैभव की ओर ले जाने का काम भाजपा के कार्यकर्ता ही कर सकते हैं। जब-जब भी आप दृढ़ निश्चय के साथ मैदान में उतरे हैं और मन लगाकर काम किया है, तब-तब पार्टी ने बहुमत से जीत हासिल की है। आने वाले समय में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव होने जा रहे हैं। इन चुनावों में जीत के लिए आपको अभी से जुटना होगा। तभी राष्ट्र को परम वैभव पर पहुंचाने की हमारी संकल्पना पूरी होगी।

केंद्रीय मंत्री तोमर रविवार को भोपाल के नरेला विधानसभा में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार की लाडली लक्ष्मी और लाडली बहना जैसी योजनओं से महिलाओं का आत्मसम्मान बढ़ा है। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला, आयुष्मान भारत जैसी कई योजनाएं चलाईं, जिनसे जनता का कल्याण हुआ। पहले गरीब लोग बैंकों तक पहुंच नहीं पाते थे। अधोसंरचना की बात करें तो 2003 के पहले मध्यप्रदेश में मि. बंटाधार मुख्यमंत्री हुआ करते थे और प्रदेश की सड़कों पर चुटकुले बनने लगे थे। 2003 के बाद से जब से भाजपा की सरकार आई है, प्रदेश की सभी सड़कें बढ़िया हो गई हैं। पहले भोपाल को भी बिजली नहीं मिलती थी लेकिन आज 28 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन कर गांवों को बिजली दे रहे हैं। प्रदेश में पहले सिर्फ 6 मेडिकल कॉलेज थे, अब मेडिकल कॉलेज की संख्या 25 हो गई है।

उन्होंने कहा कि हम सब सौभाग्यशाली हैं कि राजनीतिक क्षेत्र में काम करने के लिए भाजपा कार्यकर्ता के रूप में ईश्वर ने हमें प्रेरित किया है। दुनिया में भाजपा एकमात्र ऐसा राजनीतिक दल है जिसकी कथनी और करनी में अंतर नहीं है। कांग्रेस ने नारा दिया था कि देश से गरीबी हटाएंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। केंद्र और प्रदेश में जब भाजपा की सरकार आई तो गरीब कल्याण के विकास का खाका खींचा गया। मध्यप्रदेश में 2003 में प्रति व्यक्ति आय 11 हजार थी जो आज 1.40 लाख रुपये हो गई है। यह भाजपा ही है जिसकी कथनी-करनी में एकरूपता है।

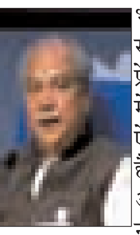

हर कार्यकर्ता 10-10 लोगों को फोन करके भाजपा के जीत का दिलाएं संकल्प

तोमर ने कहा कि मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने खूब जन कल्याणकारी काम किए हैं और विकास भी किया है, लेकिन अब फिर से विधानसभा चुनाव आ रहे हैं और एक बार फिर से भाजपा की सरकार बनाने के लिए आप कार्यकताओं को लगना पड़ेगा। आप सबको बूथ स्तर तक जाकर सरकार की योजनाओं का ठीक ढंग से प्रचार-प्रसार करना होगा और जनता से सीधे बात करना पड़ेगी। तभी विधानसभा और लोकसभा दोनों चुनावों में हमारी जीत होगी। उन्होंने कहा कि हमें कांग्रेस को परास्त करना है और इसके लिए सभी कार्यकताओं का सहयोग जरूरी है। आज हर हाथ के पास फोन है, मेरा अनुरोध है आज नरेला विधानसभा से आवाज आनी चाहिए कि नवंबर में भाजपा की सरकार पूरे बहुमत के साथ बनेगी। प्रदेशभर में आप अपने परिचितों को दस-दस फोन करके भाजपा के विजय का संकल्प दिलवाएं। आपके छोटे से प्रयास से भाजपा की फिर से सरकार बनेगी।

चहुंमुखी विकास कार्यों के बल पर नरेला बनी आदर्श विधानसभा

इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक एवं मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है देश में मोदी जैसा नेता व प्रधानमंत्री हमें मिला है। हम सौभाग्यशाली हैं कि प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान जैसे नेता मुख्यमंत्री है, जिन्होंने प्रदेश के चहुंमुखी विकास का खाका खींचा है। शिवराज सरकार ने प्रदेश में अमूलचूल परिवर्तन किया है। बहनों की तो बल्ले-बल्ले हो गई है। आज नरेला का चहुंमुखी विकास हुआ। क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछाया गया, हर घर तक नर्मदा का जल पहुंचाया, पुल बनवाए गए, हर वार्ड में संजीवनी क्लीनिक बनाई गई। आज नरेला सबसे विकसित विधानसभाओं में शामिल है। आज हमें फिर संकल्प के साथ जाना होगा कि 2023 में प्रदेश और 2024 में देश में भाजपा की सरकार बनाएंगे।

भोपाल में कई स्थानों पर एनआईए का छापा, कुछ संदिग्ध हिरासत में

भोपाल (हि.स.)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने रविवार अलसुबह भोपाल में कई स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। इस कार्रवाई को छत्तीसगढ़ में गिरफ्तार एक नक्सली की देश विरोधी गतिविधियों से जोड़कर देखा जा रहा है। फिलहाल एनआईए ने प्रदेश की सुरक्षा एजेंसियों को इस कार्रवाई को लेकर किसी प्रकार की जानकारी नहीं दी है। हिरासत में लिए गए संदिग्धों को अज्ञात स्थानों पर ले जाकर पूछताछ की जा रही है। सूत्रों के अनुसार दिल्ली में दर्ज एक पुराने मामले से जुड़े एक संदिग्ध को एनआईए ने गत दिनों छत्तीसगढ़ के रायपुर से गिरफ्तार किया था और उससे पूछताछ में भोपाल में कुछ लोगों के देशविरोधी गतिविधियों में शामिल होने की जानकारी मिली थी। इसी इनपुट के आधार पर रविवार सुबह एनआईए की टीम उसे लेकर भोपाल पहुंची और यहां पुराने शहर के अशोकागार्डन, ऐशबाग और जहांगीराबाद में छापेमारी की। एनआईए की टीम ने भोपाल के जहांगीराबाद इलाके में दबिश देकर समीना नाम की एक महिला और उसके देवर शोएब समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया। सूत्रों के अनुसार इस बार एनआईए ने कार्रवाई की जानकारी स्थानीय पुलिस से भी साझा नहीं की है। उनकी टीम ने ही कार्रवाई की है। इस मामले में रायपुर और दिल्ली की एनआईए की टीम इस आपरेशन में शामिल है। अभी एनआईए की ओर से इस कार्रवाई को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई है। एनआईए पूरे घटनाक्रम की जानकारी सीधे दिल्ली में अधिकारियों को दे रही है। हिरासत में लिए गए संदिग्धों को एनआईए ने अपने जहांगीराबाद दफ्तर की जगह दूसरे स्थान पर रखा है। इस मामले में भोपाल पुलिस कुछ भी बोलने से बच रही है।

उत्तराखंड में बरसात का कहर जारी, 10 अगस्त तक आरेंज और येलो अलर्ट जारी

देहरादून (हि.स.)। उत्तराखंड में वषार्काल में पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन और पहाड़ चटकने की घटनाएं लोगों पर पर मुसीबत बन कर टूट रही हैं। टिहरी जिले के धनौल्टी में एक आवासीय मकान गिरने से दो बच्चों की दबकर मौत हो गई और एक घायल हो गया। ऋषिकेश बद्रीनाथ और ऋषिकेश यमुनोत्री सहित चार राष्ट्रीय राजमार्गों को लेकर कुल 212 सड़कें बाधित हैं। गौरीकुंड में लापता 20 लोगों के खोजबीन के लिए रेस्क्यू कार्य जारी है। प्रदेश भर में 10 अगस्त तक के लिए गरज चमक के साथ भारी से बहुत भारी बारिश को लेकर ऑरेंज और येलो अलर्ट की चेतावनी जारी की गई है। टिहरी जिले के तहसील धनौल्टी में ग्राम मरोड़ा में रात्रि में हुई बारिश से प्रवीण दास के मकान के पीछे की दीवार टूट गई, जिसमें उनके दो बच्चे दब गए। मकान मलबे की चपेट में आने से दो बच्चों की मृत्यु हुई है एक घायल हो गए। कुमाल्डा पुलिस चौकी ने शवों को बरामद किया। राजस्व उप निरीक्षक ल्वारखा और पुलिस चौकी सत्यों की टीम ने बच्चों को मलबे से निकाला। दोनों बच्चों को पीएचसी सत्यों पहुंचाया गया। डाक्टर ने उन्हें अस्पताल में मृत घोषित किया है। इस घटना में मृतक बच्चों में स्नेहा (12) पुत्री प्रवीण दास और रणवीर (10) पुत्र प्रवीण दास शामिल हैं। बच्चों को मलबे से निकालने में एसडीआरएफ सहित पुलिस-प्रशासन का सहयोग रहा। रविवार सुबह देहरादून सहित अन्य स्थानों पर सूर्यदेव कुछ क्षण के निकले, लेकिन फिर बादलों के ओट में फिर छिप गये। राज्य के अधिकतर स्थानों पर दोपहर तक मध्यम से तेज गति की बारिश का क्रम रुक-रुक कर जारी है। जनपद देहरादून थानों तथा सोडा-सरौली के बीच भोपालपानी में देर रात्रि अतिवृष्टि से दो मकानों में जलमग्न की सूचना मिली। इस पर एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुंच कर राहत बचाव शुरू किया और जेसीबी की सहायता से रेस्क्यू कर सभी प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार राज्य भर में के लिए कहीं-कहीं गरज चमक के साथ भारी से भारी से बहुत भारी बारिश के दौर को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश भर में आज के लिए येलो अलर्ट और आठ अगस्त के लिए पिथौरागढ़,चंपावत, नैनीताल, उधमसिंह नगर में ऑरेंज और 09 अगस्त के लिए चमोली, रुद्रप्रयाग, पौड़ी गढ़वाल बागेश्वर में ऑरेंज और शेष जिलों के लिए येलो जबकि 10 अगस्त के लिए सभी जिलों जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान गरज चमक के साथ भारी से बहुत भारी बारिश के तीव्र से अति तीव्र दौर की संभावना है। बारिश से संवेदनशील इलाकों में कहीं-कहीं हल्के से मध्यम भूस्खलन और चट्टान गिरने के कारण सड़कों और राजमार्गों में कटाव से अवरोध होने और निचले इलाकों में जल भराव की स्थिति बन सकती है। प्रदेश में लगातार हो रही बारिश से पहाड़ों में सड़कों के अवरुद्ध होने का सिलसिला जारी है। उत्तरकाशी जिले में ऋषिकेश-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग कल्याणी हरेती के पास मलवा आने के कारण बंद है। ऋषिकेश चंबा धरासू मार्ग एनएच 94 किमी. 87 में मलबा आने से बाधित है। पुल चकराता 707 ए और चमोली जिले में ऋषिकेश बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पीपलकोटी, टंगड़ी, हेलंग, मारवाड़ी पुल के पास मलबा आने से बाधित है। भूस्खलन से मार्गों का बंद होना और खुलने का सिलसिला जारी है। प्रदेश में पिथौरागढ़ जिले में 03 बॉर्डर मार्ग सहित कुल 212 सड़कें बाधित हैं।

रामबन के चंद्रकोट बेस कैंप में रोकी गई अमरनाथ यात्रा फिर से शुरू

जम्मू (हि.स.)। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग बंद होने के कारण रामबन जिले के चंद्रकोट बेस कैंप में रोकी गई अमरनाथ यात्रा रविवार को कुछ देर के बाद फिर से शुरू हो गई। पुलिस ने बताया कि जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात रविवार को एक बार फिर से बहाल कर दिया गया। जम्मू-कश्मीर पुलिस के आधिकारिक ट्विटर पर कहा गया है कि जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बहाल हो गई है। बीआरओ की मशीनों तथा कर्मचारियों की सहायता से राजमार्ग पर से मलबा हटा लिया गया है। रविवार सुबह रामबन इलाके में भूस्खलन के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो गया था। इसी बीच जम्मू के भगवती नगर स्थित आधार शिविर से सुबह 1626 तीर्थयात्रियों का एक जत्था अमरनाथ के लिए रवाना हुआ था। इसमें से 1092 श्रद्धालु अनंतनाग जिले के पहलगाम आधार शिविर की ओर रवाना हुए थे, जबकि 534 श्रद्धालु गांदरबल जिले के बालटाल आधार शिविर की तरफ रवाना हुए। भूस्खलन के कारण रामबन के चंद्रकोट बेस कैंप पर यात्रा कुछ देर के लिए रोकी गई थी।

मप्र के 34 स्टेशनों का 982.3 करोड़ रुपये से होगा पुनर्विकास, प्रधानमंत्री मोदी ने किया वर्चुअली शिलान्यास

भोपाल (हि.स.)। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत मध्यप्रदेश के 34 रेलवे स्टेशनों का 982.3 करोड़ रुपये से पुनर्विकास होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को देशभर के 508 रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए रिमोट के जरिए वर्चुअली शिलान्यास किया। इनमें संत हिरदाराम नगर स्टेशन सहित भोपाल रेल मंडल के 11 स्टेशन भी शामिल हैं, जिनकी तस्वीर बदलने जा रही है। इन स्टेशनों पर 235 करोड़ रुपये से पुनर्विकास होगा। कुल 982 करोड़ रुपये की लागत से मध्यप्रदेश के 34 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जाएगा। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत अभी मध्यप्रदेश में भोपाल के रानी कमलापति स्टेशन का पुनर्विकास कर इसे विश्व स्तरीय बनाया गया है। अब प्रदेश के 34 अन्य स्टेशनों को भी इसी योजना के अंतर्गत अगले 30 साल की जरूरतों को ध्यान में रखकर पुनर्विकसित किया जाएगा। भोपाल रेल मंडल के 11 रेलवे स्टेशन भी 235.2 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किए जाएंगे। इनमें इटारसी जंक्शन, गुना, गंजबासौदा, संत हिरदाराम नगर, ब्यावरा-राजगढ़, शिवपुरी, रुठियाई, बानापुरा, विदिशा, नर्मदापुरम और हरदा रेलवे स्टेशन शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को इन स्टेशनों का वर्चुअली शिलान्यास किया। संबंधित स्टेशन पर हुए कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल हुए। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान विदिशा रेलवे स्टेशन, जबकि राज्यपाल मंगुभाई पटेल संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन (भोपाल) के कार्यक्रम में शामिल हुए। विदिशा में शामिल हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में शक्तिशाली भारत का निर्माण हो रहा है। उनके नेतृत्व में देश, प्रगति और विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। 2014 के पहले दुनिया भारत को न सम्मान देती थी, न गिनती थी। वर्ष 2009 से 2014 तक पांच साल में मध्यप्रदेश को 632 करोड़ रुपये का रेलवे बजट दिया गया था, लेकिन प्रधानमंत्री के नेतृत्व में साल 2023-24 में प्रदेश को 13 हजार 607 करोड़ का रेलवे बजट मिला है। राजधानी भोपाल संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर हुए कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल शामिल हुए। कार्यक्रम में राज्यपाल पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास की ओर अग्रसर है। मोदी ने रेल क्षेत्र में प्रदेश को बहुत सौगातें दी हैं।

छात्रों के सर्वांगीण विकास व कल्याण के लिए समाज में भी बदलाव जरूरी: राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को कहा कि यह हमें ऐसा वातावरण बनाने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का प्रयास करना चाहिए, जहां हमारे युवा आत्मविश्वास और साहस के साथ चुनौतियों का सामना करने के लिए मूल्यवान और सशक्त महसूस करें।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मद्रास विश्वविद्यालय के 165वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों को ऐसे वातावरण का सृजन करना चाहिए जो पारस्परिक संचार को प्रोत्साहन दे, जहां छात्र निर्णय से डरे बिना अपने डर, चिंताओं और संघर्षों पर चर्चा करने में सहज महसूस करें।

राष्ट्रपति ने कहा कि आज के अत्यधिक प्रतिस्पर्धा के समय में शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने का दबाव, अच्छे संस्थानों में प्रवेश न पाने का डर, प्रतिष्ठित नौकरी न मिलने की चिंता और माता-पिता एवं समाज की अपेक्षाओं का दबाव हमारे युवाओं में तीव्र मानसिक तनाव पैदा कर रहा है।उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि हम इस विषय को संबोधित करने के लिए एक समाज के रूप में एक साथ आएं और एक ऐसा वातावरण बनाएं जो हमारे छात्रों के समग्र विकास और कल्याण को बढ़ावा दे। उन्होंने छात्रों से भी आग्रह किया कि वे कभी भी किसी भी चिंता को अपने ऊपर हावी न होने दें। उन्होंने उन्हें अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखने और आगे बढ़ते रहने की सलाह दी। अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि वर्ष 1857 में स्थापित, मद्रास विश्वविद्यालय को भारत के सबसे पुराने आधुनिक विश्वविद्यालयों में से एक होने का गौरव प्राप्त है। इस विश्वविद्यालय ने ज्ञान के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि 165 से अधिक वर्षों की अपनी यात्रा के दौरान मद्रास विश्वविद्यालय ने शिक्षण के उच्च मानकों का पालन किया है, एक ऐसा वातावरण प्रदान किया है जो बौद्धिक जिज्ञासा और महत्वपूर्ण सोच का पोषण करता है। यह अनगिनत विद्वानों, नेताओं और दूरदर्शी व्यक्तिव के सृजन का एक उद्गम स्थल रहा है, इसने एक प्रकाश स्तम्भ के रूप में भी कार्य किया है, जो भारत के दक्षिणी क्षेत्र में कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों की स्थापना और विकास में निर्णायक भूमिका निभा रहा है।

मद्रास विश्वविद्यालय के समृद्ध इतिहास और गौरवशाली विरासत का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि इस संस्थान के पूर्व छात्र उत्कृष्टता के वैश्विक केंद्र के रूप में इसके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वे युवा छात्रों का मार्गदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को संस्थान की बेहतरी के लिए पूर्व छात्रों से भी संपर्क रखना चाहिए और उनका सहयोग लेना चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि मद्रास विश्वविद्यालय ने अनुसंधान और शिक्षण की संस्कृति को बढ़ावा दिया है। उन्होंने मद्रास विश्वविद्यालय से अत्याधुनिक अनुसंधान में अधिक निवेश करने, अंतर-शास्त्र अध्ययन को प्रोत्साहित करने और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने का आहवान किया। मद्रास विश्वविद्यालय को देश और दुनिया के समक्ष आ रही समस्याओं का समाधान करने के लिए सीखने पर धारित समाधान खोजने में अग्रणी होना चाहिए।

पर्वतीय निगरानी के लिए भारतीय सेना में शामिल किये गए स्वाति माउंटेन राडार

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय सेना ने उच्च ऊंचाई वाले इलाकों पर नजर रखने के लिए स्वाति माउंटेन राडार को अपने पर्वतीय निगरानी बेड़े में शामिल किया है। उप सेना प्रमुख (सीडी एंड एस) लेफ्टिनेंट जनरल जेबी चौधरी ने राडार प्रणाली को हरी झंडी दिखाई, जो सेना की युद्धक्षेत्र निगरानी क्षमताओं को मजबूत करेगी। यह राडार पर्यावरणीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए युद्ध के मैदान में छोटे प्रोजेक्टाइल का पता लगाने और ट्रैक करने में सक्षम है।

देश की युद्धक्षेत्र निगरानी और टोही क्षमताओं को मजबूत करने के लिए भारतीय सेना ने स्वदेशी रूप से विकसित हथियार लोकेटिंग राडार (डब्ल्यूएलआर-एम) के हल्के और अधिक कॉम्पैक्ट संस्करण को शामिल किया है, जिसे 'स्वाति माउंटेन' कहा जाता है। उत्तर प्रदेश के आगरा में हुए एक समारोह में सेना स्टाफ (डीसीओएएस) के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल जेबी चौधरी ने राडार प्रणाली को हरी झंडी दिखाई।

इसे बेंगलुरु में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने विकसित किया है। आधुनिक सेनाओं के लिए विकसित वेपन लोकेटिंग राडार (डब्ल्यूएलआर) दुश्मनों के तोपखाने, मोर्टार और रॉकेट लॉन्चरों का स्वायत्त रूप से पता लगाने और ट्रैक करने के लिए उन्नत सिग्नल प्रोसेसिंग तकनीकों का उपयोग करता है। यह राडार पर्यावरणीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए युद्ध के मैदान में छोटे प्रोजेक्टाइल का पता लगाने और ट्रैक करने में सक्षम है। डब्लूएलआर को दुश्मन की हथियार प्रणालियों के बारे में जानकारी लेने के साथ ही इलेक्ट्रॉनिक युद्ध उपायों के प्रतिरोध को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है।

स्वाति राडार के दो संस्करण स्वाति मैदान (डब्ल्यूएलआर) और स्वाति पर्वत (डब्ल्यूएलआर-एम) हैं। मैदानी संस्करण को मुख्य रूप से शत्रु बंदूकों, मोटारों और रॉकेटों का पता लगाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह मैदानी इलाकों पर सुधारात्मक उपायों के लिए मित्रवत हथियारों से शॉट के गिरने को भी ट्रैक कर सकता है। दूसरी ओर सेना में शामिल किये गए स्वाति माउंटेन राडार अधिक कॉम्पैक्ट और मोबाइल संस्करण है, जिसे विशेष रूप से पहाड़ी और उच्च ऊंचाई वाले इलाकों में संचालन के लिए डिजाइन किया गया है।

रक्षा मंत्रालय ने 30 मार्च 2023 को भारतीय सेना के लिए उन्नत आकाश हथियार प्रणाली और 12 स्वाति माउंटेन राडार की खरीद के लिए 9,100 करोड़ रुपये से अधिक के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। पिछले साल भारतीय सेना ने छह अतिरिक्त स्वाति डब्ल्यूएलआर-एम का ऑर्डर दिया था। स्वाति प्लेन्स राडार के लिए हाल ही में दिए गए ऑर्डर को शामिल करने के साथ भारतीय सेना जल्द ही कुल 48 ऐसी प्रणालियों का संचालन करेगी।

राहुल की तरह नेतागीरी नहीं, कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट में करूंगा अपील: रामशंकर कठेरिया

इटावा (हि.स.)। आगरा की एक अदालत द्वारा दो साल की सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद रविवार को इटावा के भाजपा सांसद रामशंकर कठेरिया ने कहा कि वह राहुल गांधी की तरह नेतागीरी नहीं बल्कि इस फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील करेंगे। उन्हें भरोसा है कि हाई कोर्ट से न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि लोकसभा स्पीकर का जब तक कोई निर्देश नहीं मिलेगा, तब तक वह सांसद के तौर पर सरकारी कार्यक्रमों में शामिल भी होते रहेंगे।

सांसद कठेरिया इटावा रेलवे स्टेशन पर प्रधानमंत्री के आभासी रूप से आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने 27 राज्यों में 508 रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दिल्ली से आधारशिला रखी। इनमें 33 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले इटावा रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास भी शामिल है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर सांसद कठेरिया ने शिरकत की। उनके साथ सदर विधायक सरिता भदौरिया, रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

सांसद कठेरिया ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि सूरत कोर्ट के फैसले के बाद राहुल हाई कोर्ट में अपील करने की बजाय नेतागीरी करते रहे, इस वजह से उनकी सदस्यता खत्म हो गई। कठेरिया ने कहा कि आगरा कोर्ट के फैसले को स्वीकार कर इसके खिलाफ हाई कोर्ट में अपील करेंगे। उल्लेखनीय है कि टोरेंट पावर लिमिटेड के कर्मचारी के साथ मारपीट के वर्ष 2011 के एक मामले में आगरा के एमपी-एमएलए कोर्ट ने शनिवार को सांसद कठेरिया को दो साल के कारावास और 50 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई।

सांसद कठेरिया ने इस मामले का जिक्र कर कहा कि बसपा शासनकाल में आगरा के शमसाबाद रोड पर रहने वाली एक महिला कपड़ों पर प्रेस करके अपने बच्चों का पालन पोषण करती थी। उसका एक लाख रुपये से अधिक का बिजली बिल आया। इसे लेकर उक्त महिला कई बार टोरेंट के ऑफिस गई, लेकिन उसे राहत नहीं मिली। उसके बाद पीड़िता मेरे पास आई और दस हजार रुपये में उसका फैसला हुआ। महिला जब पैसे जमा करने गई तो वहां पर उसके साथ अभद्रता और मारपीट की गई थी, जिसके बाद वह महिला अपने बच्चों को लेकर मेरे आवास पर आई और आत्महत्या करने की बात कहने लगी। मैं उसे तत्काल टोरेंट बिजली ऑफिस लेकर गया और उसका पैसा जमा करवाया।

भाजपा सांसद कठेरिया ने कहा कि वहां पर कोई भी इस तरीके की घटना घटित नहीं हुई थी, लेकिन बसपा सरकार चाहती थी कि कोई भी टोरेंट कंपनी का विरोध न करे, इसलिए मेरे ऊपर एफआईआर दर्ज करवाकर एक संदेश देने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि कोर्ट की सजा को वह स्वीकार करते हैं और इस मामले में वह हाई कोर्ट में अपील करेंगे। उन्हें भरोसा है कि हाई कोर्ट से न्याय मिलेगा।

प्रधानमंत्री आज राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह में भाग लेंगे

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार, 07 अगस्त को दोपहर 12 बजे दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार प्रधानमंत्री हमेशा से देश की कलात्मकता और शिल्प कौशल की समृद्ध परंपरा को जीवित रखने वाले कारीगरों और शिल्पकारों को प्रोत्साहन और नीतिगत समर्थन देने के दृढ़ समर्थक रहे हैं। इस दृष्टिकोण से प्रेरित होकर सरकार ने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाना शुरू किया और इस तरह का पहला उत्सव स्वदेशी उद्योग और विशेषकर हथकरघा बुनकर 07 अगस्त 2015 को आयोजित किया गया था। इस तारीख को विशेष रूप से स्वदेशी आंदोलन के लिए एक श्रद्धांजलि के रूप में चुना गया था, जिसे 07 अगस्त 1905 को शुरू किया गया था। इस साल 9वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री भारतीय वस्त्र एवं शिल्प कोष का ई-पोर्टल भी लॉन्च करेंगे। इसे राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) ने तैयार किया है। कार्यक्रम में 3000 से अधिक हथकरघा और खादी बुनकर, कारीगर और कपड़ा और एमएसएमई क्षेत्रों के हितधारक भाग लेंगे। यह देशभर में हथकरघा समूहों, निफ्ट परिसरों, बुनकर सेवा केंद्रों, भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान परिसरों, राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम, हथकरघा निर्यात संवर्धन परिषद, केवीआईसी संस्थानों और विभिन्न राज्य हथकरघा विभागों को एक साथ लाएगा।

संक्षिप्त

भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण जैसी बुराइयां "भारत छोड़ो" : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंग्रेजों भारत छोड़ो की तर्ज पर भ्रष्टाचार भारत छोड़ो, ह्यपरिवारवाद भारत छोड़ो, तुष्टीकरण भारत छोड़ो शुरू करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 9 अगस्त सन्बयालीस को ऐतिहासिक "भारत छोड़ो" अभियान की शुरूआत हुई थी। देश इससे प्रेरित होकर हर बुराई को "भारत छोड़ो" कह रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे विपक्ष दल हर विषय में नकारात्मक राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी सरदार पटेल प्रतिमा पर आज तक विपक्ष का कोई बड़ा नेता नहीं गया। कर्तव्य पथ और नई संसद बनाई गई लेकिन वह भी आलोचना के केंद्र में रही। उन्होंने कहा कि आज तक देश के बलिदान शहीदों के लिए कोई मेमोरियल नहीं बनाया गया। हमने बनाया तो उसकी भी आलोचना की गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 27 राज्यों में 508 रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आधारशिला रखी। इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत विकसित होने के लक्ष्य की ओर अमृत काल में बढ़ रहा है। इसी आलोक में आज भारतीय रेल के इतिहास में भी एक नया अध्याय जुड़ रहा है। उन्होंने बताया कि करीब 1300 प्रमुख रेलवे स्टेशन अमृत भारत रेलवे स्टेशन के तौर पर विकसित किए जाएंगे। इनमें से 508 अमृत भारत स्टेशनों के पुनर्निर्माण का कार्य आज शुरू हो रहा है। इन स्टेशनों के नवीनीकरण पर 25 हजार करोड़ रुपए का खर्च आएगा। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत काल में देश ने अपनी विरासत पर गर्व करने का संकल्प लिया है। अमृत रेलवे स्टेशन इसका प्रतीक बनेंगे। इनमें देश की संस्कृति और स्थानीय विरासत की झलक मिलेगी। यह शहर की आधुनिक आकांक्षाओं और प्राचीन विरासत का प्रतीक बनेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 9 वर्षों में रेलवे का कायाकल्प करने के लिए इसके बजट में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी की गई है। इस साल 2.5 लाख करोड़ रूपया रेलवे के लिए खर्च किया जा रहा है। यह 2014 के मुकाबले 5 गुना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि रेलवे स्टेशनों के विकास का लाभ सभी राज्यों को मिलेगा। राजस्थान में भी 55 रेलवे स्टेशन अब अमृत भारत रेलवे स्टेशन बनेंगे। मध्य प्रदेश में 1000 करोड रुपए की लागत से 34 रेलवे स्टेशन का कायाकल्प होगा। महाराष्ट्र में 44 स्टेशन के विकास के लिए डेढ़ हजार करोड़ रुपए ज्यादा खर्च किए जाएंगे। पिछले सालों में रेलवे विकास और उपलब्धियों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 9 सालों में इतने रेलवे ट्रैक बिछाया गया है जो साउथ अफ्रीका, यूक्रेन, पोलैंड, ब्रिटेन और स्वीडन के रेल नेटवर्क से ज्यादा है। उन्होंने कहा कि आधुनिक ट्रेनों की भी संख्या तेजी से बढ़ रही है। ट्रेन से लेकर स्टेशन तक सभी प्रकार के अनुभवों को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब रेलवे पूर्वोत्तर क्षेत्र की आकांक्षाओं को भी पूरा कर रहा है। यहां नई लाइनें बिछाई जा रही हैं और वर्षों बाद रेलवे कनेक्टिविटी पर ध्यान दिया जा रहा है।

मुंबई लोकल ट्रेन में सीरियल बम धमाके की धमकी, सुरक्षा बढ़ाई गई

मुंबई (हि.स.)। एक व्यक्ति ने रविवार की सुबह फोन कर मुंबई की लाइफलाइन मानी जाने वाली लोकल ट्रेन में सीरियल बम धमाके की धमकी दी। इस धमकी के बाद लोकल ट्रेन और स्टेशनों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इस मामले में पुलिस ने जुहू से एक शख्स अशोक शंकर मुखिया को हिरासत में लिया है और उससे गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार रविवार सुबह मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में अज्ञात शख्स ने फोन पर मुंबई में लोकल ट्रेन में बम रखे जाने की जानकारी दी। धमकी देने वाले शख्स ने कहा कि कई लोकल ट्रेनों में सिलसिलेवार बम विस्फोट होंगे। कंट्रोल रूम में एक महिला कर्मी ने यह धमकीभरा काल अटेंड किया था। महिला पुलिसकर्मी ने जब अज्ञात शख्स से पूछा कि बम कहां रखा गया है तो काल करने वाले ने कुर्ला, ठाणे, कल्याण, तिलकनगर आदि स्टेशनों का नाम लिया। इसके बाद पुलिसकर्मी ने उससे पूछा कि वह कहां से बोल रहा है। फोनकर्ता ने कहा कि वह जुहू से बोल रहा है और फोन काट दिया। इसके बाद पुलिस ने जब उसके फोन की लोकेशन ट्रैक की तो पता चला कि इस शख्स ने जुहू के शाह हाउस मोरगांव से फोन किया था। इसके बाद पुलिस ने जुहू से फोनकर्ता शख्स अशोक शंकर मुखिया को हिरासत में लिया है। अब तक पूछताछ में पता चला है कि वह बिहार के सीतामढ़ी जिले का रहने वाला है। फोन करने के उद्येश्य की छानबीन पुलिस कर रही है।

दुबई में 8 अगस्त से अंतरराष्ट्रीय साहित्य महोत्सव, दिया जाएगा 'अक्षरवार्ता अंतरराष्ट्रीय अवार्ड'

नई दिल्ली (हि.स.)। अंतरराष्ट्रीय साहित्य महोत्सव-2023 का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में 08 अगस्त से आयोजित किया जा रहा है। इस महोत्सव में भारत सहित कई देशों के साहित्यकारों व पत्रकारों को आमंत्रित किया गया है। इस मौके पर चुनिंदा साहित्यकारों और पत्रकारों को अक्षरवार्ता अंतरराष्ट्रीय अवार्डह्व भी दिया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय साहित्य महोत्सव के आयोजक डॉ. मोहन बैरागी ने बताया कि यह आयोजन कृष्ण बसंती शैक्षणिक एवं सामाजिक जनकल्याण समिति उज्जैन (म.प्र.), अक्षरवार्ता अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका, वागीश अंतरराष्ट्रीय संस्था दुबई (यूएई) और अथक चेष्टा ट्रस्ट यूनिवर्सल, (यूएई) के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है। उन्होंने बताया कि यह साहित्य महोत्सव दुबई के दि लीला होटल के सभागार में 8 अगस्त से 12 अगस्त तक आयोजित होगा। इस महोत्सव में भारत के पचास से अधिक साहित्यकारों व पत्रकारों के अलावा विश्व के कई देशों के साहित्य से जुड़े लोगों को आमंत्रित किया गया है। इस सम्मेलन में दुबई, अबूधाबी और ओमान के कई प्रोफेसर और विद्वान भी शामिल होंगे। अक्षरवार्ता अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका के प्रधान संपादक शैलेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम में चुनिंदा साहित्यकारों को ह्यअक्षरवार्ता अंतरराष्ट्रीय अवार्ड भी दिया जाएगा। दुबई की संस्था बागीश की अध्यक्ष डॉ. आरती लोकेश ने बताया कि महोत्सव में अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में कई शोधकर्ता अपने शोधपत्र पढ़ेंगे।

पाकिस्तान में हजारा एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त, 25 की मौत

रावलपिंडी (हि.स.)। रावलपिंडी जा रही हजारा एक्सप्रेस की 10 बोगियां पटरी से उतर गई, जिसमें 25 लोगों की मौत हुई है और 150 लोग घायल हुए हैं। हादसे के बाद मौके पर व्यापक पैमाने पर राहत एवं बचाव कार्य जारी है। आसपास के सभी अस्पतालों में घायलों का इलाज जारी है। प्रशासन ने आपात काल लागू कर दिया है।

यह हादसा रविवार को शहजादपुर और नवाबशाह के बीच स्थित सहारा रेलवे स्टेशन के पास हुआ है। रावलपिंडी जाने वाली हजारा एक्सप्रेस ट्रेन के 10 डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे कम से कम 25 लोगों की मौत हुई है और 150 लोग घायल हुए हैं। इस ट्रेन दुर्घटना के बाद सिंध के आंतरिक जिलों से आने-जाने वाली ट्रेनों का संचालन निलंबित कर दिया गया है। साथ ही मौके पर पहुंचे बचाव दल ने घायलों को नवाबशाह के पीपुल्स मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया है। अधिकारियों का कहना है कि ट्रेन के पटरी से उतरने के पीछे का कारण का पता नहीं चल पाया है।

रेलवे मंडल अधीक्षक रहमान ने पुष्टि की है कि ट्रेन दुर्घटना में 10 डिब्बे पटरी से उतरे हैं। उन्होंने बताया कि अधिक जानकारी प्राप्त की जा रही है। पुलिस ने कहा कि प्रभावित बोगियों से यात्रियों को निकालने के लिए टीमें मौके पर मौजूद हैं। स्थानीय प्रशासन ने दुर्घटना के बाद आसपास के अस्पतालों में आपातकाल लागू कर दिया है।

स्वत्वाधिकारी यशवंत धोटे के लिए प्रकाशक, मुद्रक मधुकर सिंह, मां तपेश्वरी मीडिया एंड पब्लिकेशन प्रा0 लिमिटेड, सिंहमोड़ कल्याणपुर हटिया, अपोजिट एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, द्वारा रांची से प्रकाशित कर, तपो प्रिंटर, गुटूआ मौजा, प्लॉट न.-1124/1125, कटहल मोड़, थाना-नगड़ी, दयाल पेट्रोल पंप के बगल में, रांची (झारखंड) से मुद्रित, (न्याय क्षेत्र रांची) संपादक-सचिन कुमार सिंह, स्थानीय संपादक-उपेन्द्र नाथ पाण्डेय* (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार*) , फोन नं-0651-2910972, ईमेल - navpradeshranchi@gmail.com (RNI No. JHAHIN/2016/68458)